हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



अमन सहरावत
कुश्ती 57 किग्रा



कुमकुम मोहोद
तीरंदाजी महिला रिकर्व व्यक्तिगत

44 साल में पहली बार करिश्मा

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एक साथ एशियाड में जीता सोना, ओलंपिक कोटा भी मिला

दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : 2023 में 28 जीते थे इस बार कुल 85 मेडल, टैली में चौथा स्थान

पुरुष हॉकी टीम
फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 1982 में महिला हॉकी के एशियाड में आने के बाद यह पहली बार है जब दोनों भारतीय टीमों ने एक ही एशियन गेम्स में गोल्ड जीता और इसी के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी हासिल किया।

भारतीय हॉकी के लिए एशियन गेम्स 2026 ऐतिहासिक बन गया है। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने एक ही एशियाड में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दोनों टीमों ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई भी कर लिया। 1982 से महिला हॉकी एशियन गेम्स का हिस्सा है, जबकि पुरुष हॉकी 1958 से एशियन गेम्स का हिस्सा है। 1982 से अब तक 44 साल में यह पहली बार है जब भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने एक ही एशियन गेम्स में स्वर्ण जीता और साथ-साथ ओलंपिक का टिकट कटाया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में मौजूदा चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की ओर से लालरेमसियामी ने अपने 200वें अंतरराष्ट्रीय मैच में 10वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय डिफेंस ने चीन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया। गोलकीपर सविता पुनिया ने भी ▸▸शेष पेज 4 पर ▸▸पढ़ें पेज 13 भी

एशियाड में भारत 21 गोल्ड जीता

पुरुष क्रिकेट टीम
फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया

प्रणवी उर्स
गोल्फ महिला व्यक्तिगत (पहली भारतीय महिला गोल्फर)

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप



नायरा एनर्जी ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए हैं। नई दरें शनिवार, 3 अक्टूबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। अब पेट्रोल 100.71 रुपए और डीजल 91.31 रुपए प्रति लीटर के भाव मिलेगा। कंपनी के मुताबिक इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में आई तेजी है, जिससे घरेलू ईंधन कारोबारियों पर लागत का दबाव बढ़ा है।



रिमोट से किया शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री शाह ने भेल दशहरा मैदान में राज्य स्तरीय गो-पालक सम्मेलन में कहा

मप्र के गोपालक प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन करें

शाह ने गो-पालक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मप्र सरकार की खूब तारीफ की

शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गोपालक सम्मेलन मप्र में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत। अब देश व मप्र को वर्ष 2029 के अंत तक नशा मुक्त बनाना हमारा लक्ष्य

सीएम डॉ. यादव ने कहा
मप्र में 80 लाख गोपालकों का समृद्ध परिवार, हमने पूरा वर्ष किसानों को किया है समर्पित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पशुधन (लाइव स्टॉक) और दुग्ध उत्पादन देश के किसानों और गोवंश पालकों की समृद्धि का प्रमुख आधार है। पशुधन जितना होगा, उतनी ही समृद्धि होगी। किसानों और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि ही हमारा लक्ष्य है। पशुधन से दुग्ध उत्पादन और दुग्ध उत्पादन से ही गोपालकों के घर समृद्धि आती है। दुग्ध उत्पादन किसानों और पशुपालकों की आय का बड़ा जरिया है। शाह ने मप्र के सभी गोपालकों से प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन का बड़ा लक्ष्य लेकर चलने की अपील करते हुए कहा कि सब ▸▸शेष पेज 4 पर ▸▸पढ़ें पेज 03 भी



उत्पादन का यह बड़ा लक्ष्य हासिल करने में केंद्र सरकार साथ



हितग्राहियों को लाभ वितरित किया

भारत अब दुनिया में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादक देश

देश के दुग्ध उत्पादक अग्रणी 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मप्र, गुजरात और महाराष्ट्र

दूध उत्पादन में अब देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है मप्रः सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र नई दुग्ध क्रांति की ओर बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है कि देश का अधिकतम दुग्ध उत्पादन मप्र की धरती पर हो। उन्होंने कहा कि स्वयं केंद्रीय सहकारिता मंत्री की उपस्थिति में यहां अद्भुत राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन आयोजित किया गया है। प्रदेश में 80 लाख से अधिक गोपालकों का विशाल समृद्ध परिवार है। राज्य सरकार ने गरीब युवा महिला और नारी शक्ति के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। किसान कल्याण वर्ष में हमने 17 विभागों को एक साथ जोड़ा है। किसानों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ने सभी तरह के प्रयास शुरू किए हैं।

देश को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्य

शाह ने कहा कि देश को नक्सलवाद की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल गई है। उन्होंने कहा कि अब बारी पूरे देश को नशामुक्त बनाने की है। भारत को वर्ष 2029 के अंत तक नशामुक्त बनाना हमारा लक्ष्य ▸▸शेष पेज 4 पर

सीएम के नेतृत्व में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी आईः शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गोपालक सम्मेलन मप्र में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत है। मुख्यमंत्री ▸▸शेष पेज 4 पर

कैप्टन स्मित माछर से की मुलाकात

दुबई के क्राउन प्रिंस ने अस्पताल में भारतीय पायलट का चूम लिया माथा



अस्पताल पहुंचे प्रिंस

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड 1073 में जानलेवा हमले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित माछर से शनिवार को दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के उपप्रधानमंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने अस्पताल में मुलाकात की। उन्होंने कैप्टन माछर के साहस और जिम्मेदारी की जमकर सराहना की। अस्पताल में मुलाकात के दौरान शेख हमदान ने कैप्टन स्मित माछर से बातचीत की और उन्हें गले लगाया। तस्वीरों में वह भारतीय पायलट का माथा चूमते हुए भी नजर आए।

प्रदेश की 103 पंचायत पदों पर मतगणना

सुसनेर नप अध्यक्ष पर भाजपा जीती, कांग्रेस प्रत्याशी की हार



जेसीबी से बरसाए फूल सीएम ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी सफलता मिली। आगर-मालवा के सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद पर भाजपा समर्थक प्रदीप सोनी ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस समर्थक विष्णु पाटीदार को 960 वोटों से हराया। जीत के बाद सोनी समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जेसीबी से फूल बरसाकर स्वागत किया। प्रदीप सोनी को 5663 और पाटीदार को 4703 वोट मिले। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी सुसनेर की जीत पर बधाई दी है।

नोएडा में दिल दहलाने वाला हादसा



संभव पिछले चार दिनों से घर से गायब था

लाल घेरे और (इंसेट) में संभव

43वीं मंजिल से कूदा युवक शरीर के हो गए कई टुकड़े

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 में एक ऊंची इमारत से गिरकर युवक की मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान संभव जैन के रूप में हुई है, जो हरियाणा के गुरुग्राम स्थित आईएमटी मानेसर का रहने वाला था। संभव पिछले चार दिनों से घर से गायब था और आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहा था। पुलिस को उसके पिता के साथ हुई कुछ चैट भी मिली हैं। अभी यह साफ नहीं हुआ है कि युवक की मौत के पीछे असली वजह क्या थी। संभव जैन ▸▸शेष पेज 4 पर

2 जुलाई से 3 अक्टूबर तक 94 दिन मेहमान रहा मानसून

प्रदेश से 12 दिन पहले 'विदा' हुआ मानसून, चार फीसदी कम गिरा पानी

पिछले साल 13 अक्टूबर को हुई थी वापसी, 6-7 को फिर होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

पिछले 5 सालों के दौरान इस बार प्रदेश में मानसून की बेरुखी देखने मिली है। जिसके तहत 15 अक्टूबर को वापसी की जगह मानसून 12 दिन पहले ही प्रदेश से लौट गया है। जिसकी वजह से प्रदेश में सामान्य से औसत 4 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है, हालांकि पूर्वी जिलों में 12 फीसदी अधिक बारिश हुई है, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में चार फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। ग्यारह जिलों में 80 फीसदी से कम बारिश होने से यहां सूखे के हालात बन सकते हैं। इस बार शुरु से ही मानसून का मिजाज ठीक नहीं था, जिसके तहत बारिश का सिस्टम कमजोर बना हुआ था। तीन जुलाई को ▸▸शेष पेज 4 पर

पूर्वी क्षेत्र के जिलों में चार फीसदी ज्यादा पश्चिमी में 12 फीसदी कम हुई बारिश



एयरपोर्ट रोड का दृश्य शाम 5 बजे

तीन दिन बाद दर्जन भर जिले भीगेंगे

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा का कहना है कि छह और सात अक्टूबर को लोकल सिस्टम बनने से सिंगरौली, श्योपुर कलां, मुरैना, भिंड, रीवा, सीधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी कटनी और जबलपुर में बारिश होगी।

पांच साल में सबसे कम बारिश, 11 जिले सूखे

प्रदेश के आधे हिस्से में सूखे जैसे हालात हैं। 55 में से 30 जिलों में सामान्य बारिश का कोटा पूरा नहीं हुआ है। इनमें भी 11 जिले ऐसे हैं, जहां 80 फीसदी से कम पानी गिरा। आलीराजपुर में तो आधी बारिश भी नहीं हुई। पश्चिमी हिस्से, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में 12 प्रतिशत तक कम पानी गिरा। पूर्वी हिस्से जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 4 फीसदी ज्यादा बारिश हुई।



हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 4 अक्टूबर 2026

02 मुख्यमंत्री ने आईआईएसई आर भोपाल के विस्तारित...



11 हास्य, रहस्य और रंगमंचीय कौशल से सजी सिंधी नाट्य...



बीएलओ दोबारा से करेंगे एसआईआर में काटे गए नामों की तलाश

18 साल की उम्र पूरी करने वाले नए मतदाता भी जुड़वा सकेंगे नाम

एसआईआर : तीन लाख 20 हजार शिफ्टेड-अनुपस्थित वोटर्स की होगी दोबारा से तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

फरवरी माह में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में वोटर लिस्ट को शुद्ध करने के बाद तीन लाख 20 हजार शिफ्टेड और एबसेंट वोटर्स के नाम काटे गए थे। अब जिनकी तलाश दोबारा से की जाएगी। इसमें एक लाख बीस हजार वोटर्स शिफ्टेड और करीब एक लाख मतदाता एबसेंट की केटेगरी में थे। अब बीएलओ दोबारा से डोर-टू-डोर सर्वे करेंगे, जिसमें मिलने वाले मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में जोड़े जाएंगे। इधर ऐसे मतदाता जिनकी उम्र 18 साल हो गई है वह भी अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकेंगे। उन्हें माता-पिता का वर्ष-2003 का रिकार्ड देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।



अब सात दिन में बनेगा कार्ड

उपजिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडे का कहना है कि जिन मतदाताओं की उम्र 30 सितंबर को 18 साल पूरी हो गई है। वह भारत निर्वाचन आयोग की लिस्ट में नाम जुड़वाने का आवेदन कर सकते हैं। इन मतदाताओं को माता-पिता का वर्ष-2003 का रिकॉर्ड भी देने की जरूरत नहीं है।

किस विधानसभा में कितने कम हुए मतदाता

विधानसभा	फाइनल लिस्ट
▶▶ बैरसिया	245030
▶▶ उत्तर	205605
▶▶ नरेला	283893
▶▶ द. पश्चिम	172610
▶▶ मध्य	181274
▶▶ गोविंदपुरा	320746
▶▶ हुजूर	336295
कुल	1745453

22 साल बाद प्रक्रिया

राजधानी में 22 साल बाद हुए एसआईआर के ड्राफ्ट रोल में काटे गए 4 लाख 38 हजार नामों के बाद करीब 82 हजार नए नाम जोड़े गए हैं। एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट में अब 17 लाख 45 हजार 453 मतदाता हैं। जारी किए गए ड्राफ्ट रोल में 16 लाख 87 हजार 33 थी। अब 8 लाख 88 हजार 530 पुरुष, 8 लाख 56 हजार 851 महिला मतदाता हैं। साथ ही 72 अन्य मतदाता शामिल हैं।

कोहेफिजा पुलिस ने दर्ज की अज्ञात साइबर ठग पर एफआईआर

अकाउंटेंट का सीएफओ बनकर किया मैसेज खाते में कराया एक करोड़ का आरटीजीएस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी की एक कंपनी के कर्मचारी से साइबर ठग ने वाट्सएप पर कंपनी का (एक निजी कंपी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर) सीएफओ बनकर फर्जी मैसेज भेजकर 1 करोड़ की ठगी कर ली। ठग ने कर्मचारी को रकम तत्काल आरटीजीएस के जरिए दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए थे।

मामले में कोहेफिजा पुलिस ने शुक्रवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, रियल एस्टेट कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर तैनात 51 वर्षीय व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को उन्हें वाट्सएप पर कंपनी के सीएफओ के नाम से एक मैसेज मिला। इसमें एक लेनदेन को बेहद जरूरी बताते हुए तत्काल 1 करोड़ रुनपए आरटीजीएस के जरिए बताए गए बैंक खाते में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए। अकाउंटेंट ने मैसेज को सीएफओ का वास्तविक निर्देश समझकर एमपी नगर स्थित कंपनी के बैंक खाते से 1 करोड़ रुपए आरटीजीएस के माध्यम से पटना के एक बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए। बाद में कंपनी के सीएफओ ने अकाउंटेंट को बताया कि उन्होंने ऐसा कोई मैसेज नहीं भेजा था और न ही इस लेनदेन को मंजूरी दी थी।

पुलिस कर रही मामले की है जांच-पड़ताल

इसके बाद कंपनी ने बैंक से संपर्क कर ट्रांजेक्शन रोकने या रकम वापस लेने का अनुरोध किया, लेकिन बैंक अधिकारियों ने बताया कि रकम पहले ही लाभार्थी के खाते में जमा हो चुकी थी। अकाउंटेंट ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद कथित तौर पर विवादित रकम को होल्ड पर रखा गया। कोहेफिजा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर ट्रांजेक्शन की कड़ी, लाभार्थी खाते और फर्जी व्हाट्सऐप मैसेज की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की पहचान और रकम की रिकवरी के प्रयास कर रही है।

एसडीएम को सौंपी अवैध कॉलोनियों की जांच

डायवर्जन कराकर सौ से अधिक कॉलोनियों में बेचे जा रहे प्लॉट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नई और पुरानी अवैध कॉलोनियों को लेकर एक बार फिर सख्ती होगी। हुजूर तहसील में अब तक 150 नई कॉलोनियां चिन्हित की गई हैं। शहर के आसपास सौ से अधिक कॉलोनियां अवैध रूप से काटी गई हैं। इन कॉलोनियों का सिर्फडायवर्जन कराया गया है। जबकि टीएंडसीपी सहित नगर निगम की अन्य परमिशन नहीं ली गई हैं। इन कॉलोनियों में प्लॉट बेचने के लिए बिजली, पानी, सीवेज, सड़क सहित अन्य सुविधाओं का वादा करते हैं, लेकिन बाद में खरीदार को ऐसी सुविधाएं नहीं मिलती हैं।

डायवर्सन के बैनर लगाकर बेची जा रही जमीन

कालोनाइजर द्वारा जगह-जगह डायवर्सन के बैनर लगाकर लोगों को प्लाट और फार्म हाउस बेचे जा रहे हैं। अकेले लांबाखेड़ा और उससे लगे क्षेत्र में ही एक दर्जन से अधिक अवैध कालोनियां काटी जा रही हैं। कोलार, रातीबढ़, भोपाल बायपास, देवलखेड़ी, श्यामपुर, सुखी सेवनिया, मानपुर, इमलिया, मालीखेड़ी, दामखेड़ा, झागरिया, कोकता, बिलखिरिया, जगदीशपुर, अरवलिया, परवलिया, ईंटखेड़ी, बैरसिया रोड, रायसेन रोड, नर्मदापुरम रोड, बंगरसिया रोड, भोजपुर रोड, खजूरी रोड, गांधीनगर रोड पर अवैध कॉलोनियां काटी गई हैं।

कॉलोनाइजर पर कराएंगे एफआईआर

शहर में अवैध कालोनियों को चिह्नित करने के लिए सभी सर्कल के एसडीएम को सर्वे कर लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। अवैध कॉलोनाइजर्स के खिलाफ कलेक्टर कोर्ट में सुनवाई की जा रही है। जल्द ही आदेश जारी किए जाएंगे।

प्रियंक मिश्रा, कलेक्टर

आम लोग 25 अक्टूबर तक पेश कर सकेंगे आपत्तियां

8 दिन में 348 आपत्तियां, सड़कों के अलाइनमेंट, लैंडयूज हटाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मास्टर प्लॉन 2047 के ड्राफ्ट पर शहर भर से आम लोगों की आपत्तियां आने का सिलसिला जारी है। पिछले आठ दिनों के दौरान टीएंडसीपी के पास 348 आपत्तियां पहुंची हैं, जिसमें 11 आपत्तियां ईमेल से भी मिली हैं। अधिकतर आपत्तियों में 18 मीटर चौड़ी सड़कों के अलाइनमेंट में बदलाव, ग्रीन बेल्ट व कृषि भूमि को आवासीय करने और कालापानी को सेंसिटिव जोन से बाहर रखने की मांग शामिल है। बैरागढ़ कलां सहित कई गांवों की पुरानी बसाहटों को प्रतिबंधित क्षेत्र में रखने पर विरोध जताया गया है। बाघ मूवमेंट वाले इलाकों से प्रस्तावित सड़कें हटाने की मांग की गई है।

ऑफलाइन, ऑनलाइन और ईमेल पर भेजें आपत्तियां

कई आपत्तियों में शहर के समग्र विकास के लिए अलग-अलग परियोजनाओं को जोड़कर एक एकीकृत महानगरीय नेटवर्क का प्रमाणित इंटरफेस नक्शा तैयार करने की मांग रखी गई है।

बैतूल-मरामझिरी के बीच का मामला, बिगड़ी तबीयत

चलती जयपुर एक्सप्रेस में फॉरेस्ट गार्ड को आया हार्ट अटैक, होमगार्ड जवान ने सीपीआर देकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जयपुर एक्सप्रेस में बैतूल से उज्जैन जा रहे एक फॉरेस्ट गार्ड की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बैतूल और मरामझिरी के बीच चलती ट्रेन में वह बेसुध होकर गिर पड़े। उनकी पल्स महसूस नहीं होने पर ट्रेन में मौजूद यात्री घबरा गए।

■ पल्स नहीं मिली तो जवान ने संभाला मोर्चा

इसी दौरान उसी ट्रेन में सफर कर रहे होमगार्ड सैनिक रमेश देवले ने बिना देर किए मोर्चा संभाला और फॉरेस्ट गार्ड को सीपीआर देना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में उनके शरीर में हलचल हुई और धीरे-धीरे उन्हें होश आने लगा। जानकारी के अनुसार वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड सिसोदिया जयपुर एक्सप्रेस से बैतूल से उज्जैन जा रहे थे। ट्रेन बैतूल और मरामझिरी के बीच पहुंची थी, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ ही देर में वह सीट के पास बेसुध होकर गिर पड़े। उनकी हालत देखकर आसपास बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने तत्काल रेल मदद और 139 पर सूचना देकर सहायता मांगी।

इसी बीच ट्रेन में सफर कर रहे होमगार्ड सैनिक रमेश देवले यात्री की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने फॉरेस्ट गार्ड की स्थिति देखते हुए तुरंत सीपीआर देना शुरू किया। कुछ देर तक सीपीआर देने के बाद फॉरेस्ट गार्ड के शरीर में हलचल हुई और उन्हें धीरे-धीरे होश आने लगा। इसके बाद उन्होंने बातचीत भी शुरू कर दी।

ट्रेनिंग आई काम

होमगार्ड सैनिक रमेश देवले ने बताया कि उन्हें सीपीआर देने की ट्रेनिंग मिली हुई है। ट्रेन में यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सीपीआर देने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने तत्काल सीपीआर देना शुरू किया, जिसके बाद यात्री की हालत में सुधार दिखाई देने लगा।

समर्थ युवा, सशक्त भारत

सीएम यूथ कॉन्क्लेव 2026



युवाओं के लिए अवसर, कौशल, रोज़गार और नवाचार से जुड़ी जानकारी एवं संभावनाओं का मंच

6 अक्टूबर, 2026 । लाल परेड ग्राउंड, भोपाल



स्टार्टअप एवं उद्यमिता

- युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स की सहभागिता। फार्मास्युटिकल, मैन्युफैक्चरिंग, AI/मशीन लर्निंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स की प्रस्तुति

युवा नवाचार एवं प्रदर्शन

- AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार, फ्यूचर रेडी एजुकेशन और टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रदर्शन

कॅरियर एवं कौशल के अवसर

- कौशल विकास, कॅरियर मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर

शासकीय योजनाओं की जानकारी

- पात्रता, पंजीयन, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित स्टॉल

सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता

- विश्वविद्यालयों द्वारा कॅरियर मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों की जानकारी

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11133/26

युवा अधिक से अधिक सहभागिता करें

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

भोपाल, रविवार 4 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन मास कृष्ण पक्ष-8 ■ वर्ष : 13, अंक : 184 ■ पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 ** मौसम अधि. 33 न्यून. 21 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

32 देशों के सैन्य प्रतिनिधियों ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का किया दौरा

'सरदार' को सैल्यूट

भारत की सांस्कृति और रक्षा निर्माण से हुए परिचित

भारतीय वायुसेना द्वारा यह मेगा बहुराष्ट्रीय एयर एक्सरसाइज 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित की जा रही है, जिसकी थीम 'पावर इन पार्टनरशिप' है

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति 2026' में शामिल 32 देशों के सैन्य पर्यवेक्षकों और प्रतिनिधियों ने गुजरात के केवड़िया में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। विदेशी मेहमानों ने दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के साथ-साथ आरोग्य वन और गुजरात में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (सी-295 विमान निर्माण सुविधा) का भी दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य विदेशी सैन्य अधिकारियों को भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता के प्रतीक और स्वदेशी एयरोस्पेस रक्षा निर्माण क्षमताओं से परिचित कराना था। गौर हो कि भारतीय वायुसेना द्वारा यह मेगा बहुराष्ट्रीय एयर एक्सरसाइज 26 सितंबर से 12 अक्टूबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित की जा रही है, जिसकी थीम 'पावर इन पार्टनरशिप' है। इस अभ्यास में कई वैश्विक वायुसेनाएं और 32 देशों के पर्यवेक्षक हिस्सा ले रहे हैं।



खबर संक्षेप

जेल में अमित का अनशन महिलाओं का सत्याग्रह

पन्ना। मझगांव डैम परियोजना से प्रभावित और विस्थापित आदिवासी परिवारों का चिता आंदोलन शनिवार को 22वें दिन और अधिक उग्र रूप में पहुंच गया। एक तरफ जेल में बंद आंदोलन के अगुआ अमित भटनागर का आमरण अनशन लगातार छठे दिन भी जारी रहा, वहीं दूसरी तरफ आंदोलन स्थल पर प्रभावित महिलाओं और ग्रामीणों ने गले में रस्सी का फंदा डालकर पानी के बीच सत्याग्रह शुरू कर दिया।



इंदौर में निगम कर्मचारी ने जहर खाया, भर्ती

इंदौर। नगर निगम में 10 साल से ड्राइवर धर्मेंद्र धारू ने शनिवार को जहर पीकर जान देने की कोशिश की है। धारू ने जहर पीने से पहले वीडियो बनाया, जिसमें उधारी और ब्याज के रुपए वापस लेने के लिए चार लोगों पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। धारू एमवाय अस्पताल में भर्ती हैं जहां उनका इलाज चल रहा है। उसने कहा मैं धर्मेंद्र लाहौर हूं। मैं भंवर धावरे जी से परेशान हूं। मेरे से पैसों की मांग की जा रही है।



सांसद बचीं, डीएसपी की गाड़ी ने मारी टक्कर

भोपाल। प्रदेश से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया शनिवार को एक हादसे में बाल-बाल बच गईं। यह घटना भोपाल के पास रायसेन जिले के मंडीदीप क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक नारोलिया भोपाल जा रही थीं। उनकी गाड़ी जैसे ही मंडीदीप में खेड़ापति माता मंदिर के पास पहुंची, ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे काफिले में पीछे चल रही डीएसपी की गाड़ी ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी।



संसदीय समितियों में फेरबदल: थरूर, चन्नी और अनुराग को फिर मिली जिम्मेदारी

सुधांशु वाणिज्य समिति... काकोली रसायन मंदसौर सांसद गुप्ता होंगे रेलवे समिति प्रमुख

संसदीय समितियां सांसदों का एक छोटा समूह होती हैं जो संसद के बड़े कार्यों को संभालने, विधेयकों की गहराई से जांच करने और वित्तीय मामलों की निगरानी करने के लिए कार्य करती हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नई सूची में कई बदलाव किए गए हैं। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को वाणिज्य समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि शशि थरूर, चरणजीत सिंह चन्नी और अनुराग ठाकुर सहित कई नेताओं को फिर जिम्मेदारी मिली है। काकोली घोष दस्तीदार और सुधीर गुप्ता ने क्रमशः रसायन एवं उर्वरक तथा रेलवे समितियों में नए अध्यक्ष के रूप में जगह बनाई है।

रक्षा और वित्त समितियों की जिम्मेदारी भी नए नेताओं को सौंपी गई है। संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नई सूची में कई नेताओं को दोबारा जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कुछ समितियों की कमान नए नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को वाणिज्य संबंधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन की जगह ली है। वहीं, कांग्रेस के शशि थरूर को विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष फिर नियुक्त किया गया है। कृषि समिति की जिम्मेदारी भी कांग्रेस के चरणजीत सिंह ▶▶शेष पेज 4 पर

थरूर विदेश मामलों की समिति के फिर अध्यक्ष


शशि थरूर


सुधांशु त्रिवेदी


काकोली घोष


सुधीर गुप्ता

कृषि समिति की जिम्मेदारी भी कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी के पास ही

रक्षा समिति की जिम्मेदारी राधा मोहन सिंह को सौंपी गई है

संसद में विभागों से संबंधित स्थायी संसदीय समितियां 24

किन समितियों के अध्यक्ष बदले गए

- **वाणिज्य समितिः** भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन की जगह ली है
- **कार्मिक, लोक शिकायत, कानून एवं न्याय समितिः** भाजपा के सुजीत कुमार को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है
- **रसायन एवं उर्वरक समितिः** तृणमूल कांग्रेस की काकोली घोष दस्तीदार ने कीर्ति आजाद की जगह ली है
- **रेलवे समितिः** भाजपा के सुधीर गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने सीएम रमेश की जगह ली है
- **रक्षा समितिः** राधा मोहन सिंह को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है
- **उद्योग समितिः** द्रमुक के तिरुचि शिवा समिति की कमान संभालेंगे
- **वित्त समितिः** भर्तृहरि महताब को अध्यक्ष बनाया गया है

किन नेताओं को फिर से अध्यक्ष बनाया गया?

- **विदेश और कृषिः** कांग्रेस के शशि थरूर विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष फिर नियुक्त हुए हैं, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी कृषि समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे।
- **परिवहन और ऊर्जाः** संजय कुमार झा को परिवहन समिति का अध्यक्ष फिर बनाया गया है। शिवसेना के श्रीरंग बारणे ऊर्जा समिति के अध्यक्ष पद पर दोबारा नियुक्त हुए हैं।
- **गृह और सूचना प्रौद्योगिकीः** भाजपा के राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। निशिकांत दुबे को संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी समिति की जिम्मेदारी फिर मिली है।
- **कोयला, खान और इस्पातः** ▶▶शेष पेज 4 पर

हत्याएं क्यों कीं? इसका पता नहीं चल सका

युवक ने नाना-नानी, मां और बहन को मार डाला



एक की आंखें फोड़ी, मामा बोले- पत्थर से कुचला, परिवार खत्म कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अनूपपुर

अनूपपुर में शनिवार को एक युवक ने अपनी नानी, नाना, मां और मामा की बेटी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हमले में नाना की आंखें भी फोड़ दी। परिवार के तीन लोग घायल हुए हैं, जबकि हमले में घायल पुजारी गंगाराम का भी इलाज चल रहा है। वारदात अमोदा गांव की है। करनपठार पुलिस के मुताबिक, आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मृतकों में 70 वर्षीय नानी भन्नी बाई गोंड, 75 वर्षीय नाना संपत सिंह गोंड, 50 वर्षीय मां ▶▶शेष पेज 4 पर

तीन भारी वाहन आपस में टकराए

खड़े ट्रॉले में घुस गया ट्रेलर कंटेनर पुलिया से टकराया

क्लीनर की मौत हो गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

धार जिले के सरदारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेट हाईवे-35 सरदारपुर-भैंसोला मार्ग पर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात मौलाना फाटे से कुछ दूरी पर एचपी पेट्रोल पंप के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। तीन भारी वाहन हादसे की चपेट में आ गए।


दुर्घटना से क्षतिग्रस्त वाहन

हादसे में एक क्लीनर की मौत हो गई, जबकि चालक और परिचालक घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सड़क किनारे खड़ा ट्रॉला ▶▶शेष पेज 4 पर

भाजपा सांसद गजेंद्र हिंदुओं से बोले

5 बच्चे पैदा करो..'हम दो, हमारे पांच' का दिया नारा


कहा- जनसंख्या संतुलन बिगड़ा तो अल्पसंख्यक हो जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बड़वानी

खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने हिंदू परिवारों से कम से कम 5 बच्चे पैदा करने की अपील की। उन्होंने 'हम दो, हमारे पांच' का नारा देते हुए कहा कि जनसंख्या में संतुलन नहीं रहा तो हिंदू समाज अल्पसंख्यक हो सकता है। उन्होंने युवाओं से समय पर शादी करने और परिवार बढ़ाने की बात कही। पटेल बड़वानी जिला मुख्यालय के कालिका माता मंदिर में नवरात्रि के बाद होने वाले भंडारे को लेकर हुई बैठक में बोल रहे थे। बैठक में कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई, पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल ▶▶शेष पेज 4 पर

आप नेताओं की कथनी और करनी पर सवाल उठाए

आप की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ कांग्रेस में गईं


लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तारीफ की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। वह 2013 में आप से जुड़ी थीं और पार्टी में कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुकी हैं। 2023 में उन्हें राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बनाया गया था। कांग्रेस में शामिल होने के बाद कक्कड़ ने आप की शुरुआती नीतियों और बाद के तौर-तरीकों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह ऐसे मोड़ पर पहुंच गई थीं, जहां उन बातों का बचाव करना संभव नहीं रह गया था, जिनका बचाव किया ही नहीं जा सकता। कक्कड़ ने राहुल गांधी की तारीफ ▶▶शेष पेज 4 पर

राहुल से मिले स्वामी प्रसाद, गठबंधन में शामिल होंगे


स्वामी प्रसाद मौर्य

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इंडिया ▶▶शेष पेज 4 पर

बैतूल-इंदौर हाईवे पर हुआ हादसा

हार्वेस्टर से टकरा गई कार युवक की गर्दन अलग हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

बैतूल-इंदौर फोरलेन पर चिचोली थाना क्षेत्र के कुम्हली-दनोरा के बीच शुक्रवार रात कार और हार्वेस्टर की टक्कर हो गई। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें कार सवार 20 वर्षीय अंकित चंदेल की मौके पर मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई। उसका साथी रेमोन पवार गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे


अंकित चंदेल (मृतक)

बैतूल से प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार गढ़ा निवासी अंकित चंदेल फार्मेसी का छात्र था और मेडिकल पर भी काम करता था। शुक्रवार ▶▶शेष पेज 4 पर

गूगल का नया वॉयस-बेस्ड इमरजेंसी एसओएस फीचर

सिर्फ 'आवाज' से भेज सकेंगे अलर्ट पावर बटन को नहीं दबाना होगा 5 बार

यूजर के लगातार तीन बार हेल्प बोलने पर यह फीचर एक्टिवेट हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



काम की खबर

टेक कंपनी गूगल अपने एंड्रॉयड यूजर्स की सुरक्षा मजबूत करने के लिए एक नए वॉयस-बेस्ड इमरजेंसी एसओएस फीचर पर काम कर रही है। एंड्रॉयड अथॉरिटी की रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी मदद से यूजर सिर्फ अपनी आवाज से चुने हुए कॉन्टैक्ट्स को एसओएस अलर्ट भेज सकेंगे। अभी इमरजेंसी एसओएस एक्टिवेट करने के लिए पावर बटन को पांच बार दबाना पड़ता है। इस सिस्टम में बिना कोई बटन दबाए अलर्ट चला जाएगा और इमरजेंसी में सबसे पहले रिस्पॉन्ड करने वालों को कॉल भी लग जाएगी। यह फीचर अभी सामान्य यूजर्स के लिए रोलआउट नहीं हुआ है, लेकिन इसे पर्सनल सेफ्टी एप के बिल्ड वर्जन 2026.09.16.982745548 में स्पॉट किया गया है। यूजर्स को एसओएस अलर्ट भेजने के लिए हैंड्स-फ्री तरीका चुनने का ऑप्शन मिल सकता है। यूजर के लगातार तीन बार हेल्प बोलने पर यह फीचर एक्टिवेट होगा।

सेवा संकल्प अभियान का समापन...

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सीएम के रूप में शपथ ली थी, 2026 में 25 वर्ष पूरे हो रहे

वडनगर में शिवराज, शुभेंदु-भूपेंद्र काशी में नितिन, योगी और हिमंता

विशेष संवाददाता ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर से उनकी कर्मभूमि काशी तक निकली 'सेवा संकल्प यात्रा' का 7 अक्टूबर को भव्य समापन होगा। इस अवसर पर काशी में भाजपा बड़े सार्वजनिक आयोजन के जरिए अभियान का समापन करेगी

खास बात यह है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन की काशी में यह पहली बड़ी जनसभा होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। जगतपुर इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली इस सभा में करीब 50 हजार लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन से शुरू हुई यह यात्रा उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का प्रमुख हिस्सा है। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस लिहाज से 7 अक्टूबर 2026 को ▶▶शेष पेज 4 पर


नितिन नवीन


शिवराज सिंह चौहान


शुभेंदु अधिकारी


योगी आदित्यनाथ


हिमंता बिस्वा शर्मा

दोनों दिशाओं से निकलीं 20 टीमें

इस अभियान के तहत वडनगर और वाराणसी से कुल 20 टीमें रवाना की गईं। यात्रा में करीब 500 बाइक यात्री शामिल हैं। वडनगर से काशी पहुंचने वाले यात्रियों का 7 अक्टूबर को नमो घाट पर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे नमो बुक फेस्टिवल जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी 450 से अधिक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके बाद कूज के जरिए ललिता घाट ▶▶शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

शिक्षकों को 31 जनवरी तक पूरा कराना होगा सिलेबस

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम को लेकर विभाग ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों का पाठ्यक्रम इस शैक्षणिक सत्र में 31 जनवरी तक पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश आगामी 1 फरवरी से शुरू होने वाले जनगणना के दूसरे चरण को देखते हुए दिए गए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि अपने जिले के विद्यालयों में पढ़ाई के लिए बकाया पाठ्यक्रम चार माह में पूरा कराया जाए। शैक्षणिक कैलेंडर में विषय-वस्तु का विभाजन 9 माह में और 10वें माह में वार्षिक मूल्यांकन के रूप में किया गया है।

आउटसोर्स व्यवसायिक शिक्षकों को नहीं हटा सकेंगी नई कंपनी

भोपाल। प्रदेश के स्कूलों में व्यवसायिक शिक्षा से जुड़े आउटसोर्स व्यवसायिक शिक्षकों को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने नए दिशा-निर्देश दिए हैं। जिसके अनुसार, नई कंपनियों को पहले से काम कर रहे कर्मचारियों को सेवा में रखना होगा। आदेश में कहा गया है कि प्रदेश में काम कर रहीं 13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म कर नई कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन नई कंपनियों को पहले से काम कर रहे कर्मचारियों को सेवा में रखना होगा।

आईआईएसईआर परिसर में हुआ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री ने आईआईएसईआर भोपाल के विस्तारित परिसर 'अत्रि' का किया शिलान्यास

52 एकड़ में विकसित होगा नया परिसर, उन्नत अनुसंधान, नवाचार, शिक्षा और कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को भौरी में आईआईएसईआर के एडवांस्ड टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च इनोवेशन (अत्रि) के प्रस्तावित विस्तारित परिसर के नक्शे का अवलोकन किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अनेक क्षेत्रों में नवाचारों से विकास को तेज करने में सहायता मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया है। इस संकल्प को मप्र सरकार साकार करने के प्रयास कर रही है। मप्र में सभी प्रकार के शोध और नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईसर भोपाल को 485 करोड़ रुपए लागत के नए कैंपस, आधुनिक लैब, इनोवेशन पार्क की सौगात मिली है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल के विस्तारित परिसर 'अत्रि' के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विस्तारित परिसर के लिए चिन्हित भूमि पर शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया और बरगद, पीपल के पौधे भी लगाये। इसके बाद आईआईएसईआर के मुख्य परिसर में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित किए और संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं अनुसंधान गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा, संस्थान के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की गौरवशाली संस्कृति को पूरे विश्व में प्रचारित करने का कार्य किया। इस परिसर में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा की स्थापना सराहनीय है। नीति आयोग के सदस्य गोवर्धन दास ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन एवं सहयोग में विस्तारित परिसर का शिलान्यास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण संस्थान की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण अवसर है।

विज्ञान और नवाचार के नए अवसरों का आधार बनेगा 'अत्रि'

प्रभारी निदेशक, आईआईएसईआर भोपाल श्री रघुवीर सिंह तोमर ने कहा कि संस्थान ने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्ष 2008 में स्थापित आईआईएसईआर भोपाल ने विगत 18 वर्षों में ज्ञान-विज्ञान, अभियांत्रिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्य सरकार ने आईआईएसईआर भोपाल को नए परिसर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च इनोवेशन (अत्रि) के विकास के लिए 52 एकड़ भूमि आवंटित की है। विस्तारित परिसर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय महत्व के उभरते क्षेत्रों में कार्य किया जाएगा।
आईआईएसईआर भोपाल संसद के अधिनियम के तहत स्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। विस्तारित परिसर के माध्यम से संस्थान में अनुसंधान एवं नवाचार की सुविधाओं का विस्तार होगा तथा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को उभरती प्रौद्योगिकियों पर कार्य करने के नए अवसर मिलेंगे।

वन विहार की आवाजें कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों ने की सहभागिता

भोपाल। वन्य-जीव सप्ताह-2026 की थीम जुड़े आवास, वन्य-जीवन का विकास के अनुरूप शनिवार को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीव संरक्षण, जैव-विविधता एवं पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों, युवाओं एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए प्रातः 8 से 9:30 बजे तक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन विहार की आवाजें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 81 दिव्यांग विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विषय विशेषज्ञ के रूप में सुनील सिन्हा, सेवानिवृत उप वन संरक्षक, डॉ. संगीता राजगीर, मो. खालिक एवं संकल्प किसनानी द्वारा विद्यार्थियों को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के प्राकृतिक परिवेश एवं वन्य-जीवों से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रकृति भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को वन क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, पक्षियों तथा वन्य-जीवों के प्राकृतिक आवास के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को प्रकृति को नजदीक से देखने, वन्य-जीवों की गतिविधियों को समझने तथा प्राकृतिक वातावरण का अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को पक्षियों की आवाजों, प्राकृतिक ध्वनियों एवं आसपास के जैव-विविधतापूर्ण वातावरण से परिचित कराया गया।

केंद्रीय टीम का सहयोग देना सकारात्मक पहल

प्रदेश को नशा मुक्त बनाने पूरे सिंडिकेट को किया जाएगा ध्वस्त



अधिकारियों के साथ चर्चा करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नशा मुक्त भारत के निर्माण के संकल्पों के अनुरूप प्रदेश में मादक पदार्थों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई शुरू की गई है। राज्य सरकार और पुलिस अब मादक पदार्थों, सायबर अपराध, अवैध हथियारों तथा संगठित अपराध के नेटवर्क पर सतत प्रहार कर रही है।

मप्र को 'नशा मुक्त' बनाने के लिए पूरे सिंडिकेट को ध्वस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मप्र में कानून-व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

अपराधियों की आवाजाही रोकना आवश्यक

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के विजन से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ से लगी सीमाओं को देखते हुए अपराधियों की अंतर्राज्यीय आवाजाही, हथियारों की तस्करी तथा ड्रग्स कॉरिडोर पर पड़ोसी राज्यों के साथ आसूचना और समन्वित कार्रवाई आवश्यक है।

36.17 करोड़ से अधिक की राशि करेंगे अंतरित

सीएम आज मंडला में करेंगे तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस का वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 4 अक्टूबर को मण्डला में आयोजित प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के सदस्यों के लिये प्रशिक्षण-सह-जागरूकता एवं प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि बोनस वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 लाख 4 हजार 126 तेंदूपत्ता संग्राहकों को 36 करोड़ 17 लाख 37 हजार 518 रुपये के तेंदूपत्ता बोनस का वितरण करेंगे। कार्यक्रम में तेंदूपत्ता संग्राहकों में पूर्व मण्डला, पश्चिम मण्डला, डिण्डोरी, जबलपुर, उत्तर सिवनी, दक्षिण सिवनी, उत्तर बालाघाट और दक्षिण बालाघाट वन मण्डल के प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 84 वन समितियों के सदस्यों को 26 करोड़ 56 लाख 53 हजार 929 रुपए का काष्ठ लाभांश भी वितरित करेंगे। काष्ठ लाभांश में पूर्व मण्डला एवं पश्चिम मण्डला की कुल 84 वन समितियां शामिल रहेंगी। यह कार्यक्रम तेंदूपत्ता संग्राहकों एवं वनोपज से जुड़े परिवारों के आर्थिक हितों को सुदृढ़ करने तथा उनके परिश्रम के सम्मान के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

साझा नहीं किया ओटीपी, फिर भी खाते से निकल गए रुपए

बिजली कनेक्शन अपडेट करने का झांसा देकर 76 साल के बुजुर्ग से 1.41 लाख रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिजली कनेक्शन में कंज्यूमर नंबर अपडेट करने के नाम पर साइबर ठग ने 76 वर्षीय बुजुर्ग को झांसे में लेकर उनके तीन बैंक खातों से 1 लाख 41 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर चूनाभट्टी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार दीपक सोसाइटी निवासी शरद चंद्र मिश्रा (76) ने शिकायत में बताया कि 30 सितंबर को दोपहर करीब 3.30 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से वाट्सएप मैसेज आया। इसमें बिजली मीटर का कंज्यूमर नंबर अपडेट करने के लिए कहा गया था। मैसेज में यह भी बताया गया कि अपडेट नहीं करने पर रात 9.30 बजे बिजली कनेक्शन बंद कर दिया जाएगा। साथ ही एक मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा गया। शरदचन्द्र ने दिए गए नंबर पर संपर्क किया तो सामने वाले ने खुद को बिजली कंपनी का विजय पांडेय बताते हुए एक लिंक भेजा। लिंक पर जानकारी भरने के बाद 12 रुपए का भुगतान के लिए कहा। पीड़ित ने एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक के डेबिट कार्ड से भुगतान करने का प्रयास किया, लेकिन ट्रांजेक्शन फेल हो गया। इसके बाद उन्होंने एमपीईबी की वेबसाइट से 12 रुपए का ऑनलाइन भुगतान किया।

पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई शिकायत

शिकायत के मुताबिक इसके बाद उनका मोबाइल और व्हाट्सएप हैक हो गया। मोबाइल पर बैंकिंग ट्रांजेक्शन के ओटीपी आने के बावजूद उन्होंने किसी को ओटीपी साझा नहीं किया। इसके बाद भी अलग-अलग बैंक खातों से रकम निकलती रही। एसबीआई खाते से करीब 70 हजार रुपए, आईसीआईसीआई बैंक खाते से 31 हजार रुपए और एक्सिस बैंक खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए गए। तीनों खातों से कुल एक लाख 41 हजार रुपए निकलने के बाद पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

अश्लील फोटो एवं वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म, दोषी को 10 वर्ष जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विवाहित महिला के अश्लील फोटो एवं वीडियो वायरलकरने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त चन्द्रकुमार यादव उर्फ चंदा पिता देव मुनि यादव आयु 30 वर्ष निवासी कैलाश नगर सेमरा फेस-3 अशोका गार्डन भोपाल मप्र को अष्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेखा मिश्रा ने भारतीय दंड संहिता की धारा-376(1)(एन) 506 (2) एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 (ई) तथा 67 (ए) के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 14000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अभियोजन के अनुसार थाना अशोका गार्डन जिला भोपाल मप्र में फरियादिया के द्वारा लिखित शिकायत की थी कि अभियुक्त उसके पति का मित्र है। उसने माह दिसंबर 2023 मे उसके पति व बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर वाट्सएप पर वीडियो कॉल कर उसके अश्लील फोटो ले लिए थे और उसे बोला था कि अगर तूने यह बात किसी को बताया तो तेरे फोटो वायरल कर दूंगा। इसके बाद 20 दिसंबर 23 को दोपहर 3 बजे जब उसके घर पर कोई नही था, तब अभियुक्त चन्द्र कुमार उसके घर में आया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

16 साल की किशोरी से दुष्कर्म, नौ महीने से पड़ोसी युवक कर रहा था शोषण

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। करीब नौ महीने से पड़ोस में रहने वाला युवक उससे शारीरिक संबंध बना रहा था। जब वह गर्भवती हुई तो आरोपी शादी करने से इंकार कर दिया। परिजन बेटी को थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार और पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता घर के पास किराए से रहने अरबाज से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। गत वर्ष दिसंबर महीने में उसने घर बुलाया दुष्कर्म किया।

त्योहारी सीजन में रेल यात्रियों को राहत

रानी कमलापति से गया, रीवा और दानापुर के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने रानी कमलापति स्टेशन से गया, रीवा और दानापुर के लिए तीन जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। इन ट्रेनों के शुरू होने से यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी और नियमित ट्रेनों पर यात्री भार कम करने में मदद होगी।

गया स्पेशल : गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-गया स्पेशल का अगला फेरा 7 अक्टूबर को होगा। ट्रेन रानी कमलापति से दोपहर 3:20 बजे रवाना होकर नर्मदापुरम 4:34 और इटारसी 5:05 बजे पहुंचेगी तथा अगले दिन दोपहर 2:30 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में 01662 गया-रानी कमलापति स्पेशल के फेरे 5 और 10 अक्टूबर को होंगे। ट्रेन गया से दोपहर 3:30 बजे रवाना होकर अगले दिन 4:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। इसके ठहराव नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, डीडीयू जंक्शन, सासाराम सहित कई स्टेशनों पर होंगे।

रीवा पूजा स्पेशल...

गाड़ी संख्या 02191 रानी कमलापति-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल के फेरे 17 व 24 अक्टूबर तथा 7 व 14 नवंबर को होंगे। ट्रेन रात 10:15 बजे रानी कमलापति से रवाना होकर अगले दिन सुबह 7:20 बजे रीवा पहुंचेगी। वापसी में 02192 रीवा-रानी कमलापति स्पेशल दोपहर 12:30 बजे रीवा से रवाना होकर रात 9:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर और सतना में ठहराव रहेगा। ट्रेन में एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के 22 कोच रहेंगे।

चौथी रेल लाइन और मेंटेनेंस ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार

भोपाल आने वाली ट्रेनें 20 मिनट से 5.30 घंटे तक देरी से आई, शताब्दी भी 1 घंटे लेट पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देशभर में तीसरी और चौथी रेल लाइन के निर्माण के साथ ट्रैक मेंटेनेंस के चल रहे काम का असर ट्रेनों की रफ्तार पर पड़ रहा है। शनिवार-रविवार को भोपाल आने वाली कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी देरी से पहुंचीं। सबसे ज्यादा असर पंजाब, दिल्ली और मुंबई रूट से आने वाली ट्रेनों पर रहा। जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस करीब साढ़े पांच घंटे लेट पहुंची, जबकि शताब्दी एक्सप्रेस भी एक घंटे से अधिक देरी से भोपाल पहुंची। ट्रेनों के घंटों देरी से पहुंचने के कारण यात्रियों को स्टेशन पर लंबा इंतजार करना पड़ा।



यात्रियों की आगे की यात्रा, कनेक्टिंग ट्रेन और अन्य जरूरी काम प्रभावित हुए। परिवार के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। यात्रियों का कहना था कि ट्रेन के लगातार लेट होने की सही जानकारी नहीं मिलने से उन्हें स्टेशन पर इंतजार करना पड़ा। रेलवे के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे चौथी रेल लाइन के काम और ट्रैक मेंटेनेंस के कारण ट्रेनों को कई स्थानों पर धीमी गति से चलाया जा रहा है। इसका असर लंबी दूरी की ट्रेनों के समय पर पहुंचने पर दिखाई दे रहा है।

यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा

सबसे ज्यादा परेशानी उन यात्रियों को हुई, जिन्हें आगे की ट्रेन या बस पकड़नी थी। लंबी दूरी की ट्रेनों के कई घंटे देरी से पहुंचने के कारण यात्रियों को स्टेशन पर घंटों इंतजार करना पड़ा। त्योहारों का सीजन शुरू होने के बीच ट्रेनों की लेटलतीफी ने यात्रियों की परेशानी और बढ़ा दी है।

यह ट्रेनें आई देरी से

- 14813 जोधपुर- भोपाल एक्सप्रेस: 5: 29 घंटे देरी से आई
- 18237 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस: 4.30 घंटे देरी से आई
- 12138 पंजाब मेल: 3.20 मिनट देरी से आई
- 20424 पतालकोर्ट एक्सप्रेस: 2: 41 घंटे देरी से आई
- 11058 अमृतसर पठानकोट: 1.50 घंटे देरी से आई
- 12002 शताब्दी एक्सप्रेस: 1.04 घंटे देरी से आई
- 20103 मुंबई एलटीटी - गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस: 33 मिनट देरी से आई
- 12716 सचखंड एक्सप्रेस : 25 मिनट की देरी से आई
- 11072 कामायनी एक्सप्रेस: 24 मिनट की देरी से आई
- 11077 झेलम एक्सप्रेस : 20 मिनट देरी से आई
- 18237 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस: 45 मिनट देरी से आई



प्रदेश को शाह की दो सौगातें: एक तरफ दुग्ध उत्पादक किसानों का कल्याण तो दूसरी ओर नवीन न्याय संहिताओं पर प्रदर्शनी



केंद्रीय सहकारिता और गृह मंत्री अमित शाह ने भोपाल के राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन को संबोधित किया।



नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित प्रदर्शनी।



प्रदर्शनी में केंद्रीय जेल का मॉडल प्रस्तुत किया गया।

भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों से लेकर 14 अलग-अलग जोन में सजीव मॉडलों का प्रदर्शन

भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों से आम आदमी का ज्ञानवर्धन कराती है सजीव प्रदर्शनी

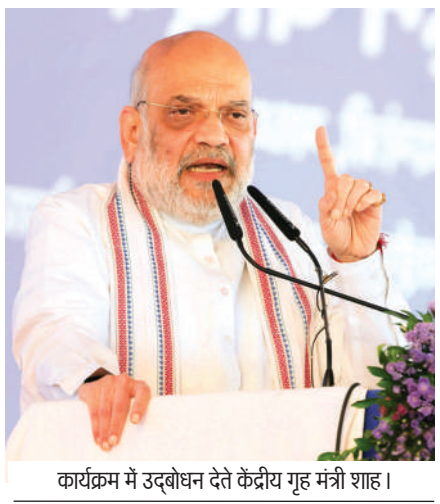
कार्यक्रम में उद्बोधन देते केंद्रीय गृह मंत्री शाह।

- नागरिक, विद्यार्थी, युवाओं और कानून में रुचि रखने वालों के लिए उपयोगी है प्रदर्शनी
- केंद्रीय मंत्री शाह, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित प्रदर्शनी शुरू की
- भेल दशहरा मैदान पर 7 अक्टूबर तक जारी रहेगा यह नवाचार



न्याय संहिता आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते केंद्रीय गृह मंत्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। भेल दशहरा मैदान पर आयोजित यह प्रदर्शनी 7 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें भारतीय न्याय व्यवस्था में हुए महत्वपूर्ण बदलावों, नवीन न्याय संहिताओं के प्रावधानों तथा अपराध की सूचना प्राप्त होने से लेकर विवेचना, फॉरेंसिक जांच, अभियोजन, न्यायालयीन कार्यवाही और अंतिम न्याय तक की संपूर्ण प्रक्रिया को 14 अलग-अलग ज़ोन में सजीव मॉडल, डिजिटल तकनीक, वीडियो, चार्ट प्रदर्शित किया गया है।

पांच दिवसीय प्रदर्शनी, नवीन न्याय संहिताओं के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से केंद्रीय गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह को प्रदेश में नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन की दिशा में संचालित गतिविधियों, सायबर सुरक्षा एवं जागरूकता, मप्र पुलिस के सामाजिक अभियानों और नवाचारों से अवगत कराया। उद्घाटन अवसर पर वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, अपर मुख्य सचिव गृह संजय शुक्ला और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना मौजूद थे। प्रदर्शनी के उद्घाटन में सचिव गृह शिल्पा गुप्ता, केंद्र सरकार के अधिकारी तथा प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आपातकालीन नंबर डायल-112 की कार्यप्रणाली का सजीव प्रदर्शन

प्रदर्शनी का जोन एक नवीन न्याय संहिताओं के परिचय पर केंद्रित है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), 2023 के प्रमुख प्रावधानों तथा उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी गई है। डायल-112 प्रणाली के एकीकरण तथा आधुनिक स्टेट कमांड सेंटर की तकनीकी क्षमताओं का सजीव प्रदर्शन किया गया है। क्राइम सीन और फॉरेंसिक जाँच से संबंधित जोन-3 में अपराध स्थल के वास्तविक 3डी मॉडल के माध्यम से घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम की भूमिका, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन तथा साक्ष्यों की अनिवार्य वीडियो रिकॉर्डिंग की प्रक्रिया प्रदर्शित है।



न्याय संहिता आधारित प्रदर्शनी में प्रस्तुत कोर्ट का दृश्य।

चिकित्सा सेवाओं एवं मेडिकल साक्ष्य को समर्पित जोन-5 में पीड़ितों के उपचार की प्रस्तुति

जोन-4 थाना प्रणाली एवं प्रारंभिक जाँच पर केंद्रित है। इसमें पुलिस थाने के मॉडल के माध्यम से विवेचना के प्रारंभिक चरण, ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर एवं सीसीटीएनएस से संबंधित सेवाओं और प्रक्रियाओं की जानकारी इस जोन में दी गई है। चिकित्सा सेवाओं एवं मेडिकल साक्ष्य को समर्पित जोन-5 में पीड़ितों के उपचार, मेडिकल परीक्षण, पोस्टमार्टम तथा समयबद्ध मेडिकल रिपोर्ट के माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली में स्वास्थ्य विभाग की भूमिका को दर्शाया गया है।

चार्जशीट तैयार करने से लेकर न्यायालय में प्रभावी पैरवी तक की जानकारी

न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक साइंस लैब के महत्व को जोन 6 में प्रदर्शित किया गया है। इस जोन में डीएनए, फिंगरप्रिंट, बैलिस्टिक एवं डिजिटल फॉरेंसिक जैसी वैज्ञानिक जाँच तकनीकों के माध्यम से अपराध के वैज्ञानिक अनुसंधान और साक्ष्यों की विश्वसनीयता बढ़ाने की प्रक्रिया दिखाई गई है। जोन-7 में अभियोजन की भूमिका पर केंद्रित है। जोन-8 में जिला न्यायालय पर केंद्रित है।



न्याय संहिता आधारित प्रदर्शनी।

जेल सुधार, जेल मैनुअल में हुए बदलाव

जोन-9 जेल सुधार एवं ई-प्रिजन व्यवस्था को समर्पित है। यहां जेल सुधार, जेल मैनुअल में हुए बदलाव, पैरोल, बंदियों के पुनर्वास कार्यक्रम तथा ई-प्रिजन प्रणाली की कार्यप्रणाली का लाइव डिस्प्ले किया है। जोन-10 उच्च न्यायालय की गरिमापूर्ण पीठ को दर्शाता है। यहां मप्र उच्च न्यायालय, जबलपुर के मुख्य कोर्ट रूम का स्वरूप प्रदर्शित किया गया है।

ऑनलाइन ई-जीरो एफआईआर की प्रक्रिया की जानकारी

इसी क्रम में जोन-11 में नक्सल उन्मूलन में उपलब्धियाँ प्रदर्शित हैं। यहां प्रदेश में नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा पुलिस की उपलब्धियों को फोटोग्राफिक एवं डिजिटल माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जोन-12 साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता से संबंधित है। जोन-14 में सामाजिक पहल के प्रदर्शन के साथ ही लाइव क्विज रखा गया है।

गोपालक सम्मेलन में शाह ने की शिरकत

उज्जैन में 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का लोकार्पण, भोपाल में 16.5 करोड़ की सहकारी प्रयोगशाला शुरू



भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को राजधानी में आयोजित गोपालक सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन से पहले उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद पुलिस और न्याय व्यवस्था में आए तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक बदलावों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। शाह ने दोपहर 12:13 बजे प्रदर्शनी का अवलोकन शुरू किया और विभिन्न काउंटरों पर रुककर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में नए कानूनों के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली, न्यायिक प्रक्रिया और तकनीक के इस्तेमाल में हुए बदलावों को प्रदर्शित किया गया था। शाह ने जिला एवं सत्र न्यायालय की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था का अवलोकन किया। इसके अलावा जय प्रकाश अस्पताल और जबलपुर हाईकोर्ट की प्रदर्शनी भी देखी। पुलिस विभाग के काउंटर पर करीब दो मिनट रुककर उन्होंने नई कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इसके बाद वे सहकारिता विभाग की प्रदर्शनी में पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी।

255 करोड़ के डेयरी प्लांट का लोकार्पण

प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद शाह गोपालक सम्मेलन के मंच पर पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उज्जैन में 255 करोड़ रुपए की लागत से तैयार तीन लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी प्लांट का लोकार्पण किया गया। वहीं भोपाल में 16.5 करोड़ रुपए की लागत से सहकारी क्षेत्र में तैयार पहली प्रयोगशाला का भी शुभारंभ हुआ।

लखपति गोपालक दीदियों और दुग्ध उत्पादकों का सम्मान

कार्यक्रम में लखपति गोपालक दीदी शशिबाई, मनीषा मालवीय, ममताबाई मेवाड़ा, सुषमाबाई और आफरीन को सम्मानित किया गया। सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाले प्रीतिबाई दांगी, संदीप धाकड़ और राजेश धाकड़ को भी सम्मान मिला। डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के हितग्राही धीरज त्रिपाठी और रितु भार्गव का भी सम्मान किया गया।

50 लाख लीटर दूध कलेक्शन का लक्ष्य

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि सरकार से संगठन और संगठन से उत्पादन की दिशा में काम किया जा रहा है। आने वाले समय में प्रदेश में 50 लाख लीटर दूध के कलेक्शन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह दूध सांची के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सकेगा।

मंच पर मौजूद रहे कई दिग्गज

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कृष्णा गौर, एदल सिंह कंसाना, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एक घंटे में साफ किया भेल का दशहरा मैदान, पांच टन कचरा उठाया


कार्यक्रम स्थल को स्वच्छ करते निगमकर्मी।

गोपालक सम्मेलन में जुटे 25 हजार लोग

डेढ़ सौ से ज्यादा कर्मचारियों की मेहनत से चकाचक हुआ मैदान

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गोपालक सम्मेलन में जुटे करीब 25 हजार लोगों का कार्यक्रम खत्म होते ही नगर निगम के अमले ने एक घंटे में भेल के दशहरा मैदान को चकाचक कर दिया। जिसके लिए निगम ने डेढ़ सौ से ज्यादा कर्मचारियों को तैनात किया था। मैदान के साथ सात पार्किंग, आसपास के की सड़कें और अस्थायी-चलित शौचालयों की भी सफाई कर करीब पांच टन कचरा उठाकर ट्रांसफर स्टेशन पहुंचाया गया। निगम के स्वास्थ्य विभाग के 150 सफाई मित्रों और आठ वाहनों ने कार्यक्रम खत्म होते ही मोर्चा संभाला। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारियों, सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों और दरोगाओं की निगरानी में सफाई और कचरा उठाने का काम किया गया। अलग-अलग टीमों को कार्यक्रम स्थल, पार्किंग और सड़कों की जिम्मेदारी पहले से बांट दी गई थी, जिससे कार्यक्रम समाप्त होते ही सफाई अभियान शुरू हो सका।

केटल फ्री रहा दशहरा मैदान

निगम ने आयोजन से पहले ही मंच, पंडाल, पार्किंग और सड़कों की सफाई कराई थी। इसके अलावा आयोजन क्षेत्र को केटल फ्री जोन बनाए रखने के लिए गौवर्धन शाखा, डाग स्क्वाड और पिक स्क्वाड को भी लगाया गया था। आवारा मवेशियों और स्ट्रीट डॉग को हटाने की कार्रवाई की गई।

पोस्ट इवेंट क्लीनिंग पर जोर

कार्यक्रम खत्म होते ही कचरा हटाने से आयोजन स्थल लंबे समय तक कचरे के ढेर में तब्दील नहीं रहता और अगले कार्यक्रम या सामान्य गतिविधियों के लिए क्षेत्र उपयोग योग्य हो जाता है।

सुसनेर नगर परिषद की जनता ने स्पष्ट जनादेश : खंडेलवाल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने आगर-मालवा जिले की सुसनेर नगर परिषद अध्यक्ष पद के निर्वाचन में भाजपा प्रत्याशी प्रदीप बद्रीलाल सोनी के विजयी होने पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा ने कांग्रेस प्रत्याशी को 960 से अधिक मतों के अंतर से पराजित कर विजय हासिल की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने कहा कि सुसनेर नगर परिषद के चुनाव परिणाम में जनता ने अपना स्पष्ट जनादेश दिया है।

सितंबर में ही सरकार ने लिया 7,600 करोड़ का नया बाजार कर्ज

प्रदेश पर 6 लाख करोड़ रुपए का कर्ज, हर नागरिक पर 80 हजार की देनदारी: पटवारी

राज्य सरकार से कर्ज, खर्च और परिणामों पर श्वेत-पत्र जारी करने की मांग

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि मध्यप्रदेश पर बकाया देनदारियां तेजी से बढ़कर लगभग 6 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच चुकी हैं, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 32.5 प्रतिशत के चिंताजनक स्तर तक है। इसका सीधा अर्थ यह है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक आज लगभग 80 हजार रुपए के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार उधारी पर निर्भर होती जा रही है। अकेले सितंबर माह में ही सरकार ने बाजार से तीन चरणों में 7,600 करोड़ रुपए का नया कर्ज उठाया है। जब प्रदेश का किसान फसल के वाजिब दाम, युवा रोजगार और आम जनता बेहतर अस्पतालों व स्कूलों की मांग कर रही है, तब सरकार वीवीआईपी सुविधाओं पर करोड़ों रुपए बहा रही है। सरकार द्वारा 233 करोड़ से अधिक लागत के अत्याधुनिक जेट विमान और करीब 225 करोड़ के नए हेलीकॉप्टर की खरीद को आगे बढ़ाना इसके उदाहरण हैं। भाजपा सरकार आंकड़ों की बाजीगरी और घोषणाओं के स्थान पर प्रदेश के कुल कर्ज, ब्याज अदायगी, व्यय प्राथमिकताओं और वीवीआईपी सुविधाओं पर हुए खर्च का श्वेत-पत्र जारी कर जनता के सामने सच रखे।


जीतू पटवारी।

मैहर में किए मां शारदा के दर्शन, सिंगरौली में किया उइके ने स्वागत

'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' जिलों में पहुंची, जनभागीदारी का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा मोर्चा द्वारा आयोजित 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' ने शनिवार को वडनगर से वाराणसी की ओर जाने वाली यात्रा सिंगरौली और मैहर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सेवा, संवाद और जनभागीदारी का संदेश दिया। इन गतिविधियों में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, युवा कार्यकर्ताओं, स्थानीय कार्यकर्ताओं, सेवा यात्रियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। मार्ग-3 (वडनगर-वाराणसी) के अंतर्गत यात्रा सिंगरौली के बरका और डगा पहुंची। यात्रा का मध्यप्रदेश शासन की मंत्री संपतिया उइके, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने स्वागत किया एवं सेवा कार्यों में सहभागिता की। जनसंवाद के दौरान जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों को लेकर जागरूकता का संदेश दिया। मार्ग-9 के अंतर्गत यात्रा मैहर के बड़वार एवं सगौनी खुर्द पहुंची।

जैकेट का शेष....

भारतीय पुरुष और महिला ...

शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चीन का पेनल्टी स्ट्रोक रोककर भारत की बढ़त बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने महिला हॉकी में इससे पहले 1982 के दिल्ली एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम 1998 और 2018 में फाइनल तक पहुंची, लेकिन दोनों बार रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अब 44 साल बाद भारत ने फिर महिला हॉकी में एशियाड गोल्ड जीता है। गौर हो कि भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत इस बार 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते। यह एशियाड में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीते थे।

मप्र के गोपालक ...

मिल-जुलकर एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी यह लक्ष्य हासिल होगा। केंद्रीय मंत्री शाह शनिवार को भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय गो-पालक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वे शुक्रवार को ही देर रात भोपाल पहुंचे थे। उन्होंने सुबह वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अफसरों के साथ बैठक की। इसके बाद भेल दशहरा मैदान पहुंचे थे। शाह ने गो-पालक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मप्र सरकार की जमकर तारीफ की।

46 हजार डेयरियों को और भी मजबूत किया जाएगा: शाह ने कहा कि हमने अब श्वेत क्रांति 2.0 का शुभारंभ किया है। केंद्र सरकार ने गांवों में 75 हजार डेयरी सहकारी समितियां बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 46 हजार डेयरियों को और भी मजबूत किया जाएगा। नई डेयरी समितियों के लक्ष्य प्राप्ति में सबसे बड़ा योगदान मध्यप्रदेश का होगा। पशुओं की नस्ल सुधार, पशु आहार तैयार करने, गोबर से बायोगैस, गोबर से उत्पाद तैयार करने, चारा प्रबंधन, कृत्रिम गर्भाधान के लिए सरदार पटेल को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की स्थापना की है। गोबर का वैज्ञानिक संग्रह, स्वच्छ ऊर्जा निर्माण और ग्रामीण रोजगारी के लिए 5 मॉडल बनाए गए हैं। मप्र के प्रत्येक गांव तक गोबर के उत्पाद तैयार करने का मॉडल तैयार किया जाएगा।

देश को वर्ष 2029 के अंत ...

है। उन्होंने मप्र को 31 दिसंबर 2029 तक पूर्णतः नशामुक्त प्रदेश बनाने के मप्र सरकार के संकल्प में सहयोग करने की अपील आम लोगों से की। शाह ने कहा कि नशामुक्ति के लिए सभी संभव योजनाएं तैयार की जाएंगी।

सीएम के नेतृत्व में ...

डॉ. यादव स्वयं एक गोपालक हैं, उनके नेतृत्व में मप्र पूरे देश में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की आजादी के बाद वर्ष 2013-14 तक देश में कुल दूध उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद 10 साल में ही यह 25 करोड़ टन से अधिक हो गया है। केंद्र और हमारी राज्य सरकारों की गोपालकों के लिए प्रतिबद्धता से यह लक्ष्य हासिल होता है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन में 58 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो अब 485 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रति दिन हो गया है। भारत अब दुनिया में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन कर रहा है। देश के दूध उत्पादक अग्रणी 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं।

43वीं मंजिल से ...

सुपरनोवा की एस्पाइरा बिल्डिंग में एक दिन के लिए अकेले ठहरने आया था। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि संभव गुरुग्राम से नोएडा क्यों आया था। सुपरनोवा में कमरा किसके जरिए बुक हुआ और उसने ठहरने के लिए कौन से पहचान पत्र और जानकारी दी थी, इसकी भी जांच की जा रही है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस इससे यह समझने की कोशिश कर रही है कि संभव बिल्डिंग में कब पहुंचा और घटना से पहले उसकी गतिविधियां क्या थीं। उसके मोबाइल फोन और उपलब्ध दूसरी जानकारी को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

प्रदेश से 12 दिन ...

पूरे प्रदेश में मानसून फैलने के बाद भी रुक-रुककर बारिश हुई। लोग बारिश की आस लगाए रहे। अचानक 3 अक्टूबर को प्रदेश की सीमाओं से मानसून ने विदाई ले ली। जिसके बाद अब पूरे प्रदेश में एक साथ बारिश होने की संभावना भी खत्म हो गई है। इस बार प्रदेश में कुल बारिश 908.4 मिमी दर्ज की गई। जो सामान्य 949.5 से चार फीसद कम है।

पेज एक का शेष....

सुधांशु वाणिज्य ....

चन्नी के पास बनी रहेगी। विभागीय स्थायी समितियां कुल 24 (इनमें से 16 लोकसभा के अधीन और 8 राज्यसभा के अधीन कार्य करती हैं)। प्रत्येक विभागीय समिति में कुल 31 सदस्य होते हैं-21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से। इसके अतिरिक्त 3 प्रमुख वित्तीय समितियां होती हैं-प्राक्कलन समिति, लोक लेखा समिति और सार्वजनिक उपक्रम समिति।

रूडी जल संसाधन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे: कांग्रेस के मुकुल वासनिक शिक्षा, महिला, बाल एवं युवा मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। कांग्रेस के सप्तगिरि उलाका को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज समिति का अध्यक्ष फिर नियुक्त किया गया है। भाजपा के राजीव प्रताप रूडी जल संसाधन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, द्रमुक की कनिमोझी को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण समिति का अध्यक्ष दोबारा बनाया गया है। भाजपा के राधा मोहन सिंह को रक्षा समिति की जिम्मेदारी मिली है, जबकि राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों की समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे। दोनों अलग-अलग समितियों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

किन नेताओं को ...

भाजपा के अनुराग ठाकुर इस समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे।

▶▶ विज्ञान एवं पर्यावरण: भाजपा की मेधा विश्राम कुलकर्णी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन संबंधी समिति की अध्यक्ष बनी रहेंगी।

युवक ने नाना...

अनूपिया बाई और मामा की बेटी मोनिका शामिल हैं। घायलों में चंचल (6), भारती सिंह (3), चैन सिंह और पुजारी गंगाराम शामिल हैं। आरोपी के मामा चैन सिंह ने बताया कि उनका घर अमोदा गांव की बस्ती से करीब एक किलोमीटर दूर नाले के पास है। रात करीब 11 बजे प्रेम सिंह नाला पार कर शनि मंदिर पहुंचा। यहां उसने पुजारी गंगाराम को लाठी से पीटना शुरू कर दिया। हमले में पुजारी लहूलुहान होकर बेहोश हो गए। शोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और प्रेम सिंह को रस्सी से बांध दिया। पुजारी के परिजन उन्हें बेहोशी की हालत में जबलपुर ले गए। उन्हें वहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुजारी मूल रूप से डिंडौरी के शहपुरा के छुइली गांव के रहने वाले हैं। चैन सिंह ने बताया कि सुबह वह भैंस चराने जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उनकी बहन अनूपिया बाई ने अपने बेटे प्रेम सिंह के हाथ-पैर खोल दिए। रस्सी खोलते ही वह नाला पार कर घर पहुंच गया। घर में चंचल (8), मोनिका (5), भारती (2), पिता संपत सिंह गोंड, मां भग्नी बाई और बहन अनूपिया मौजूद थे। प्रेम सिंह ने अंदर घुसते ही पत्थर और लाठी से हमला शुरू कर दिया। उसने जो भी सामने आया, उसे पीटा। उसने सबसे पहले माता-पिता और बहन के सिर, हाथ-पैर पर लाठी से वार किए। बच्चे भी आंगन में खेल रहे थे। उन्हें भी पीटा गया।

खड़े ट्राले में ...

करीब 30 फीट दूर तक घसीटा चला गया। तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक कंटेनर पुलिया के पास लटक गया।

जानकारी के अनुसार स्टेट हाईवे-35 पर ट्राला (आरजे 09 जीबी 9665) सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान सरदारपुर की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रेलर (एमपी 13 एच 9459) ने खड़े ट्राले को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्राला करीब 30 फीट दूर जा खिसका। हादसे में ट्रेलर के क्लीनर महेश चौहान (25), निवासी उज्जैन की मौत हो गई। वहीं चालक लखन पिता दरियाव राजपूत (39), निवासी नागदा जंक्शन और परिचालक भेरूलाल पिता भंवरलाल (39), निवासी आलोट घायल हो गए। हादसे के दौरान सामने से आ रहे एक अन्य ट्रेलर को बचाने के प्रयास में कंटेनर असंतुलित हो गया और पुलिया से टकराकर नीचे उतर गया। हादसे में तीनों भारी वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। एक कंटेनर पुलिया के पास लटक गया, जिससे मौके पर भी खतरे की स्थिति बनी हुई है।

5 बच्चे पैदा...

समेत जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद थे। सांसद पटेल ने कहा कि देश में चार बच्चे जन्म लेते हैं तो उसमें एक हिंदू का होता है। आजादी के बाद से हिंदुओं के बढ़ने का ग्राफ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले 20-22 साल की उम्र में शादियां हो जाती थीं और बच्चे भी जल्दी हो जाते थे। अब युवा 30-35 और 35-37 साल की उम्र तक शादी नहीं कर रहे हैं। शादी करने के बाद भी एक ही बच्चा कर रहे हैं या बच्चे नहीं कर रहे। पटेल ने कहा कि यही कारण है कि हिंदू समाज के कई लोग धर्मांतरित भी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि डेमोग्राफी बदलना है तो युवाओं को पांच-पांच बच्चे पैदा करने होंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि इसे गंभीरता से समझेंगे तो भविष्य अच्छा रहेगा।

आप की राष्ट्रीय ...

करते हुए उनके लचीलेपन और ईमानदारी की बात कही। उनके मुताबिक राहुल गांधी आज 'वोट चोरी' के खिलाफ लड़ रहे हैं और चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता के सामने सवाल रखे हैं।

राहुल से मिले...

गठबंधन का हिस्सा बनेगी और साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। मौर्य ने कहा कि चुनाव में उनका लक्ष्य संविधान बचाओ, भाजपा हटाओ है और इसी उद्देश्य के साथ वे गठबंधन की सरकार बनाने का काम करेंगे। मौर्य अपने बेटे उत्कृष्ट मौर्य और साथियों के लिए टिकट की मांग कर सकते हैं। हालांकि, सीटों पर गठबंधन स्तर पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। कांग्रेस ने सपा से 150 सीटें मांगी हैं, जबकि सपा करीब 350 सीटों पर लड़ने की तैयारी में है।

हार्वेस्टर से टकराई ...

रात वह अपने दोस्त रेमोन पवार के साथ कार (एमपी 48 जेडई 1111) से बैतूल से चिचोली की ओर जा रहा था। कुम्हली-दनोरा के बीच कार आगे चल रहे हार्वेस्टर (एचआर 01 बीए 5049: से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पलट गई। चिचोली थाना प्रभारी हरिओम पटेल ने बताया कि हादसे के बाद हार्वेस्टर चालक मौके से भाग गया। पुलिस को हार्वेस्टर संचालक की जानकारी मिल गई है और चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने हार्वेस्टर जब्त कर लिया है।

वडनगर में शिवराज ...

उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भाजपा ने इस अवसर को 'जन्मभूमि से कर्मभूमि' तक की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया है। यात्रा की शुरुआत 17 सितंबर को एक साथ वडनगर और वाराणसी से हुई थी। वडनगर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यात्रा को रवाना किया था, जबकि वाराणसी से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवा संकल्प बाइक यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। दोनों दिशाओं में निकली यात्राओं का उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से जुड़े सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संदेश को विभिन्न राज्यों और गांवों तक पहुंचाना था।

दोनों दिशाओं से ...

पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे और फिर जगतपुर की जनसभा में शामिल होंगे।

नितिन के साथ जुटेगा भाजपा नेतृत्व: समापन समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी को पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद काशी में उनकी पहली बड़ी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मंच साझा करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। पार्टी ने सभा में लगभग 50 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। वहीं अभियान के दूसरे प्रमुख केंद्र वडनगर में भी समापन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस तरह 7 अक्टूबर को वडनगर और काशी, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान और कर्मभूमि, दोनों जगह भाजपा के बड़े आयोजन होंगे।

वडनगर में शिवराज, बढ़ते राष्ट्रीय कद का संकेत: सेवा संकल्प अभियान के समापन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी को भाजपा के भीतर उनके बढ़ते राष्ट्रीय महत्व के संदर्भ में देखा जा रहा है। वडनगर जैसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण केंद्र की जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान को दी गई है। शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं और अब केंद्र में कृषि तथा ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और गांवों से जुड़े व्यापक राजनीतिक-सामाजिक आधार वाले इन मंत्रालयों के कारण उनका संगठनात्मक और राजनीतिक दायरा मध्य प्रदेश से आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देता है। खास बात यह भी है कि वडनगर के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रमुख नेता शुभेंदु अधिकारी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहेंगे। इस तरह भाजपा ने वडनगर के आयोजन में संगठन, केंद्र और राज्यों के प्रमुख चेहरों का संयोजन किया है।

न्यायालय तहसीलदार, वृत्त-3, तहसील- हुजूर, जिला भोपाल
प्रकरण क्रमांक-4427/अ-6/2026-27
मौजा सेमरी बाज्याफत
तहसील हुजूर, भोपाल
::उद्घोषणा पत्र ::

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय खण्डेलवाल पुत्र श्री एस के डी गुप्ता निवासी ई 2/267 अरेरा कॉलोनी भोपाल म.प्र.भू.राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम सेमरी बाज्याफत प.ह.नं. 73 स्थित भूमि खसरा क्रमांक 340/2, रकबा 0.0500 हे. एवं खसरा क्र. 611/627/3 रकबा 0.0500 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेखों में स्व० शीतल खण्डेलवाल पत्नी संजय खण्डेलवाल के नाम से भूमि दर्ज है जिस आधार पर फौतीनामांतरण किये जाने का अनुरोध किया है। 2- उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रकरण में आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक 09.10.2026 नियत है। उक्त उद्घोषणा मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 28.09.2026 को जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील-हुजूर भोपाल

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि सप्ताह ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र
3,55,000
हजार में
आसान किश्तों पर
साईट:-
220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

प्लॉट मात्र 16 लाख में
फाईनेंस सुविधा उपलब्ध है
T&C
साईड 220 फीट न्यू जेल रोड, संमीप
मो. 8962979924
9755905247

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644


नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
Timing 10:30 am to 8:00 pm
44 वर्षों का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

खंड-1
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 5794/ ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 29/09/2026
वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजो का मूल्य
1.	दरवाजे एवं खिड़की	अनुलग्नक-6 अनुसार	आवश्यकतानुसार	27,000/-	500/-

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/ कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 01/10/2026 शाम 05.00 PM बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नही ।
5. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https://www.mptenders.gov.in/

वनमंडलाधिकारी
उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल
जी 19424/26 स्वच्छता ही सेवा

कार्यालय कलेक्टर जिला-राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

// सार्वजनिक सूचना //

सुठालिया सिंचाई परियोजना तहसील-सुठालिया, जिला-राजगढ़ के ग्राम-गुजरखेड़ीखुर्द की शेष भूमि के आपसी सहमति से क्रय करने बाबत् विज्ञप्ति जारी करने हेतु भूमि की सूची

स. क्रं.	प्रभावित कृषक का नाम	खसरा नंबर	प्रभावित भूमि
1	2	3	4
1	बलरामसिंह पिता खुशीलाल हि. 1/5 भाग, रामप्रसाद पिता खुशीलाल हि. 1/5 भाग, गीताबाई बेवा खुशीलाल हि. 1/5 भाग, शांतिबाई पुत्री खुशीलाल हि. 1/5 भाग, रमेशबाई पुत्री खुशीलाल हि. 1/5 भाग, जाति गुर्जर पता गूजरखेडी खुर्द सुठालिया राजगढ़ मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	51/1	0.472
	योग	कुल 1 किता	0.472
2	भजनसिंह पिता रामरतन हि. 1/4 भाग, भारतसिंह पिता रामरतन हि. 1/4 भाग, सैतानबाई बेवा रामरतन हि. 1/4 भाग, रामाबाई पुत्री रामरतन हि. 1/4 भाग जाति गुर्जर पता गूजरखेडी खुर्द सुठालिया राजगढ़ मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	51/2	0.472
	योग	कुल 1 किता	0.472
3	जगदीश, बनेसिंह पिता अमरसिंह गुलाबबाई, दरियावबाई, ईसुमबाई, गुडडीबाई, पुत्री अमरसिंह जाति गूजर पता गूजरखेडी खुर्द सुठालिया राजगढ़ मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	51/3	0.473
	योग	कुल 1 किता	0.473
	कुल योग	कुल 3 किता	1.417

उपरोक्त क्रय की जाने वाली भूमि सूपूर्ण या उसके किसी हिस्सा भाग से किसी भी शासकीय / अर्द्धशासकीय, व्यक्ति, वित्तीय संस्था बैंक, सोसायटी एवं अन्य किसी प्रकार. का कोई हित, स्वत्व, संबंध या किसी प्रकार का कोई लेन-देन हो अथवा उक्त संपत्ति कही रहन, भार, सम्यक, बंधक, दानमेहर में आदि हो तो, वह इस सूचना पत्र प्रकाशन की 15 दिवस की अवधि में मय प्रमाण पत्र सहित दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि निकल जाने के पश्चात किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व, या सम्पत्ति बंधनकारी नही होगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता इस संपत्ति का विक्रय प्रतिफल राशि अदा कर विक्रय पत्र शासन पक्ष में पंजीयन करवाने के लिये स्वतंत्र होंगे।

डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा
कलेक्टर, जिला-राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र
G-19427/26 " स्वच्छता ही सेवा "

बेचना है

बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्वसुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100×50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 (41750)
(RO-41750) 02/09/26 to 05/10/26

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं असंतोष के भाव रहेंगे।

सिंह शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के वविादों से बचने का प्रयास करें।

तुला पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

शब्द पहेली - 6367

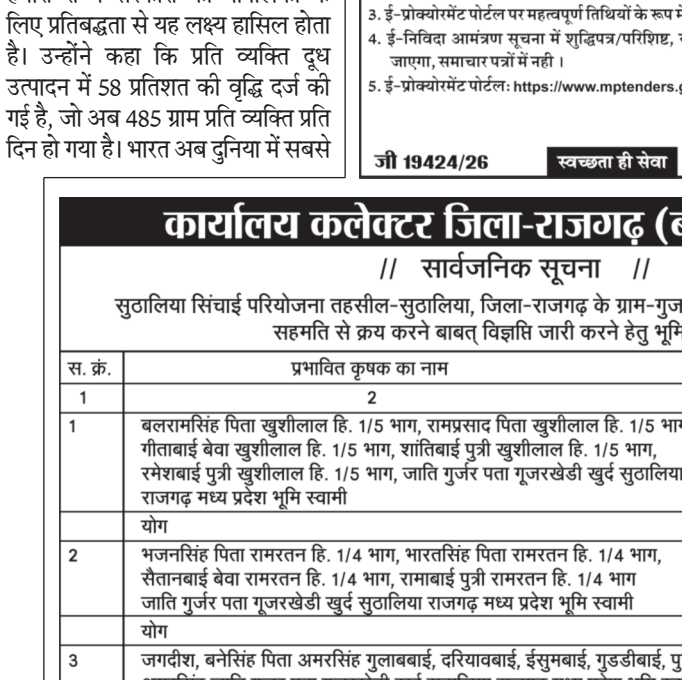

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खोजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6366 का हल

उ	प	चा	र		मि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	प्य

सूडोकु नवताल - 6377

कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6376 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4



निवेश मंत्रा
समझदारी

बाजार पूंजीकरण के आधार पर शेयरों की तीन प्रमुख श्रेणियां, फायदे-नुकसान जान लें, समझें कौन-सा विकल्प उपयुक्त

लार्ज, मिड या स्मॉलकैप : किसमें कितना निवेश करें

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।

शेयर बाजार में निवेश शुरू करने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल अच्छे शेयर चुनना नहीं होती। यह समझना भी जरूरी है कि कंपनी किस श्रेणी में आती हैं और उसके शेयर में जोखिम कितना है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर कंपनियों को मुख्य रूप से लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप श्रेणियों में देखा जाता है। इन तीनों श्रेणियों में कंपनियों का आकार, कारोबार की परिपक्वता, विकास की संभावना और शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेशक को केवल संभावित रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

लार्जकैप: अपेक्षाकृत स्थिर कंपनियां

लार्जकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी कंपनियां होती हैं। भारतीय म्यूचुअल फंड वर्गीकरण में बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 100 कंपनियां लार्जकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों का कारोबार आमतौर पर स्थापित होता है और इनके पास मजबूत ब्रांड, बड़ा ग्राहक आधार तथा लंबे समय का कारोबारी अनुभव हो सकता है।

फायदा क्या?

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।



जोखिम क्या?

स्थापित और बड़ी कंपनी के लिए बहुत तेज गति से कारोबार बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। इसलिए कुछ परिस्थितियों में इनका विकास छोटे आकार की कंपनियों की तुलना में धीमा रह सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि लार्जकैप में जोखिम नहीं है। आर्थिक संकट या बाजार में बड़ी गिरावट के दौरान इनके शेयर भी काफी नीचे जा सकते हैं।

किसके लिए?

लंबी अवधि के निवेशक, पहली बार शेयर बाजार में कदम रखने वाले और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव पसंद करने वाले निवेशक अपने इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्जकैप को आधार के तौर पर देख सकते हैं। हालांकि व्यक्तिगत शेयर चुनते समय कंपनी का मूल्यांकन और वित्तीय स्थिति देखना जरूरी है।

मिडकैप : विकास और जोखिम के बीच संतुलन

मिडकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 101वीं से 250वीं रैंक के बीच आती हैं। ये कंपनियां आमतौर पर अपने कारोबार को स्थापित कर चुकी होती हैं, लेकिन बड़ी कंपनियों की तुलना में इनके विस्तार की गुंजाइश अधिक हो सकती है। इनमें कई ऐसी कंपनियां होती हैं, जो आने वाले वर्षों में कारोबार और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर बड़ी कंपनियों की श्रेणी में पहुंच सकती हैं।

फायदा क्या?

मिडकैप कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। सफल कंपनियों में मुनाफा और बाजार मूल्य तेजी से बढ़ने की क्षमता होती है। यही वजह है कि लंबी अवधि में कुछ मिडकैप शेयरों ने लार्जकैप की तुलना में अधिक रिटर्न दिया है।

जोखिम क्या?

ज्यादा विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव भी आता है। आर्थिक मंदी, प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज का दबाव या कारोबार के विस्तार में असफलता का असर मिडकैप कंपनियों पर पड़ सकता है। बाजार में गिरावट के दौरान मिडकैप शेयरों में लार्जकैप की तुलना में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। इसलिए इनमें निवेश करते समय धैर्य जरूरी है।

किसके लिए?

ऐसे निवेशक जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो बाजार में अस्थायी गिरावट को सहन कर सकते हैं, वे मिडकैप पर विचार कर सकते हैं। आम तौर पर 7-10 साल या उससे अधिक की अवधि वाले लक्ष्यों के लिए इस श्रेणी को देखा जाता है।

स्मॉलकैप: ज्यादा विकास क्षमता, ज्यादा जोखिम

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 250वीं कंपनी के बाद आने वाली कंपनियां स्मॉलकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें कई कंपनियां अपेक्षाकृत छोटे कारोबार से शुरुआत कर रही होती हैं और कुछ विशेष क्षेत्रों या नए कारोबारी अवसरों पर काम कर सकती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां भविष्य में तेजी से विस्तार करके मिडकैप या लार्जकैप बन सकती हैं। लेकिन हर छोटी कंपनी ऐसा कर पाए, यह जरूरी नहीं है।

फायदा क्या?

छोटे आधार से कारोबार बढ़ाने वाली सफल कंपनियों में आय और मुनाफे की वृद्धि तेज हो सकती है। यदि कंपनी लंबे समय तक मजबूत प्रदर्शन करती है तो उसके शेयर में भी बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

जोखिम क्या?

स्मॉलकैप शेयर तीनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले हो सकते हैं। छोटे कारोबार को आर्थिक मंदी, पूंजी की कमी, प्रतिस्पर्धा और प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा असर पड़ सकता है। बाजार में तेजी के दौरान ऐसे शेयर तेजी से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी तेज हो सकता है। हर स्मॉलकैप कंपनी भविष्य की बड़ी कंपनी बनेगी, यह मानना जोखिमपूर्ण है।

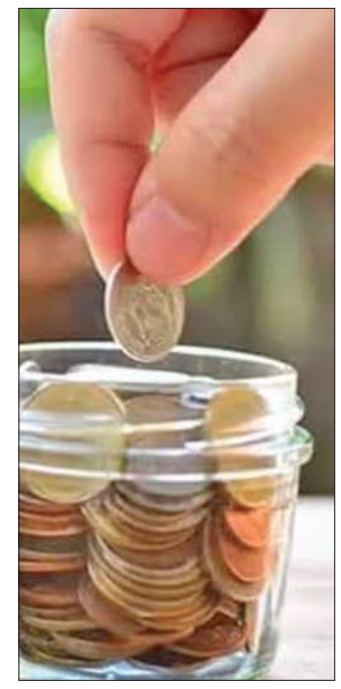

किसके लिए?

स्मॉलकैप आम तौर पर ऐसे निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त माने जाते हैं, जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए भी पूरी रकम स्मॉलकैप में लगाने के बजाय कुल पोर्टफोलियो में इसकी भूमिका और जोखिम को समझना महत्वपूर्ण है।

तीनों में अंतर एक नजर में

- श्रेणी कंपनियों का आकार विकास की संभावना उतार-चढ़ाव निवेश अवधि
- लार्जकैप सबसे बड़ी कंपनियां अपेक्षाकृत स्थिर अपेक्षाकृत कम लंबी अवधि
- मिडकैप मध्यम आकार की कंपनियां अपेक्षाकृत अधिक मध्यम से अधिक 7-10 साल या अधिक
- स्मॉलकैप छोटी कंपनियां अधिक हो सकती है सबसे अधिक बहुत लंबी अवधि

क्या तीनों में निवेश किया जा सकता है?

हां। निवेशक अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार तीनों श्रेणियों में अलग-अलग स्तर पर निवेश कर सकता है। कई म्यूचुअल फंड योजनाएं भी अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करती हैं। फ्लेक्सीकैप जैसे फंडों में फंड मैनेजर को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के बीच निवेश का फैसला करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। इससे निवेशक को एक ही फंड के माध्यम से अलग-अलग श्रेणियों का एक्सपोजर मिल सकता है।

तेजी के बाजार में स्मॉलकैप बेहतर हैं?

सिर्फ बाजार में तेजी देखकर स्मॉलकैप को बेहतर मानना सही नहीं है। तेज बाजार में निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ने पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अधिक दिखाई दे सकती है, लेकिन बाजार की दिशा बदलने पर इन्हीं शेयरों में गिरावट भी तेज हो सकती है। इसलिए किसी श्रेणी का चुनाव केवल मौजूदा बाजार माहौल देखकर करने के बजाय निवेश के लक्ष्य और समयावधि के आधार पर करना चाहिए।

निवेशक के लिए जरूरी बात

लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप में अंतर समझना जरूरी है, लेकिन केवल कंपनी का आकार देखकर शेयर खरीदना पर्याप्त नहीं है। कंपनी की आय, मुनाफा, कर्ज, नकदी प्रवाह, कारोबार की गुणवत्ता, प्रबंधन और शेयर का मूल्यांकन भी देखना चाहिए।

मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण

लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थिर और स्थापित कारोबार मिल सकते हैं, मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण हो सकता है, जबकि स्मॉलकैप में अधिक विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। इसलिए निवेश का सही सवाल यह नहीं है कि लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप में से कौन सबसे अच्छा है। सही सवाल यह है कि आपके वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से इन तीनों में कितना जोखिम लेना उचित है।



कमाई के पहले पांच साल में इन बातों का रखें ध्यान

न करें ये कुछ बड़ी गलतियां

वरना बढ़ती सैलरी भी नहीं बढ़ा पाएगी आमदनी

नौकरी शुरू करने के बाद शुरुआती पांच साल किसी भी व्यक्ति की वित्तीय जिंदगी के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आमदनी धीरे-धीरे बढ़ती है, आर्थिक स्वतंत्रता आती है और अपने फैसले खुद लेने का मौका मिलता है। लेकिन इसी दौर में कई ऐसी आदतें भी बन जाती हैं, जिनका असर लंबे समय तक दिखाई देता है। पहली सैलरी से लेकर पांचवें साल तक अगर खर्च लगातार बढ़ता जाए, निवेश को टाला जाता रहे और क्रेडिट कार्ड या कर्ज पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता हो, तो बढ़ती आमदनी के बावजूद संपत्ति तेजी से नहीं बढ़ती। दूसरी तरफ, इसी समय नियमित बचत, निवेश, आपातकालीन निधि और कौशल विकास की आदत बना ली जाए तो आगे की वित्तीय यात्रा मजबूत हो सकती है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

सैलरी बढ़ते ही खर्च बढ़ाना

करियर के शुरुआती वर्षों में वेतन बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन हर बढ़ोतरी को खर्च करने का मौका मान लेना नुकसानदेह हो सकता है। महंगा किराया, नया मोबाइल, कार, लगातार बाहर खाना, छुट्टियां और ऑनलाइन खरीदारी जैसे खर्च धीरे-धीरे बजट का बड़ा हिस्सा बन सकते हैं। अगर सैलरी 10 प्रतिशत बढ़ी और खर्च भी करीब उतना ही बढ़ गया, तो आमदनी बढ़ने के बावजूद बचत और निवेश में खास सुधार नहीं होगा। इसलिए वेतन बढ़ने पर खर्च बढ़ाने से पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ाने पर ध्यान देना बेहतर है।

निवेश को बाद के लिए न टालें

युवा नौकरीपेशा लोगों को अक्सर लगता है कि रिटायरमेंट अभी बहुत दूर है। इसलिए वे निवेश शुरू करने के बजाय सोचते हैं कि कुछ साल बाद ज्यादा कमाई होने पर शुरुआत करेंगे। लेकिन निवेश में समय बहुत महत्वपूर्ण है। शुरुआती उम्र में छोटी रकम भी लंबे समय तक निवेशित रहने पर चक्रवृद्धि की वजह से बड़ी हो सकती है। दूसरी तरफ, पांच-दस साल की देरी की भरपाई के लिए बाद में ज्यादा रकम निवेश करनी पड़ सकती है।

आपातकालीन निधि न बनाना

कई युवा निवेश पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन अचानक आने वाले खर्च के लिए अलग रकम नहीं रखते। नौकरी जाने, परिवार में आपात स्थिति, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य अनपेक्षित खर्च के समय ऐसी कमी भारी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में निवेश तोड़ना या महंगे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ सकता है। इसलिए सामान्य तौर पर कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि बनाने को प्राथमिकता दी जाती है। इसे ऐसे साधन में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

कंपनी की सुविधाओं को नजरअंदाज करना गलत

कई कर्मचारी अपने नियोक्ता की ओर से मिलने वाली सुविधाओं की पूरी जानकारी नहीं लेते। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा, अतिरिक्त बीमा कवर, सेवानिवृत्ति योजनाएं, स्टॉक विकल्प या शिक्षा से जुड़ी सुविधाएं कुल वित्तीय लाभ का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं। नौकरी बदलते समय भी यह देखना जरूरी है कि पुरानी कंपनी की कौन-सी सुविधा जारी रखनी है और नई कंपनी में कौन-सा अतिरिक्त लाभ उपलब्ध है।

क्रेडिट कार्ड और आसान कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड, उपभोक्ता ऋण और 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' जैसी सुविधाओं ने खरीदारी आसान कर दी है। लेकिन सुविधा और जरूरत के बीच अंतर समझना जरूरी है। ऐसी चीजों के लिए कर्ज लेना जिनकी कीमत समय के साथ घटती है, भविष्य की बचत को प्रभावित कर सकता है। खासकर क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर पूरा नहीं करने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए कर्ज लेने से पहले यह देखना चाहिए कि वह संपत्ति बनाने में मदद कर रहा है या केवल मौजूदा खर्च को आगे खिसका रहा है।

सोशल मीडिया देखकर निवेश करना

किसी शेयर, क्रिप्टोकरेंसी या किसी नए निवेश विकल्प के तेजी से बढ़ने की खबर देखकर तुरंत पैसा लगा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। सोशल मीडिया पर दिख रहा पिछला रिटर्न भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। निवेश का आधार किसी ट्रेंड या इंटरनेट पर चल रही चर्चा के बजाय लक्ष्य, समयावधि, जोखिम क्षमता और निवेश की समझ होनी चाहिए। विविधीकरण और नियमित निवेश की रणनीति भी इसी वजह से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बड़े खर्चों की योजना न बनाना

शादी, घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा और रिटायरमेंट जैसे लक्ष्य शुरुआती करियर में दूर लग सकते हैं। लेकिन महंगाई के कारण भविष्य में इनकी लागत आज की तुलना में काफी अधिक हो सकती है। अगर इन लक्ष्यों के लिए पहले से निवेश शुरू नहीं किया गया तो बाद में अचानक बड़ी रकम जुटाने का दबाव बन सकता है। इसलिए अलग-अलग लक्ष्यों के लिए अलग समयसीमा और निवेश योजना बनाना उपयोगी रहता है।

बीमा को नजरअंदाज करना

कई युवा मानते हैं कि कम उम्र में बीमा की जरूरत नहीं है। कंपनी की ओर से मिलने वाला स्वास्थ्य बीमा भी उन्हें पर्याप्त लगता है। लेकिन नियोक्ता का बीमा नौकरी बदलने या नौकरी खत्म होने पर जारी रहे, यह जरूरी नहीं है। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ने के साथ पर्याप्त स्वास्थ्य और जीवन बीमा की जरूरत भी बदल सकती है।

अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान न देना

शुरुआती करियर में केवल खर्च कम करना और निवेश बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति उसकी कमाने की क्षमता होती है। नई तकनीक सीखना, प्रमाणपत्र हासिल करना, उच्च शिक्षा, विशेषज्ञता विकसित करना और पेशेवर नेटवर्क मजबूत करना भविष्य की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अगर किसी कौशल को सीखने पर आय में बड़ा सुधार संभव है, तो शुरुआती वर्षों में उस पर किया गया खर्च लंबे समय में किसी सामान्य निवेश से भी अधिक प्रभाव डाल सकता है।

छोटी आदतें बना सकती हैं बड़ा अंतर

कमाई के शुरुआती पांच साल में वित्तीय अनुशासन का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति अपनी हर इच्छा छोड़ दे। असली लक्ष्य यह है कि बढ़ती आय का पूरा हिस्सा बढ़ती जीवनशैली पर खर्च न हो। सैलरी बढ़ने पर निवेश बढ़ाना, आपातकालीन निधि बनाना, महंगे कर्ज से बचना, बीमा की समीक्षा करना और अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाना।

रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

बिजनेस डेस्क। रिटायरमेंट के बाद एनपीएस का पैसा एक साथ निकाल लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी पीएफआरडीए के नियमों में ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनके तहत पात्र एनपीएस सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना पैसा एनपीएस में बनाए रख सकते हैं और निकासी को आगे के वर्षों में टाल सकते हैं। सामान्य तौर पर यह सुविधा 75 वर्ष की उम्र तक उपलब्ध है। इसका मतलब यह नहीं है कि एनपीएस में 60 साल के बाद कोई तय ब्याज दर मिलती है। एनपीएस बाजार से जुड़ा निवेश है और इसमें मिलने वाला रिटर्न गारंटीड नहीं होता। खाते में बची रकम संबंधित निवेश विकल्पों के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। पीएफआरडीए के अनुसार पात्र सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सुपरएनुएशन के बाद भी एनपीएस में बने रह सकते हैं। वह 75 वर्ष तक खाते को जारी रख सकते हैं या बीच में किसी भी समय बाहर निकल सकते हैं। एकमुश्त निकासी को टालने का विकल्प है। सब्सक्राइबर एकमुश्त राशि को बाद में निकाल सकता है या इसे चरणबद्ध तरीके से निकाल सकता है। पीएफआरडीए ने सिस्टेमैटिक लंपसम विड्रॉल यानी एसएलडब्ल्यू की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

एसएलडब्ल्यू से धीरे-धीरे निकाल सकते हैं पैसा

मान लीजिए रिटायरमेंट के समय किसी को एनपीएस से मिलने वाली एकमुश्त राशि बड़ी है और उसे पूरी रकम की तत्काल जरूरत नहीं है। ऐसे में पूरी रकम एक साथ बैंक खाते में लेने के बजाय वह चरणबद्ध निकासी का विकल्प चुन सकता है। एसएलडब्ल्यू के तहत निर्धारित अवधि में राशि निकालने की सुविधा मिलती है। पीएफआरडीए ने इस सुविधा को इसी उद्देश्य से शुरू किया है कि सब्सक्राइबर को एकमुश्त रकम निकालने के बजाय उसे व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल करने का विकल्प मिले।

जुलाई 2026 में बदले एनपीएस के नियम

जुलाई 2026 में पीएफआरडीए ने निकासी नियमों में बदलाव किया है। इसलिए पुराने 60% एकमुश्त और 40% वार्षिकी वाले नियम को हर एनपीएस श्रेणी पर लागू मानना सही नहीं है। ऑल-सिटिजन मॉडल में सामान्य निकासी के लिए पात्रता और कॉर्पस के आकार के आधार पर अब अधिकतम 80% राशि एकमुश्त निकालने तथा कम से कम 20% राशि से वार्षिकी लेने का विकल्प उपलब्ध है। कुछ छोटे कॉर्पस के लिए पूरी रकम निकालने अथवा एसएलडब्ल्यू जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र के मौजूदा नियमों में सामान्य निकासी पर अधिकतम 60% एकमुश्त और कम से कम 40% वार्षिकी का प्रावधान बना हुआ है। इसलिए एनपीएस में पैसा लगाने वाले व्यक्ति को अपने मॉडल और लागू नियम के अनुसार ही गणना करनी चाहिए।

एनपीएस में बचा पैसा कैसे बढ़ेगा?

एनपीएस में जमा रकम बाजार से जुड़े विभिन्न विकल्पों में निवेशित होती है। इसलिए रिटायरमेंट के बाद खाते में बची रकम पर कोई निश्चित 10% या 12% ब्याज मिलने की गारंटी नहीं है। निवेश का प्रदर्शन इक्विटी, कॉरपोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों जैसे विकल्पों में किए गए आवंटन तथा बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि 60 से 75 वर्ष के बीच एनपीएस निश्चित रूप से बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न देगा। यही कारण है कि रिटायरमेंट के बाद एनपीएस में पैसा बनाए रखने का फैसला केवल पिछले रिटर्न देखकर नहीं करना चाहिए। नियमित आय की जरूरत, महंगाई, कर प्रभाव और परिवार की वित्तीय जरूरतों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

पूरा पैसा एफडी में डालना भी हमेशा जरूरी नहीं

रिटायरमेंट के समय बड़ी रकम हाथ में आने पर उसे पूरी तरह बचत खाते या एफडी में रखना आसान विकल्प लग सकता है। लेकिन एफडी और एनपीएस की प्रकृति अलग है। एफडी में ब्याज दर पहले से तय होती है, जबकि एनपीएस बाजार से जुड़ा होता है। एफडी में पूंजी की स्थिरता अपेक्षाकृत अधिक होती है, जबकि एनपीएस में बाजार उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। दोनों की तुलना केवल ब्याज दर के आधार पर करना उचित नहीं है। रिटायरमेंट के बाद पैसे का कुछ हिस्सा नियमित खर्च के लिए सुरक्षित साधनों में और शेष रकम दीर्घकालिक जरूरत के अनुसार अलग-अलग विकल्पों में रखना कुछ निवेशकों के लिए उपयोगी रणनीति हो सकती है।

शेयर गिरने पर खरीदारी बढ़ाएं या फिर एसआईपी जारी रखें?

1. शेयर में गिरावट हमेशा खरीदारी का मौका नहीं होता
2. एसआईपी बाजार के उतार-चढ़ाव को कर सकती है संतुलित

शेयर बाजार में गिरावट आते ही निवेशकों को अक्सर सलाह दी जाती है कि भाव कम हो गए हैं, इसलिए और खरीदारी करके औसत लागत घटा लें। मसलन, अगर कोई शेयर 1,000 रुपये पर अच्छा लग रहा था तो 800 रुपये पर वह और सस्ता नजर आ सकता है। लेकिन निवेश का यह गणित हर शेयर पर लागू नहीं होता। सवाल यह है कि गिरावट सिर्फ शेयर के भाव में आई है या कंपनी के कारोबार में भी कमजोरी आई है? यही अंतर शेयरों में औसत लागत घटाने और म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश के बीच सबसे महत्वपूर्ण है। गलत शेयर में लगातार पैसा लगाते जाना नुकसान को कम करने के बजाय बढ़ा भी सकता है।

क्या है औसत लागत का तरीका?

किसी शेयर या म्यूचुअल फंड में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कीमतों पर निवेश करने को औसत लागत का तरीका कहा जा सकता है। इसका उद्देश्य एक ही कीमत पर पूरी रकम लगाने के बजाय कई स्तरों पर खरीदारी करना है। उदाहरण के लिए, किसी शेयर को 1,000 रुपये पर खरीदा और बाद में 800 रुपये पर फिर खरीदा तो दोनों खरीद की औसत लागत 900 रुपये होगी। शेयर की कीमत दोबारा बढ़ने पर निवेशक को शुरुआती खरीद की तुलना में जल्दी लाभ की स्थिति मिल सकती है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात है। औसत लागत कम होना और निवेश का जोखिम कम होना एक ही बात नहीं है।

भाव बढ़ने पर खरीदना भी है औसत बढ़ाना

औसत लागत की चर्चा में आमतौर पर गिरते शेयर में खरीदारी की बात होती है, लेकिन भाव बढ़ने पर भी निवेश बढ़ाया जा सकता है। इसे औसत बढ़ाना कहा जा सकता है। यदि किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे और भविष्य की संभावनाओं में सुधार हो रहा है और शेयर का भाव उसी वजह से बढ़ रहा है, तो कुछ निवेशक बढ़ी हुई कीमत पर भी धीरे-धीरे खरीदारी जारी रखते हैं। यहां फैसला सिर्फ भाव देखकर नहीं, बल्कि कंपनी के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखकर करना जरूरी है।

म्यूचुअल फंड में एसआईपी क्यों अलग है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी औसत लागत के सिद्धांत को काफी व्यवस्थित तरीके से लागू करती है। निवेशक हर महीने एक तय रकम लगाता है। बाजार नीचे होने पर उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और बाजार ऊपर होने पर कम यूनिट मिलती हैं। इससे निवेशक को हर बार बाजार का सही स्तर पहचानने की जरूरत नहीं पड़ती। लंबे समय में अलग-अलग भाव पर खरीदी गई यूनिट का औसत मूल्य बनता रहता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और बाजार में गिरावट आती है तो उस महीने उसे अधिक यूनिट मिलेंगी। बाजार चढ़ने पर कम यूनिट मिलेंगी। बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश लगातार चलता रहता है।

म्यूचुअल फंड में बंट जाता है जोखिम

म्यूचुअल फंड और व्यक्तिगत शेयर में सबसे बड़ा अंतर विविधीकरण का है। सामान्य तौर पर म्यूचुअल फंड का पैसा कई कंपनियों और क्षेत्रों में लगाया जाता है। किसी एक कंपनी का प्रदर्शन खराब होने पर उसका असर पूरे निवेश पर उसी अनुपात में नहीं पड़ता। फंड का पोर्टफोलियो फंड मैनेजर की निगरानी में रहता है। फंड की रणनीति के अनुसार कमजोर कंपनियों में निवेश घटाया या समाप्त किया जा सकता है और दूसरी कंपनियों को शामिल किया जा सकता है।

शेयर में गिरावट आए तो सावधान

व्यक्तिगत शेयर में औसत लागत घटाना कहीं ज्यादा सावधानी मांगता है। किसी शेयर का भाव गिरने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। बाजार की सामान्य गिरावट या किसी क्षेत्र में अस्थायी कमजोरी एक वजह हो सकती है। कंपनी के मुनाफे में लगातार गिरावट, कर्ज बढ़ना, बाजार हिस्सेदारी कम होना, नकदी प्रवाह कमजोर होना या प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल दूसरी वजह हो सकते हैं। पहली स्थिति में गिरावट अस्थायी हो सकती है। दूसरी स्थिति में कम भाव कंपनी के कमजोर होते कारोबार का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में सिर्फ यह सोचकर खरीदारी करते जाना कि शेयर पहले 1,000 का था और अब 500 रुपये का हो गया है, खतरनाक हो सकता है।

औसत घटाने से पहले ये सवाल पूछें

- कंपनी की बिक्री और मुनाफा किस दिशा में जा रहा है?
- कंपनी पर कर्ज बढ़ तो नहीं रहा?
- नकदी प्रवाह मजबूत है या कमजोर?
- कंपनी का बाजार हिस्सा बढ़ रहा है या घट रहा है?
- प्रबंधन और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े कोई गंभीर सवाल तो नहीं?
- शेयर में गिरावट पूरे बाजार की वजह से है या कंपनी की अपनी समस्या है?
- मौजूदा कीमत पर कंपनी का मूल्यांकन उचित है या नहीं?
- इन सवालों के जवाब सकारात्मक हैं तो गिरावट पर चरणबद्ध खरीदारी पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अगर कंपनी के मूल कारोबार में लगातार कमजोरी है तो केवल औसत लागत घटाने के लिए पैसा लगाना जोखिम बढ़ा सकता है।

एक ही शेयर या फंड में लगातार पैसा न लगाएं

औसत लागत घटाने की कोशिश में एक और गलती हो सकती है। किसी एक शेयर या फंड में जरूरत से ज्यादा पैसा लग जाना। किसी निवेश में लगातार रकम बढ़ाते रहने से पोर्टफोलियो में उसका हिस्सा बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए निवेशक को समय-समय पर अपने पूरे पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि किसी एक कंपनी, क्षेत्र या फंड में जरूरत से ज्यादा एकाग्रता तो नहीं हो रही। गिरावट देखकर नहीं, कारण समझकर फैसला करना चाहिए।

**देश में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं। इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके? जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है? इसके लिए पारदर्शिता बेहद जरूरी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर पर हंगामा : हकीकत से ज्यादा फसाना



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है। मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है।



संस्थाओं पर बहस हो, लेकिन तथ्यों के आधार पर

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग बार-बार यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि एसआईआर मतदाताओं को बेहतर सुविधा देने की व्यवस्था है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है, कोई भी वैध और योग्य मतदाता छूटे नहीं। मोटे तौर पर एसआईआर का एक ही मकसद है, हर योग्य और वैध मतदाता को सूची में जोड़ना, दिए गए पते पर न रहे मतदाताओं और मृतकों का नाम सूची से हटाना। इसके साथ ही विदेशी और घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना है। एक आरोप यह लग रहा है कि मतदाता सूची तैयार करने में ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर की भूमिका बीएलओ और ईआरओ की तुलना में बढ़ गई है, जिसकी वजह से मतदाता सूची को फाइनल करने के ईआरओ के अधिकार दरकिनार हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ईसीआईनेट सिर्फ तकनीकी मंच है, जिसकी बुनियाद अधिकारियों द्वारा घर-घर से जुटाए आंकड़े हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मतदाता सूची में किसी नाम को जोड़ने या उसे हटाने का निर्णय सिर्फ ईआरओ ही ले सकता है और वह भी जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 के तहत, नोटिस और सुनवाई के बाद ही ऐसा कर सकता है। कहना न होगा कि ऐसा ही हो रहा है। लेकिन राजनीति इसे देखने की बजाय अपने हिसाब से घटनाओं और कार्यों की व्याख्या कर रही है।

ज्यादा आपत्ति बिहार-प. बंगाल से

सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं।

यह है मानक प्रक्रिया

मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है।

दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरा-तफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम दर्ज न होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना पाया गया है।

ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर

अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ भी गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रहा है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है। मौजूदा बहस में नागरिकों के लिए कुछ प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं,क्या पुनरीक्षण निर्धारित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ? क्या किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया? यदि ऐसा हुआ, तो क्या दावा और आपत्ति की प्रक्रिया के जरिए उसे सुधारा गया?

अपील की प्रक्रिया आसान बनाना महत्वपूर्ण विकल्प



व्यवस्था

प्रदीप सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

देश की राजनीति में इस समय मतदाता सूची के शुद्धि के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर बहस के केंद्र में है। सत्तापक्ष और चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष एसआईआर की पूरी कवायद को लोकतंत्र और कानून के शासन के खिलाफ बता रहा है। कुछ विपक्षी दल, नागरिक संगठन, अकादमिक संस्थाएं और बुद्धिजीवी चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान को गैर-कानूनी बता रहे हैं। एसआईआर को आम मतदाताओं के खिलाफ एक साजिश बताने वाले इसे देश के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए एक गंभीर प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौती बता रहे हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए इसकी कानूनी वैधता को बरकरार रखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर नाम हटने और प्रक्रियात्मक पारदर्शिता की कमी के आरोपों के कारण यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। दरअसल बिहार और पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों की जांच, हटाने और पुनः शामिल करने को लेकर विवाद सामने आया। यह आरोप लगा कि एसआईआर के जरिए वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग ऐसे आरोपों को खारिज करता रहा है। फिलहाल इस पूरी प्रक्रिया में हमें यह देखना होगा कि देश में एसआईआर की जरूरत क्या है, और इसका विरोध क्यों हो रहा है? क्या जरूरत और विरोध के बिंदुओं का मिलान करते हुए कोई बीच का रास्ता नहीं निकाला जा सकता है? जिससे मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहे और मतदाता सूची भी पाक-साफ हो सके। इस विवाद को केवल सरकार बनाम विपक्ष के राजनीतिक संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका सीधा संबंध चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, मतदाता के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास से है। यह सही है कि लंबे समय तक मतदाता सूची का पुनरीक्षण न करने पर सूची में मृत लोगों के नाम, स्थान बदल चुके मतदाताओं के पुराने पते, दोहरे नाम और अन्य गलतियां समय के साथ जमा रहते हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था। लेकिन समस्या तब पैदा हुई जब कुछ वास्तविक मतदाताओं का नाम भी दस्तावेजी प्रक्रिया या किसी तकनीकी जांच के कारण सूची से बाहर हो गए। बिहार में एसआईआर के प्रारंभिक मसौदे से लगभग 65 लाख नाम बाहर रह गए थे। बाद में दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के जरिए कई मामलों की समीक्षा हुई। हमारे देश में एक सच्चाई यह भी है कि रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों और देशों में पलायन करते हैं। पूर्वी और उत्तर भारत के लोग दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई और पंजाब जाते हैं। जबकि पंजाब के लोग कनाडा, यूरोप और केरल, तमिलनाडु के लोग खाड़ी देशों में रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं, और जीवन का बड़ा समय वहां गुजार देते हैं। ये परदेशी और प्रवासीसमय-समय पर अपने गांव आते तो है लेकिन जानकारी के अभाव और समय के दबाव में वे अपने पैतृक स्थान पर अपना नाम दर्ज कराने नहीं आ पाते हैं। क्या यह केंद्र सरकार के लिए चुनौती है?एसआईआर चुनाव आयोग द्वारा संचालित प्रक्रिया है, जो संविधान के तहत स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसलिए हर प्रशासनिक निर्णय को सीधे केंद्र सरकार का निर्णय मानना उचित नहीं होगा। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर केंद्र सरकार के लिए चुनौती जरूर पैदा हो सकती है। यह विवाद यदि लंबे समय तक जारी रहता है तो विपक्ष इसे सरकार के खिलाफ राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। एसआईआर पर सबसे बड़ी चुनौती जनता के विश्वास की है। चुनाव केवल मतदान का आयोजन नहीं है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह विश्वास भी जरूरी है कि मतदाता सूची में शामिल हर योग्य नागरिक को मतदान करने का अवसर मिलेगा। यदि बड़ी संख्या में नागरिकों को अपने नाम के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ें या उन्हें यह स्पष्ट न हो कि उनका नाम क्यों हटाया गया, तो चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के सामने विकल्प की बात करें तो पहला विकल्प पूर्ण पारदर्शिता है। किस आधार पर किसी मतदाता का नाम संदिग्ध माना गया, कितने नाम हटाए गए, कितने नाम वापस जोड़े गए और कितनी अपीलें लंबित हैं-इन आंकड़ों को राज्य और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक किया जा सकता है। अपील की प्रक्रिया को आसान बनाना भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। किसी नागरिक से नाम हटाए जाने के बाद ऐसी प्रक्रिया की उम्मीद की जानी चाहिए जिसमें वह आसानी से अपनी आपत्ति दर्ज करा सके और समयबद्ध तरीके से निर्णय प्राप्त कर सके। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है।

चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था।

अलग राय दर्ज होना संस्था का टूटना नहीं



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

देश में एसआईआर को लेकर जो बहस चल रही है, उसे सिर्फ "गड़बड़ी हो गई" कहकर नहीं समझा जा सकता। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची की गहरी जांच है। चुनाव आयोग कहता है कि मृत, दोहरे और जगह छोड़ चुके लोगों के नाम हटने चाहिए। विरोधी दल और कई नागरिक समूह कहते हैं कि सही मतदाताओं के नाम भी कट रहे हैं। बीच में यह खबर भी आई कि आयोग के अंदर कुछ फैसलों पर अलग राय दर्ज हुई। कई लोगों ने इसे संस्था के टूटने जैसा पढ़ लिया।

संवैधानिक संस्थाओं में राय का फर्क अपने आप में गड़बड़ी नहीं होता। गड़बड़ी तब होती है, जब फर्क छिपाया जाए, नियम तोड़े जाएं, या आदमी को जवाब देने का मौका न मिले। एसआईआर कोई नया अलग कानून नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 324 मतदाता सूची की तैयारी चुनाव आयोग को सौंपता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 (3) आयोग को कारण लिखकर विशेष पुनरीक्षण का अधिकार देती है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। शुरुआत बिहार से हुई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम इलेक्शन कमीशन मामले में अदालत ने कहा कि एसआईआर पुराने कानून से टकराता नहीं है और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य को कमजोर नहीं करता। यानी सूची साफ करने की शक्ति गलत नहीं है। पर शक्ति और जमीन पर अमल एक बात नहीं है। बिहार में प्रारूप सूची से करीब 65 लाख नाम बाहर रहे। अंतिम सूची में मतदाता करीब 7.89 करोड़ से घटकर लगभग 7.42 करोड़ रह गए। बाद के चरणों में नाम कटने और नोटिस जाने की शिकायतें बढ़ीं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि दो निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की। आयोग ने 26 सितंबर 2026 को कहा कि एसआईआर के आदेश तीनों की सर्वसम्मति से पास हुए थे और विचार के दौरान अलग टिप्पणी सामान्य है। ऐसा फर्क दूसरी संवैधानिक संस्थाओं में भी रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य का मामला है, जिसका फैसला 24 अप्रैल 1973 को आया। केरल के एडनीर मठ के प्रमुख स्वामी केशवानंद भारती ने केरल के जमीन सुधार कानून को चुनौती दी थी। असली सवाल जमीन से बड़ा था। क्या संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान का कोई भी हिस्सा, यहां तक कि मौलिक अधिकार भी, बदल सकती है? यह सुनवाई भारत के इतिहास की सबसे बड़ी पीठ ने की। तेरह जजों की राय 7 के मुकाबले 6 से बंट गई।

बहुमत ने कहा कि संसद संविधान संशोधित कर सकती है, पर उसका मूल ढांचा नहीं मिटा सकती। लोकतंत्र, न्यायिक समीक्षा, संघवाद और अधिकारों का मूल इस ढांचे में आता है। अल्पमत मानता था कि संशोधन की शक्ति इतनी बांधी हुई नहीं है। फैसला एक वोट से टिका। उस समय भी तीखी बहस हुई। आज वही बंटवारा संविधान की सबसे बड़ी सुरक्षा माना जाता है। केशवानंद में फर्क गड़बड़ी नहीं था। वह संविधान को बचाने वाली बहस थी। एक और उदाहरण लें। आपातकाल में मिसा कानून के तहत बंद लोगों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं डाली थीं। सवाल था कि क्या अनुच्छेद 21 का जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार उस समय भी अदालत में मांगा जा सकता है। चार जजों के बहुमत ने कहा कि आपातकाल में यह दरवाजा बंद है।

जस्टिस एच. आर. खन्ना अकेले असहमत रहे। उनका कहना था कि जीवन और आजादी संविधान की देन नहीं, इनसे राज्य भी वंचित नहीं कर सकता। बाद में देश ने उनकी असहमति को सही माना और 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उस बहुमत वाले फैसले को गलत ठहराया। रिपोर्टों के मुताबिक करीब 38 लाख अपीलों में से अधिकांश रुकी रहीं, और जो निपटीं उनमें ज्यादातर नाम वापस जुड़े। केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।



केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

पारदर्शिता से ही बढ़ेगी विश्वसनीयता



चुनाव आयोग

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के बरसों में कामकाज के तरीकों को लेकर चुनाव आयोग लगातार विवादों में रहा है। विपक्ष का उस पर अविश्वास इतना गहरा शायद कभी नहीं रहा, जहां उसके तमाम फैसलों पर संदेह जताया गया। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़ा जो खुलासा हुआ है, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव आयोग (ईसीआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के बीच कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद रहे हैं। इनमें मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी शामिल है। विपक्ष इन दिनों लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। हालांकि, चुनाव आयुक्तों को हटाना आसान नहीं है। उन्हें संसद में महाभियोग की प्रक्रिया के जरिये ही हटाया जा सकता है। लेकिन चुनाव आयोग की अपनी विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि वह इन सवालों पर अंदरूनी तौर पर गंभीर चर्चा करे और जनता को पारदर्शी तरीके से बताए कि वह किस तरह काम कर रहा है और भविष्य में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाएगा। आयोग ने फिलहाल इतना ही कहा है कि उसके निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए, लेकिन इससे पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं होती। खैर, चुनाव आयोग पर पक्षपात का निष्कर्ष निकालने में जल्दबाजी भी नहीं करनी चाहिए। यह समझना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल देश में चुनाव व्यवस्था चलाना बेहद कठिन काम है। देश में करीब एक अरब मतदाता हैं और आयोग के पास सीमित संसाधन हैं। इसलिए हमें सिर्फ आरोप लगाने के बजाय यह सोचना चाहिए कि ऐसी समस्याओं को दूर कैसे किया जा सकता है ताकि बड़ी संख्या में योग्य मतदाताओं के नाम गलती से मतदाता सूची से न हटें। मुख्य बात यह है कि हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में तो विवाद अभी तक शांत नहीं हुआ है। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें इसके खिलाफ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है। इस घटना से विपक्ष के आरोपों को बल मिलेगा और एसआईआर को लेकर शंका बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और ऐसी हो कि एक भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। 2025 के एसआईआर को लेकर उठे सवाल, आयोग का पक्ष, विशेषज्ञों की आपत्तियां और सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला, सभी को देखें तो यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और चुनावी व्यवस्था में नागरिक के अधिकार से जुड़ा बड़ा सवाल है। इस पूरे विवाद से जो अहम बातें सामने आती हैं, वो है- सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने चाहिए और यह साफ होना चाहिए कि आयोग महत्वपूर्ण फैसलों पर सहमति कैसे बनाता है। साफ है, देश में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे जरूरी आधार चुनाव आयोग है। जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा किसी अन्य सरकारी विभाग की तुलना में अधिक है, क्योंकि वह स्वयं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रहरी है। उसकी विश्वसनीयता किसी सरकार, किसी राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति से बड़ी है। इसलिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि चुनाव आयोग के भीतर कौन किससे असहमत है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके?



हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं।

एसआईआर में गड़बड़ का आरोप सीईसी ज्ञानेश की इस्तीफे की मांग

आईसा के कार्यकर्ता सामूहिक हिरासत के एक दिन बाद फिर से जंतर मंतर पर लौटे,पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान राजनीतिक नेताओं और छात्र कार्यकर्ताओं समेत 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद शनिवार को आईसा के कार्यकर्ता कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच जंतर-मंतर के पास जुटने लगे। आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा के आह्वान के बाद शनिवार को प्रदर्शनकारी जमा हुए। बोरा को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपराह्न एक बजे जंतर-मंतर लौटने और विरोध प्रदर्शन जारी रखने को कहा था। प्रदर्शनकारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चिंता जताते हुए कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

शुक्रवार को 1,000 को लिया था हिरासत में

शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर में प्रदर्शन के दौरान आईसा, एसएफआई, एनएसयूआई, आप और अन्य राजनीतिक व छात्र संगठनों से जुड़े 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था।

शनिवार को भी पुलिस की तैनाती जारी रही



दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी। प्रदर्शन के दौरान कई सड़कों पर अवरोधक लगाए गए थे और जंतर-मंतर के आसपास कई मेट्रो स्टेशनों में प्रवेश व निकास को अस्थायी रूप से सीमित कर दिया गया था। दूसरे दिन भी जंतर-मंतर के आसपास पुलिस की तैनाती जारी रही, क्योंकि आईसा और अन्य संगठन विरोध प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं।

ममता को धन्यवाद वाली पोस्ट

दीपके बोले- 10 से पहले अकाउंट भी हटना संभव

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि



अगर उनका एक्स अकाउंट 10 अक्टूबर से पहले हटा दिया जाए तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। यह बयान उस पोस्ट को एक्स पर प्रतिबंधित किए जाने के बाद आया, जिसमें उन्होंने बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आंदोलन का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया था।



जंतर-मंतर पर पुलिस ने दिखाई सख्ती

दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन करने की कोशिश के सिलसिले में अज्ञात लोगों के खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज कर ली है। दो एफआईआर पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस थाने और एक कनॉट प्लेस पुलिस थाने में दर्ज की गई है।शुक्रवार को मुंबई और दिल्ली में बड़ी संख्या में लोग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। यह प्रदर्शन वोटर लिस्ट के एसआईआर प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों के बीच किया गया।

खबर संक्षेप

बंगाल विस स्पीकर की तबीयत बिगड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस को शुक्रवार रात सीने में तेज दर्द



की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका पूर्वी कोलकाता में ईस्टर्न मेट्रोपॉलिटन बाईपास के पास एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति लगभग स्थिर है। शुक्रवार को 2कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था।

कैश फॉर जॉब मामले में सुनवाई फिर टली

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी से जुड़े लारा प्रोजेक्ट मनी



लॉन्ड्रिंग केस में औपचारिक रूप से आरोप तय करने की कार्यवाही शनिवार को टाल दी। अब अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी कोर्ट पहुंचे।

बैंक के 16.35 करोड़ लौटाए, फिर भी जेल

पंचकूला। बैंक धोखाधड़ी मामले में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष मजिस्ट्रेट अदालत ने दोषी



सुशील कुमार गर्ग को 1 साल की सजा सुनाई है। उस पर 15 हजार जुर्माना भी लगाया है। दोषी ने मुकदमे के दौरान बैंक की पूरी बकाया राशि 16.35 करोड़ चुका दी थी। इस मामले में दोषी की ओर से कहा गया कि वह परिवार का इकलौता कमाने वाला है।

हिंगोली में 3 घंटे में भूकंप के 2 झटके

मुंबई। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के कई इलाकों में शनिवार सुबह कुछ ही घंटों के अंतराल पर भूकंप के



2हल्के झटके महसूस किए गए। इससे स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया। किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जिला आपदा प्रबंधन के अनुसार, पहला झटका सुबह करीब 7:46 बजे लगा,तीव्रतe 3.3 मापी गई।

चारधाम यात्रा पर आए 4 श्रद्धालुओं की मौत

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले 3 दिन में अलग-अलग घटनाओं में चारधाम यात्रा पर आए 4श्रद्धालुओं

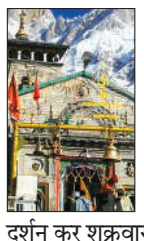

की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई । राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार गंगोत्री धाम के दर्शन कर शुक्रवार को लौट रहे एक तीर्थयात्री की भटवाड़ी में तबीयत बिगड़ गई। परिजन स्वास्थ्य केंद्र ले गए, चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

राहुल ने लॉन्च किया 'सत्याग्रह' पोर्टल, कहानी साझा करने की अपील की

'संघर्ष जोड़ो, भारत जोड़ो' के तहत देशभर से जानकारी जुटाएंगे और लोगों को भी जोड़ेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'सत्याग्रह' नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य देशभर में चल रहे अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों की जानकारी को एक जगह जुटाना और समान मुद्दों पर संघर्ष कर रहे लोगों को जोड़ना है। राहुल ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर लोगों से अन्याय के खिलाफ अपने संघर्ष की कहानी साझा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारी अपने मुद्दे की जानकारी प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इंटरैक्टिव मैप के जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में समान मुद्दों पर चल रहे आंदोलनों को भी देखा जा सकता है। राहुल ने कहा कि देशभर में कई लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कई बार उन्हें अकेले अपनी आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं से जुड़े आंदोलनों का जिक्र किया।

आंदोलन का डिजिटल प्लेटफॉर्म

अलग आवाजों को एक नक्शे पर लाने की कोशिश



लोगों का संघर्ष दिखेगा

अकेले उठने वाली आवाज दब सकती है। ऐसे में 'सत्याग्रह' के जरिए इन आवाजों को एक नक्शे पर लाने की कोशिश की गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर वे किसी अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं तो कहानी साझा करें। वह कहानी प्लेटफॉर्म के मैप पर दिखाई देगी और लोग यह भी देख सकेंगे कि देश के दूसरे हिस्सों में कौन लोग इसी तरह के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

संसद और सड़क पर साथ देने की बात

राहुल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह जरूरत के मुताबिक इन मुद्दों को संसद में उठाने, सड़कों पर लोगों के साथ खड़े होने और पत्र लिखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां भी उनकी जरूरत होगी, वह लोगों के साथ खड़े होने का प्रयास करेंगे। राहुल गांधी ने इसे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बताया।

महंगाई, किसान और महिला सुरक्षा

राहुल ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में कई मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग चल रहे इन प्रदर्शनों की जानकारी को एक जगह लाने के उद्देश्य से वेबसाइट शुरू की गई है। राहुल ने कहा कि उनका प्रदर्शन बड़ा हो या छोटा, वे वेबसाइट पर उसकी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए नाम, समूह का नाम और प्रदर्शन किस मुद्दे को लेकर है, इसकी जानकारी दें। यदि किसी आंदोलन या प्रदर्शन को उनकी मदद की जरूरत होगी या लोग उनसे समर्थन मांगेंगे तो देंगे।

खरगे ने कहा- लोकसभा और विधानसभाएं भंग करो

गैरकानूनी तरीके से पद पर हैं मोदी-शाह, बैलेट पेपर से हों चुनाव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं



को भंग करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि सभी चुनाव गैर-कानूनी हैं और इसी आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राज्यों के मुख्यमंत्री भी गैर-कानूनी हैं। खरगे ने मांग की कि सभी सदनों को भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं और इन चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर का इस्तेमाल हो। पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि आज पूरा देश गैर-कानूनी चुनावों के आधार पर चल रहा है। मोदी एक गैर-कानूनी प्रधानमंत्री हैं, शाह एक गैर-कानूनी मंत्री हैं और जहां भी मुख्यमंत्री चुने गए हैं, वे सभी गैर-कानूनी हैं।

एसआईआर को लेकर साधा निशाना

कर्नाटक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के कई राज्यों में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में कई गड़बड़ियां हैं और सरकार की ओर से कई गलतियां की जा रही हैं। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ रहा है और लोकतंत्र कमजोर हो रहा है।

मध्य प्रदेश-कर्नाटक संगम की पहल

सांस्कृतिक खोज और युवा आदान-प्रदान यात्रा शुरू की

प्रतिनिधि मंडल का सातवें चरण का आयोजन



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय का उच्च शिक्षा विभाग, युवाओं के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत युवा संगम के सातवें चरण का आयोजन कर रहा है। मध्य प्रदेश कर्नाटक प्रतिनिधिमंडल, जिसके लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल नोडल संस्थान है, को 26 सितंबर को रवाना किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल कर्नाटक की समृद्ध विरासत, परंपराओं, खान-पान, प्राकृतिक परिदृश्यों और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करने के लिए कर्नाटक का दौरा कर रहा है। पर्यटन, परंपरा, प्रगति, परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी ये स्तंभ प्रतिभागियों को सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, तकनीकी और विकास को जानने-समझने का अवसर प्रदान करेंगे।

देश की कला और विरासत को समझा

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण 1 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल की कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के साथ हुई बातचीत थी। इस संवाद ने युवा प्रतिनिधियों को कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने तथा राष्ट्रीय एकता और लोगों के बीच आपसी संपर्क को मजबूत करने में युवाओं की भूमिका को समझने का अवसर प्रदान किया। सांस्कृतिक और शैक्षणिक अनुभव के तहत प्रतिनिधियों ने बीदर किला और भारतीय प्रबंधन संस्थान, आईआईएम बेंगलुरु का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने 30 सितंबर को पद्म-श्री से सम्मानित प्रसिद्ध बिदरीवेयर कलाकार श्री रशीद अहमद कादरी से भी मुलाकात की। इससे शिल्पकला, इसकी समृद्ध विरासत तथा भारत के पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को समझा।

आपसी समझ और संस्कृति को जाना

प्रतिनिधियों ने गुरुद्वारा श्री नानक झीरा साहिब में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का अनुभव किया। इससे विविध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को जाना। यात्रा का उद्देश्य अनुभवात्मक अधिगम और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना और आपसी संपर्क को मजबूत करना है। यह पहल देश की सांस्कृतिक परंपराओं, शैक्षणिक संस्थानों, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और विकासात्मक पहलों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

तीन माह से बेटा गायब

संत प्रेमानंद के आश्रम के बाहर धरने पर बैठा हाथरस का परिवार

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

3 महीने पहले संत प्रेमानंद से प्रभावित होकर सादाबाद के गांव बरामनी निवासी 16 वर्षीय अनुज चौधरी की तलाश में जब स्वजन एक दिन पहले मिलने पहुंचे तो मिलने नहीं दिया। स्वजन के साथ ग्रामीणों ने अनुज से मिलवाने को धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। श्रीराधा केली कुंज के बाहर शुक्रवार को दोपहर साढ़े 12 बजे राजवीर चौधरी अपने बेटे अनुज चौधरी की तलाश में संत प्रेमानंद के श्री राधा केलिकुंज आश्रम आए तो बेटे से



मिलने नहीं दिया। राजवीर चौधरी ने बताया अनुज ने 26 जून को संत प्रेमानंद से दीक्षा ली और घर आ गया। इसके बाद तीन जुलाई को घर से संत प्रेमानंद के दर्शन की बात कहकर निकला और फिर नहीं लौटा, तो दो दिन बाद वे बेटे की खोज में वे केलिकुंज पहुंचे तो बेटे से मिलने नहीं दिया।

बंगाल के ट्रायल कोर्ट का मामला

सुप्रीम कोर्ट को जबरन सलाह दी जताई आपत्ति, देना होगा जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यह मामला पश्चिम बंगाल के एक ट्रायल कोर्ट के जज से जुड़ा है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट को बिना मांगी सलाह देना भारी पड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके इस व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे जवाब तलब किया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ) ने मई में एक विचाराधीन कैदी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए निचली अदालत को 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करने का आदेश



दिया था। आरोपी पिछले 5 साल से जेल में बंद था। तय समय में ट्रायल पूरा नहीं हुआ, तो उत्तर 24 परगना के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (तीसरी अदालत) ने सुप्रीम कोर्ट के असिस्टेंट रजिस्ट्रार से और समय मांगा। पत्र के आखिर में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को 'जमानत कानून' सिखाना शुरू कर दिया।

मुंबई का जवाहर द्वीप





भारत का पहला प्लास्टिक मुक्त ऑयल टर्मिनल बना

मुंबई। पोर्ट अथॉरिटी ने जवाहर द्वीप मरीन ऑयल टर्मिनल को प्लास्टिक-मुक्त घोषित किया है। यह घोषणा महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मुंबई के इंदिरा डॉक के ग्रे गेट पर आयोजित स्वच्छता अभियान 2026 के दौरान की गई। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इसका नेतृत्व किया। कार्यक्रम में मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के अध्यक्ष डॉ. एम. अंगमुथु, उपाध्यक्ष रवीश कुमार सिंह और अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

चुनावी हार छिपाने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही कांग्रेस

जनता ने नकारा तो जनादेश को बदनाम करने पर तुली: शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी के निर्देश पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को 'अवैध' बताना संवैधानिक संस्थाओं और जनादेश का अपमान है। सिंह ने कहा खरगे का बयान उनकी हताशा, पराजय की मानसिकता और संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार करने की परिपाटी का एक और प्रमाण है। जब-जब जनता कांग्रेस को नकारती है, तब-तब कांग्रेस लोकतंत्र, चुनाव आयोग, ईवीएम पर ठीकरा फोड़ती है।



कांग्रेस का लोकतंत्र तभी वैध जब वो सत्ता में हो

उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस की नजर में लोकतंत्र केवल तभी वैध होता है, जब गांधी परिवार या कांग्रेस सत्ता में हो? जहां एक लोकतांत्रिक देश में किसी सरकार का पांच साल तक चल जाना भी एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, वहीं भारत जैसे विविधतापूर्ण और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लगातार तीन बार मुख्यमंत्री पद पर और उसके बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में जनता द्वारा ऐतिहासिक बहुमत से चुना जाना यह साबित करता है कि देश की जनता का विश्वास किस पर है।

खरगे जनता को गुमराह कर रहे

चौहान ने कहा कि खरगे ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है। आयुक्तों की नियुक्ति संसद द्वारा पूरी तरह लोकतांत्रिक, संवैधानिक और पारदर्शी तरीके से पारित किया गया है।

कांग्रेस ने मनमानी ढंग से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की

कांग्रेस शायद अपना इतिहास भूल गई है। दशकों तक कांग्रेस सरकारों ने बिना किसी कानून या पारदर्शी चयन समिति के, केवल प्रधानमंत्री कार्यालय की एक पर्ची पर मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की और बाद में उन्हें मंत्री पद तथा सांसद का इनाम दिया। आज जब एक वैधानिक और पारदर्शी व्यवस्था बनी है, तो कांग्रेस निराधार आरोप लगा रही है। मतदाता सूची को अपडेट करना, फर्जी और दोहरे नामों को हटाना तथा योग्य नागरिकों को जोड़ना चुनाव आयोग की एक सतत और वैधानिक प्रक्रिया है। चुनाव आयोग नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से दावा और आपत्ति के फॉर्म स्वीकार करता है।

पेट्रोल पंप पर मची अफरा-तफरी

सीएनजी भरवाते समय कार में धमाका, गाड़ी के उड़े परखच्चे

एजेंसी ▶▶ वडोदरा

गुजरात में वडोदरा जिले के करजन में एक पेट्रोल पंप पर उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब वहां एक कार में सीएनजी भरते वक्त उसके पिछले हिस्से में अचानक धमाका हो गया। कार का टैंक फटने की वजह से यह धमाका हुआ, जिससे पंप पर मौजूद लोगों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। अच्छी बात यह रही कि उस वक्त कार के अंदर कोई नहीं था और न ही कार के करीब कोई खड़ा हुआ था, जिससे हादसे में किसी इंसान को कोई चोट नहीं लगी। घटना का वीडियो सामने



आया है। जिस कार में धमाका हुआ उसे और उसके आसपास खड़ी कुछ गाड़ियों को जरूर अच्छा खासा नुकसान पहुंचा है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि यह धमाका इतना जबरदस्त था कि कार की बॉडी कागज की तरफ फट गई और कार के पिछले हिस्से के पुर्जे और टूटे हुए शीशे कई मीटर तक दूर जा गिरे।

डीआरआई की महाराष्ट्र में दो बड़ी कार्रवाई: सोने-हीरे और संरक्षित वन्य जीवों के गिरोह का पर्दाफाश

एयरपोर्ट पर 13.5 करोड़ के गोल्ड-डायमंड जब्त, 8 अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई में हाई-टेक दोतरफा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है।

इसमें लगभग 12.64 करोड़ रुपए मूल्य का 8.564 किलो 24-कैरेट विदेशी सोना और लगभग 1.09 करोड़ रुपए मूल्य के 1,168.97 कैरेट हीरे जब्त किए गए। एयरपोर्ट के एक कर्मचारी, छह ट्रांजिट यात्रियों और भारत से बाहर जाने वाले एक भारतीय यात्री सहित आठ लोगों को गिरफ़्तार किया गया है।


जब्त हीरे और सोना

23 कैप्सूल में मोम के रूप में था सोने का बुरादा

डीआरआई अधिकारियों ने चुपचाप नज़र रखी और उन पांचों यात्रियों को तब पकड़ा जब वे ट्रांजिट एरिया में एयरपोर्ट स्टाफ़ को सोने के कैप्सूल सौंप रहे थे। तस्करी का सोना सौंपने के बाद ये यात्री आगे सिंगापुर और ढाका जाने वाले थे। कस्टम्स एक्ट, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत सभी आठ लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया है।

प्राकृतिक और लैब में बने हीरे जब्त

इसके अलावा, 1,168.97 कैरेट हीरे भी बरामद और जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत लगभग 1.09 करोड़ रुपए थी; इनमें 132.17 कैरेट प्राकृतिक हीरे और 1,036.80 कैरेट लैब में बने हीरे शामिल थे। इस ऑपरेशन ने एक बार फिर एयरपोर्ट के ज़रिए सोने की तस्करी में शामिल एयरपोर्ट स्टाफ़ से जुड़े अंदरूनी ख़तरे को उजागर किया है।

हाथी के दांत, तेंदुए की खाल, बरामद, 11 लोग गिरफ्तार

डीआरआई ने खुफिया जानकारी पर आधारित तीन अभियानों में हाथी के दांत से बनी चार चीज़ें (जिनमें बारीक नक्काशी वाली चीजें भी शामिल हैं), तेंदुए की खाल का एक टुकड़ा, दो जीवित पैंगोलिन, 3 किलो बाघ की हड्डियां और बाघ के दो कैनाइन दांत जब्त किए हैं।

इन तीन अभियानों में ग्यारह लोगों को पकड़ा गया है। हाथी के दांतों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए चलाए गए एक अभियान में, डीआरआई अधिकारियों ने एक 'डिकॉय ऑपरेशन' (नकली ग्राहक बनकर की जाने वाली कार्रवाई) किया।


हाथी के दांत, तेंदुए की खाल

गोंदिया जिले में दो लोगों को पकड़ा

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में पुराडा गांव के पास दो लोगों को रोका। शक था कि वे तेंदुए को मारकर उसकी खाल बेचने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें रोकने पर तेंदुए की एक खाल बरामद हुई। तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस) वाइल्ड लाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की अनुसूची एक में शामिल है, और बरामद खाल को एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

अल्लापल्ली वन में चलाया बड़ा अभियान

महाराष्ट्र के अल्लापल्ली वन क्षेत्र में चलाए गए एक संयुक्त अभियान में, डीआरआई ने लुप्तप्राय वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल होने के संदेह में छह लोगों को पकड़ा। इस दौरान एक जीवित वयस्क पैंगोलिन, एक जीवित पैंगोलिन का बच्चा, 3 किलो बाघ की हड्डियां और बाघ के दो कैनाइन (नुकीले दांत) बरामद किए गए। लोगों द्वारा इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें जब्त की।

खबर संक्षेप

लेबर रूम में बुर्का पहने से रोका, मचा बवाल

जम्मू। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बुर्का विवाद का मामला गरमा गया है। मेडिकल



कॉलेज में शनिवार को नर्सिंग इंटर्न ने विरोध-प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि उन्हें गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट के लेबर रूम के अंदर बुर्का पहनने से रोका गया। यह विरोध बुधवार को डोडा मेडिकल कॉलेज के गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. मधु चिब के खिलाफ शुरू हुआ। उन्होंने एक नर्सिंग स्टूडेंट को नकाब पहनने की वजह से लेबर रूम से बाहर जाने को कहा था। 7 सदस्यों का एक पैनल जांच करेगा।

कनाडा में भारतीय मूल के 5 लोग गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा में भारतीय मूल के पांच लोगों को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ये



सभी गोलीबारी, आगजनी, हथियारों की तस्करी और ड्रग्स से जुड़े अपराध शामिल हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा कि ये गिरफ्तारियां एक ऑटो डीलरशिप की 16 महीने तक चली जांच के बाद की गईं। इस डीलरशिप के सह-मालिकों ने जून 2025 में जबरन वसूली की मांग की शिकायत की थी, जिसके बाद लैंगली और सरे में स्थित डीलरशिप पर आगजनी और गोलीबारी की दो घटनाएं भी हुई थीं।

पाकिस्तान ने भारतीय दूत को तलब किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया है कि उसने भारतीय कार्यवाहक राजदूत



को तलब किया है। इस पोस्ट में दावा किया गया है कि 2 अक्तूबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बेदियान सेक्टर में भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने दो पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या की है। इसी घटना पर विरोध दर्ज कराने के लिए पाकिस्तान में भारतीय कार्यवाहक राजदूत को तलब किया गया है। वहीं, भारत में पंजाब पुलिस का कहना है कि तरन तारन में सीमा सुरक्षा बल ने बीएसएफ़ ने दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा है।

वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने जताई चिंता

हर साल शामिल करने होंगे 40 विमान उत्पादन में देरी से खड़ी होंगी 'मुश्किलें'

विकास और उत्पादन में देरी से तकनीक अपना महत्व खो देती है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

> एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बार-बार दोहराया कि 'टेक्नोलॉजी में देरी का मतलब है टेक्नोलॉजी से इनकार'। अगर विकास और उत्पादन इतना लंबा खिंच जाए कि दुश्मन आगे निकल जाए तो तकनीक अपना महत्व खो देती है

भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में लड़ाकू स्क्वॉड्रनों की गिरती ताकत पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वायु सेना को हर साल 36 से 40 विमान यानी करीब दो स्क्वॉड्रन के बराबर विमान शामिल करने होंगे ताकि संख्या और न गिरे। इसके बाद और तेज गति से इंडक्शन करके ताकत बढ़ाने की जरूरत है। एयर फोर्स डे से पहले सिंह ने साफ कहा कि रक्षा कार्यक्रमों में देरी सीधे ऑपरेशनल क्षमता को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने बार-बार दोहराया कि 'टेक्नोलॉजी में देरी का मतलब है टेक्नोलॉजी से इनकार'।


एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

अगर विकास और उत्पादन इतना लंबा खिंच जाए कि दुश्मन आगे निकल जाए तो तकनीक अपना महत्व खो देती है। उन्होंने स्वीकार किया कि वायुसेना के विमानों की संख्या घट रही है और जिन विमानों के समय पर शामिल होने की उम्मीद थी, उनकी डिलीवरी में देरी हुई है। उन्होंने कहा कि वायुसेना इस अंतर को पाटने के लिए तेजस मार्क-1ए, तेजस मार्क-2, 114 विमानों वाला प्रस्तावित एमआरएफए कार्यक्रम और पांचवीं पीढ़ी का एएमसीए पर काम कर रही हैं। अगर एएमसीए या अन्य कार्यक्रमों में देरी होती है तो ऑपशनल लड़ाकू जेट देखने पड़ सकते हैं।

तेजस मार्क-1ए, मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट पर काम जारी

ड्रोन संग हथियारों को एक साथ इस्तेमाल करना ज्यादा प्रभावी

अलग से ड्रोन फोर्स नहीं बनाएंगे

एपी सिंह ने कहा कि ड्रोन भारतीय वायुसेना के लिए कोई नई या क्रांतिकारी क्षमता नहीं हैं, बल्कि यह लंबे समय से मौजूद क्षमताओं के विस्तार का हिस्सा हैं। वायुसेना में ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की संख्या, प्रकार और क्षमताएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। हालांकि, उन्होंने अलग से ड्रोन फोर्स बनाए जाने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन और अन्य हथियार प्रणालियों को अलग-अलग काम करने के बजाए एक साथ इस्तेमाल करना ज्यादा प्रभावी होगा। ड्रोन को मौजूदा व्यवस्था का हिस्सा बनाकर दूसरे हथियारों और प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। वायुसेना में पहले से ऐसी क्षमताओं के लिए विशेष इकाइयां मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है।

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को सराहा

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने फ्लाईदुबई के कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि स्मित ने जिस तरह की हिम्मत दिखाई, वह बेहद खास है और हर भारतीय को उन पर गर्व है। एपी सिंह ने कहा कि कैप्टन मच्छार ने मुश्किल हालात में शारीरिक और मानसिक मजबूती का शानदार परिचय दिया। उन्होंने जिस साहस के साथ स्थिति का सामना किया, वह दूसरों के लिए भी सीख है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि संकट के समय धैर्य बनाए रखना और सही फैसला लेना बेहद जरूरी होता है। कैप्टन मच्छार ने अपने साहस और दृढ़ता से यह साबित किया कि कठिन परिस्थितियों में हिम्मत और सूझबूझ कितनी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि कैप्टन मच्छार की कार्रवाई से देश के लोगों को प्रेरणा मिलती है।

थिएटर कमांड पर साफ रुख

थिएटर कमांड के मुद्दे पर एयर चीफ ने स्पष्ट किया कि भारतीय वायु सेना इसके खिलाफ नहीं है। लेकिन संरचना और क्रियान्वयन के क्रम को सावधानी से जांचना जरूरी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिले प्रत्यक्ष अनुभवों ने चर्चा की दिशा बदल दी है। अब नए चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के गठन के बाद इस मुद्दे पर फिर से विचार होगा। यह भी देखा जाएगा कि इसे एक साथ लागू करें या चरणबद्ध तरीके से। सैन्य नेतृत्व विकल्प सरकार के सामने रखेगा। उद्देश्य यह होना चाहिए कि संरचना ऑपरेशनल दृष्टि से प्रभावी साबित हो।

रूस के सु-57 ऑफर पर कोई फैसला नहीं

उन्होंने कहा कि रूस के सु-57 ऑफर पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। एचएएल हर साल 24 से अधिक विमान बनाने की दिशा में काम कर रहा है। एमआरएफए कॉन्ट्रैक्ट पूरा होने पर आवश्यक इंडक्शन रेट हासिल करने में मदद मिलेगी। कम संख्या के बावजूद वायु सेना अपनी ऑपरेशनल क्षमता को लेकर सहज है क्योंकि खरीद प्रक्रिया चल रही है। पाकिस्तान और चीन के बीच पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों पर सहयोग को एयर चीफ ने चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि पाक इन प्लेटफॉर्म से पूरा फायदा नहीं उठा पा रहा क्योंकि इन्हें अपनी समग्र युद्ध प्रणाली में अच्छी तरह एकीकृत नहीं कर पाया है। सिर्फ विमान नहीं बल्कि पूरे नेटवर्क में उसका समन्वय ही उसकी प्रभावशीलता तय करता है।

पूरे देश का प्रयास जरूरी

एपी सिंह ने कहा कि बड़े विमानन कार्यक्रमों को समय पर पूरा करने और उनकी परिचालन क्षमता सुनिश्चित करने के लिए 'पूरे देश के प्रयास' वाला दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रमुख विमान कार्यक्रमों में समय पर डिलीवरी और परिचालन क्षमता हासिल करना महत्वपूर्ण है।

हरिभूमि के सवाल के जवाब में बोले वायुसेनाप्रमुख

शहीद विंग कमांडर सिन्हा की पत्नी संग खड़ी वायुसेना, 13 साल बाद फिर से पहनेंगी स्क्वाड्रन लीडर की यूनिफार्म



कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

24 दिसंबर 2021 का वो दिन जब भारतीय वायुसेना की पूर्व अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर प्रियंका सक्सेना के मानो पैरों तले जमीन खिसक गई थी। कारण, उनके पति और वायुसेना के एक फाइटर पायलट (मिग-21 बाइसन) विंग कमांडर हर्षित सिन्हा की जैसलमेर एयरफील्ड के पास हादसे में हुई दुखद मृत्यु थी।

जिसके बाद से प्रियंका लगातार वायुसेना में फिर से शामिल होने की कानूनी लड़ाई लड़ रही थी। लगभग सप्ताहभर पहले सर्वोच्च न्यायालय ने उनके हक में फैसला सुनाया और अब खुद वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने भी उनकी वायुसेना में पुनः तैनाती पर अपनी मुहर लगा दी है। देश में 8 अक्टूबर को मनाए जाने वाले 94वें वायुसेनादिवस के पूर्व में शनिवार को राजधानी में आयोजित किए गए वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में हरिभूमि ने इस विशेष मामले को लेकर वायुसेनाप्रमुख से एक सवाल पूछा था। जिसके जवाब में उन्होंने शीर्ष अदालत के फैसले को अक्षरशः लागू करने की बात कही है।

एसएससी रूट से तैनाती सेवा का होगा 11वां वर्ष

वायुसेनाप्रमुख ने कहा कि सर्वोच्च अदालत का इस मामले पर फैसला आ चुका है। जिसका हम पूरी तरह से पालन करेंगे। इतना ही नहीं हमने इसकी शुरुआत भी कर दी है और प्रियंका सक्सेना को वायुसेना में फिर से शामिल होने के लिए जरूरी प्रशिक्षण का आगाज करने के लिए कहा है। इस प्रक्रिया में उनकी मेडिकल, शारीरिक तंदरुस्तीऔर एक सैनिक के रूप में जरूरी जांच शामिल रहेगी। वायुसेना में उन्हें बतौर स्क्वाड्रन लीडर के रूप में ही शामिल किया जाएगा। उनकी सेवा को 11वें वर्ष से शुरू हुआ माना जाएगा। अब प्रियंका के पास भविष्य में वायुसेना में सेवा विस्तार या स्थायी कमीशन पाने का विकल्प भी खुल गया है। बता दें, प्रियंका सक्सेना 2003 में वायुसेना की रसद शाखा में एसएससी अधिकारी के रूप में शामिल हुई थी। उन्होंने 10 साल का कार्यकाल पूरा किया था।

अलग खबर

ओहियो राज्य द्वारा घोषित हिंदू विरासत माह की शुरुआत पर हुई घटना

श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला खिड़कियां टूटीं, जांच में जुटी एजेंसियां

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के ओहायो में श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने 'एक्स' पर घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा। एचएएफ ने बताया कि यह अपमानजनक हमला महात्मा गांधी की जयंती और ओहियो राज्य द्वारा घोषित हिंदू विरासत माह की शुरुआत पर हुआ है।


मंदिर के अंदर का क्षतिग्रस्त हिस्सा

आरोपियों को पकड़ने की अपील

एचएएफ ने बताया कि घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज उपलब्ध है और अधिकारी उसकी समीक्षा कर रहे हैं। मामले की जानकारी एफबीआई और नागरिक अधिकार अधिकारियों को भी दी जा रही है। एचएएफ ने बताया कि वह मंदिर के नेतृत्व के संपर्क में है।

मंदिर में पुजारी और श्रद्धालु मौजूद थे

कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका के मुताबिक, ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में स्थित मंदिर पर ईंटें फेंकी गईं, जिससे उसकी खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय मंदिर के अंदर पुजारी और श्रद्धालु मौजूद थे। संगठन ने रिचमंड हाइट्स की मेयर किम थॉमस और स्थानीय प्रशासन से घटना की निंदा करने की मांग की है।

बांग्लादेश के हिंदू मंदिर में तोड़फोड़

ढाका। बांग्लादेश के टंगाइल जिले में दुर्गा पूजा से पहले हिंदू मंदिर में तैयार की जा रही 7 प्रतिमाओं में अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ कर दी। यह घटना बुधवार रात से गुरुवार सुबह के बीच मिर्जापुर उपजिला के जमुरकी पश्चिमपाड़ा स्थित मंदिर में हुई। मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक, मंदिर में करीब 85 साल से जमुरकी आर्य समिति की देखरेख में दुर्गा पूजा आयोजित की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिन 7 प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया गया, उनमें मुख्य दुर्गा प्रतिमा भी शामिल थी।

ड्रग कार्टेल के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी

नवप्रीत सिंह का तुर्किए से प्रत्यर्पण सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बताया कि भारत सरकार ने कथित नार्को-ट्रैफिकिंग सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्किए से भारत वापस लाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि नवप्रीत सिंह के खिलाफ ड्रग्स की तस्करी और अन्य आपराधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इसे मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए इस कार्रवाई में शामिल सभी एजेंसियों को बधाई दी।

अमित शाह ने 'एक्स' पर कहा कि नवप्रीत सिंह ने 'नवाब विर्क' की कथित फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर तुर्किए की नागरिकता हासिल की थी। इसके बावजूद वह अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथामफेटामाइन की कथित तस्करी में सक्रिय रहा। शाह के मुताबिक, भारतीय एजेंसियों ने नवप्रीत सिंह का पता लगाया और उसकी वास्तविक पहचान का खुलासा किया। इसके बाद उसे तुर्किए से डिपोर्ट कराया गया और शनिवार को भारत वापस लाया गया।


केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नशे की तस्करी को खत्म करके रहेंगे

शाह ने कहा कि मोदी सरकार दिसंबर 2029 से पहले हर ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवप्रीत सिंह को भारत लाने की कार्रवाई में शामिल सभी एजेंसियों की सराहना की और इसे नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण सफलता बताया। इससे पहले अप्रैल में दाऊद इब्राहिम के करीबी मोहम्मद सलीम डोला को भी तुर्किए से भारत वापस लाया गया था।

रूसी सेना में अवैध रूप से भारतीय नागरिकों की भर्ती पर सरकार सख्त

भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में प्रमुखता से उठा मुद्दा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती का मुद्दा भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में प्रमुखता से उठा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया कि रूसी सेना में शामिल भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए रूसी अधिकारियों से लगातार बातचीत चल रही है और इस मुद्दे को उच्च स्तर पर भी उठाया गया है। अब तक करीब 140 भारतीय नागरिकों को रूसी सेना से मुक्त कराया जा चुका है।

140 नागरिकों की हुई घर वापसी 55 को वापस लाने के प्रयास तेज


विदेश मंत्री जयशंकर भारत-रूस सलाहकार संसदीय समिति की बैठक के सदस्यों के साथ

नॉर्दर्न सी रूट तक पर बात

बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ाने वाले कई अहम प्रोजेक्ट भी बैठक के एजेंडे में रहे। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर, इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) और नॉर्दर्न सी रूट को लेकर दोनों पक्षों ने चर्चा की।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें जारी

भारत-रूस सलाहकार समिति की बैठक में यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने और शांति बहाल करने की दिशा में भारत की हालिया कोशिशों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जयशंकर ने पीएम नरेंद्र मोदी की बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान पीएम मोदी ने साफ कहा था कि अब अंतहीन युद्ध का दौर खत्म होना चाहिए और युद्ध की जगह शांति की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है।

कारोबार बढ़ाने के लिए 7 क्षेत्रों पर नजर

बैठक में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे कई क्षेत्रों में हमारे बहुआयामी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि व्यापार और निवेश के मुद्दे पर दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना साझा लक्ष्य है।

अलग स्त्रोतों से जारी रखेंगे ऊर्जा आपूर्ति

वहीं, ऊर्जा सहयोग पर भारत ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। इसके लिए भारत कई अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति बनाए रखने के पक्ष में है। यानी किसी एक देश या एक स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय आपूर्ति के कई विकल्प खुले रखना भारत की नीति का हिस्सा है।

अधिकारियों की निरंतर सहायता के लिए आभार व्यक्त किया

होर्मुज में ओमान के पास टैंकर पर हमला, 5 भारतीय सुरक्षित


एआई इमेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओमान में भारत के दूतावास ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के पूर्व में करीब चार समुद्री मील दूर कुवैत के झंडे वाले एक कच्चे तेल के टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ। इस हमले के बाद पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित किनारे स्थानांतरित कर दिया गया। दूतावास ने कहा कि उसने एमटी काजीमाह तीन नामक टैंकर पर सवार पांच भारतीय नागरिकों के बचाव कार्य का समन्वय किया। दूतावास ने बचाव अभियान के दौरान ओमान के अधिकारियों की निरंतर सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। घटना की जांच शुरू कर दी गई है। समुद्री जहाज ट्रैकर के अनुसार, एमटी काजीमाह तीन कुवैत के झंडे वाला एक कच्चा तेल टैंकर है। यह टोगो के लोमे बंदरगाह की ओर जा रहा था। भारत फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर भारतीय नाविकों की सुरक्षा की निगरानी कर रहा है।

वैस्कुलर और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सम्मेलन में देशभर से आए विशेषज्ञों ने किया मंथन

रेडियोलॉजी सम्मेलन में बोले विशेषज्ञः अब बिना चीर-फाड़ के एक छोटी-सी सुई से हो सकेगा सिर से पैर तक का इलाज



सम्मेलन में मौजूद विशेषज्ञ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रेडियोलॉजी के क्षेत्र में हो रही आधुनिक तकनीकों की प्रगति ने चिकित्सा जगत को पूरी तरह बदल दिया है। अब मरीजों को बड़े ऑपरेशनों या चीर-फाड़ से नहीं गुजरना पड़ेगा, बल्कि महज एक छोटी सी सुई की मदद से सिर से लेकर पैर तक की गंभीर से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो सकेगा। यह जानकारी राजधानी में पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय वैस्कुलर और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सम्मेलन में डॉ अमन कुमार ने दी। डॉ अमन ने कहा कि रेडियोलॉजी की आधुनिक तकनीक चिकित्सा विज्ञान में मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जिससे इलाज अब और अधिक सुरक्षित, सटीक और कम तनावपूर्ण हो गया है। बतादें कि मस्तिष्क विकारों को दूर करने के लिए राजधानी में पहली बार दो दिवसीय राज्य स्तरीय इंटरनेशनल रेडियोलोजी सम्मेलन हो रहा है। समिति के मीडिया प्रभारी आईके चुघ ने बताया कि सम्मेलन में मस्तिष्क की नसों में आने वाली समस्याओं को बिना ऑपरेशन कैसे दूर किया जाएं, इस पर मप्र समेत देशभर से आए विशेषज्ञ मंथन कर रहे है। इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी द्वारा यह कांफ्रेंस की जा रही है।

रेडियोलॉजी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों की प्रगति ने चिकित्सा जगत को पूरी तरह बदल दिया है

अब मरीजों को बड़े ऑपरेशनों या चीर-फाड़ से नहीं गुजरना पड़ेगा, बल्कि महज एक छोटी सी सुई की मदद से सिर से लेकर पैर तक की गंभीर से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो सकेगा



सम्मेलन में उद्बोधन देते विशेषज्ञ।

बिना चीर-फाड़ के इलाजः डॉ. अगम्या सक्सेना



डॉ. अगम्या सक्सेना।

सटीक इमेजिंग के कारण डॉक्टर इलाज के दौरान एक्स-रे, सीटी स्कैन, या अल्ट्रासाउंड जैसी लाइव इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करते हैं। स्क्रीन पर देखते हुए एक बेहद पतली सुई या कैथेटर को शरीर के प्रभावित हिस्से या नस तक पहुंचाया जाता है। इसी सुई के जरिए सीधे ट्यूमर, क्लॉट, या ब्लॉक नस का इलाज कर दिया जाता है, जिससे बड़े कट लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें बहुत छोटा सा चीरा या सिर्फ सुई का छेद होता है, जिससे दर्द और खून का बहना न के बराबर होता है।

इंफेक्शन का खतरा बेहद कम, जल्द रिकवरः डॉ. अमन कुमार



डॉ. अमन कुमार।

रेडियोलॉजी की नवीन तकनीक से अधिकांश मामलों में मरीज को उसी दिन या अगले दिन अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है। मरीज बहुत जल्दी सामान्य जीवन में लौट आता है और टांके टूटने या इन्फेक्शन का खतरा बेहद कम होता है। अधिकांश प्रक्रियाएं मरीज को पूरी तरह बेहोश किए बिना ही पूरी कर ली जाती हैं। कैंसर और ट्यूमर में बिना ओपन सर्जरी के ट्यूमर को सुई के जरिए गर्मी देकर नष्ट करना या कैंसर की कोशिकाओं तक सीधे कीमोथेरेपी पहुंचाना, हार्ट और नसों के ब्लॉक में एंजियोप्लास्टी के जरिए ब्लॉक नसों को खोलना, दिमाग की नसों में फंसे खून के थक्के को सुई जैसी पतली ट्यूब से बाहर निकालना सहित कई गंभीर बीमारिया में रेडियालॉजी तकनीक बेहद कारगर साबित हो रही है।

खबर संक्षेप



पांच नंबर तालाब परिसर की साफ-सफाई की

भोपाल। सत्य साईं सेवा संगठन जिला भोपाल की पिपलानी समिति एवं शांतिवन समिति ने पांच नंबर स्थित तालाब एवं उसके अंदर परिसर स्थित मंदिर की सफाई का कार्य हाथ में लिया है। साथ ही इस एरिया को स्वच्छ करने का संकल्प भी लिया है। संगठन के सेवादल द्वारा 2 अक्टूबर से प्रतिदिन एक घंटे का श्रमदान किया जा रहा है। यह कार्य 18 दिन चलेगा। ज्ञात है कि 20 अक्टूबर सत्य साईं बाबा का अवतार घोषणा दिवस है। इस दिन बाबा के सेवादल द्वारा इस वृहद सफाई अभियान को पूर्ण कर अपनी सेवा उनके चरणों में अर्पित की जाएगी। 12 पुरुष एवं 2 महिला सेवादल द्वारा इस तालाब के पानी में डाले गए कचरे, प्लास्टिक, फूल माला आदि को निकाला गया, जिससे जलीय जंतुओं के जीवन को एक नया रूप देने का प्रयास किया गया। शनिवार को लगभग 1 गाड़ी कचरा निकला, जिसे नगर निगम की गाड़ियों के सहयोग से निष्पादित भी किया गया। इस अवसर पर चित्रा पमनानी, शैलजा जैन, विनोद गुप्ता, अमित जैन आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रमोद सिंह ठाकुर को नरेला की सौंपी कमान



भोपाल। महानगर भोजपुरी समाज, भोपाल ने संगठन को विधानसभा स्तर तक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रमोद सिंह ठाकुर को नरेला विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष मनोनीत किया है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद समाजजनों और पदाधिकारियों ने ठाकुर को शुभकामनाएं दीं। प्रमोद को नरेला विस की जिम्मेदारी मिलने के बाद अब क्षेत्र में रहने वाले भोजपुरी समाज के लोगों को संगठन से जोड़ने, उनकी समस्याओं को सामने लाने और सामाजिक गतिविधियों को विस्तार देने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी।

16 गांठ वाले गड़ा बनाकर लक्ष्मीजी को चढ़ाए गए, माता महालक्ष्मी को सुनाई गई पोथी

हाथी पूजन पर सुहागन महिलाओं ने की महालक्ष्मी की पूजा और रखा उपवास



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शनिवार को महालक्ष्मी पूजन हुआ। स्थिर लक्ष्मी और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं ने व्रत रखा और शाम के समय, मिट्टी से बने हाथी का पूजन किया। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि परंपरा अनुसार हाथी पर विराजमान मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। कमल के पुष्प अर्पित किए गए। विविध प्रकार के पकवान भी अर्पित किए। गुजिया, खुरमा, बाती का भोग लगाया गया। मान्यता अनुसार हाथी के पेट में इनको रखा गया। चढ़ाए भी गए।

महालक्ष्मी की पोथी सुनाई गई। 16 गांठ वाले गड़ा बनाकर, लक्ष्मीजी को चढ़ाए गए। गड़ा का पूजन भी हुआ। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है, सुख, सौभाग्य एवं स्थिर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।



पूजन करती हुई महिलाएं।

आटे से बनाए गए दीपकों से की आरती

बरखेड़ी स्थित जय मां कालका दरबार में महालक्ष्मी व्रत के अवसर पर महिलाओं ने विधि-विधान से महालक्ष्मी का पूजन किया। सुबह नदी में स्नान के बाद महिलाओं ने व्रत धारण कर मिट्टी के हाथी बनाकर उनकी पूजा-अर्चना की। पूजन के दौरान आटे से बनाए गए दीपकों से महालक्ष्मी की आरती की गई। महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के मीठे-नमकीन पकवानों का भोग लगाकर भजन-कीर्तन किया और सामूहिक रूप से महाआरती की। पूजन के बाद मिट्टी के हाथियों का विधि-विधान से विसर्जन किया गया।

....लाल के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत



शीतलदास की बगिया में हुई पूजा-अर्चना।

पुत्र के दीर्घायु की कामना को लेकर रखे जाने वाले जीवित्पुत्रिका व्रत का पर्व हर्षोल्लास पूर्ण ढंग से मनाया गया। भोजपुरी समाज की महिलाओं ने निर्जला व्रत रह कर अपने पुत्रों की लंबी आयु की कामना की। शाम को शीतलदास की बगिया,कमला स्थित गंगा छठ घाट व खटला पूरा घाट में स्नान-ध्यान कर मंदिरों में कथा का श्रवण किया। इस दौरान भोजपुरी समाज की महिला व समाजन ने स्वच्छता का संकल्प लिया। मौके पर मंदिरों में पूजन आदि को लेकर जबर्दस्त भीड़ रही। शनिवार सुबह करीब 4 बजे व्रतधारी महिलाओं ने दही-चूड़ा ग्रहण किया। 24 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया। इस दौरान महिलाएं संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना के साथ बिना अन्न और जल के व्रत रख रही हैं। व्रतधारी महिलाओं ने स्नान के बाद सात्विक भोजन तैयार किया। पारंपरिक भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। जितिया व्रत की परंपरा के तहत भोजन में नोनी का साग, मडुआ के आटे की रोटी और तरोई की सब्जी बनाई गई।



शीतलदास की बगिया में पूजा करती श्रद्धालु।

खटलापुरा घाट पर हुई जिउतिया पूजा, आज होगा पारण

संतान की दीर्घायु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना से भोजपुरी समाज द्वारा मनाया जाने वाला जीवित्पुत्रिका (जीउतिया) व्रत के अवसर पर माताएं निर्जला उपवास रखकर पूजा-अर्चना की। शाम में खटलापुरा घाट पर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर महिलाओं ने भगवान जीमूतवाहन की पूजा की और व्रत कथा का श्रवण किया।

स्टार्टअप्स का अनुगा एक्सपो में विजिट

खाद्य एवं पेय उद्योग में बदलते बाजार की सीखी बारीकियां



विजिट में मप्र के कई जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई मिनिस्ट्री) की वर्ल्ड बैंक समर्थित रैम्प (रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) योजना के अंतर्गत मप्र के 21 जिलों के 46 एमएसएमईज एवं स्टार्टअप्स के प्रतिनिधियों ने 1 अक्टूबर को मुंबई में आयोजित अनुगा एक्सपो 2026 का एक्सपोजर विजिट की। अनुगा एक्सपो 2026 का आयोजन मुंबई में 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया गया। इस विजिट में देवास, इंदौर, जबलपुर, आगर मालवा, शहडोल, दमोह, भोपाल, धार, बड़वानी, उज्जैन, बैतूल, राजगढ़, रतलाम, विदिशा, नीमच, रायसेन, झाबुआ, नर्मदापुरम, खरगोन, सीहोर एवं सतना जिलों के एमएसएमईज एवं स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि शामिल हुए।

इस विजिट का आयोजन मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (एमपीएलयूएन), डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (डीओएमएसएमई), गवर्नमेंट ऑफ मध्य प्रदेश द्वारा रैम्प योजना के अंतर्गत किया गया। एक्सपोजर विजिट के दौरान प्रदेश के उद्यमियों को खाद्य एवं पेय उद्योग में हो रहे नवीनतम तकनीकी विकास, आधुनिक उत्पादन प्रक्रियाओं, उत्पाद नवाचार, पैकेजिंग एवं प्रोसेसिंग तकनीकों तथा बदलती बाजार आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

तकनीकों का किया अवलोकन

विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पादों, खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों, पैकेजिंग समाधानों, प्रोसेसिंग एवं प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी, गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित समाधानों तथा अन्य आधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया गया। प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शनी में उपस्थित उद्योग प्रतिनिधियों, निर्माताओं, के साथ संवाद स्थापित कर नवीनतम तकनीकों एवं बाजार में उपलब्ध समाधानों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। रैम्प योजना के उद्देश्यों के अनुरूप इस प्रकार की एक्सपोजर विजिट प्रदेश के एमएसएमईज एवं स्टार्टअप्स को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उद्योग जगत के नवीनतम विकास से जोड़ने में सहायक होंगी।

गायों के लिए आज आयोजित होगा विशाल भंडारा

भोपाल। हलाली डैम स्थित बृजमोहन रामकली गौ- संरक्षण केंद्र में श्राद्ध पक्ष के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी विशेष गौ- भंडारा रविवार 4 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। केंद्र के अध्यक्ष प्रहलाद दास मंगल एवं सचिव प्रमोद नेमा ने बताया इस अनूठे भंडारे में गौशाला में रह रही लगभग 1600 वृद्ध अपाहिज एवं अन्य गायों को खीर पुरी और गुड़ परोसा जाएगा। 17 वर्ष पूर्व स्वर्गीय श्रृंगार भाई नेमा द्वारा श्राद्ध पक्ष में प्रारंभ किया किया गया। गौ-ग्रास का यह अनूठा भंडारा न केवल धार्मिक परंपरा को जीवित रखना है। बल्कि आम लोगों तथा समाज में गौ सेवा की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर गौशाला में कार्यरत गोपालों का सम्मान किया जाएगा। यहां बने शिवालय में श्रृंगार गौ- पूजन, महाआरती एवं महाप्रसादी का वितरण होगी।

निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग और मारपीट का मामला

इंजीनियरिंग कॉलेज पर एफआईआर दर्ज कराने कलेक्टर व डीआईजी से मिलेंगे छात्र के परिजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बिलखिरिया स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में एक छात्र से साथ सीनियर छात्रों द्वारा रेगिंग लेने के साथ मारपीट करने का मामला तूल पकड़ गया है। इंजीनियरिंग कॉलेज पर एफआईआर नहीं होने से नाराज परिजन कांग्रेस नेताओं के साथ कलेक्टर और डीआईजी से शिकायत कर मामला दर्ज करने की मांग करेंगे। कोलार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि मित्र बलराज सिंह का 19 वर्षीय बेटा उदयवीर सिंह एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज से पढ़ाई कर रहा है। उदयवीर के साथ कॉलेज में पढ़ने वाले सीनियर छात्रों ने रेगिंग लेने के साथ जमकर मारपीट की। उदयवीर सिर पर गंभीर चोटे आने के साथ आठ से दस टांके भी आए है। इसके बाद भी पुलिस ने अब तक ना तो सीनियर छात्रों पर कोई मामला दर्ज किया और ना ही कॉलेज प्रबंधन पर।

अस्पताल के डॉक्टरों ने छात्र को भर्ती करने से किया मना

राहुल सिंह राठौर ने बताया कि छात्र का इलाज करने वाले लक्ष्मी हॉस्पिटल पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। क्योंकि अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज कराने के बाद भी छात्र को भर्ती करने से मना किया। जबकि छात्र से सिर से लगातार ब्लड बह रहा था। इतना ही नहीं अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को भी सूचना नहीं दी। सोमवार को कॉलेज और हॉस्पिटल पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर छात्र के परिजनों के साथ कांग्रेस नेता कलेक्टर-डीआईजी से मिलेंगे।

सेवा और संवेदना का दिया विशेष परिचय

कुष्ठ आश्रम में 52 निवासियों को वितरित कीं रजाई और चादरें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गांधी जयंती पर यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन (यूएमए) ने गांधी नगर स्थित महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम के 52 निवासियों को रजाई एवं चादरें वितरित कर सेवा और संवेदना का परिचय दिया। आश्रम की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यूएमए ने यह पहल की। संस्था के सदस्यों ने आश्रम पहुंचकर आवश्यक सामग्री वितरित की और वहां के निवासियों के साथ आत्मीय संवाद कर उनके साथ कुछ समय बिताया। इस दौरान सेवा के साथ अपनत्व और मानवीय संवेदना का भाव भी देखने को मिला। महात्मा गांधी के मानवता, करुणा और सेवा के आदर्शों को समर्पित इस पहल ने गांधी जयंती के संदेश को सार्थक रूप प्रदान किया। जरूरतमंदों के साथ समय बिताना और उनकी आवश्यकताओं में सहभागी बनना यूएमए की सामाजिक प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।



आलमी इज्तिमा को कामयाब बनाने उलेमा ने रखी अपनी बात

बंदों से बोले मौलाना सआद, अल्लाह की रस्सी मजबूती से थामों

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दिसंबर माह में ईटखेड़ी के घासीपुरा में होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा में इंतजाम और कामयाबी को लेकर दो दिवसीय जोड़ की शुरुआत की गई, जिसमें उलेमा ने अपनी बात रखी। मगरिब की नमाज के बाद तब्लीगी जमात के जिम्मेदारी दिल्ली से आए मौलाना सआद ने कहा कि अल्लाह की रस्सी को मजबूती से थाम लो, दुनिया में भय और खौफ का माहौल इसलिए है, क्योंकि लोगों का अल्लाह से रिश्ता कमजोर हुआ है। अल्लाह की रस्सी मजबूती से थामने वाले को किसी का डर नहीं होता। इंसान अपने आमाल अल्लाह को राजी करने वाले बना ले तो उसे हर किसी को खुश रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।



दुनिया के काम के साथ आखिरत की तैयारी जरूरी

मौलाना सआद ने कहा कि इंसान दुनिया की जरूरतों और कामों को पूरा करने में लगा रहता है, लेकिन दुनिया में आने का असल मकसद आखिरत की जिंदगी की तैयारी करना है। दीन की राह में घर के ऐश-ओ-आराम छोड़कर निकलना सीखना और सिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अल्लाह की राह में निकलने से इंसान अपनी कमियों और गलतियों को सुधारने की कोशिश करता है। इससे दीन पर चलना आसान होता है।

सिर्फ चार महीने की जमात में वक्त लगाने वाले शामिल

ताजुल मसाजिद में 2 अक्टूबर से चल रहे इस जोड़ में मुख्य रूप से उन जमातों को शामिल किया गया है, जिन्होंने चार महीने का वक्त अल्लाह की राह में लगाया है। ऐसे लोग भी इसमें शामिल हैं, जो अपनी जिंदगी में पहले चार महीने का वक्त लगा चुके हैं। इसके अलावा भविष्य में चार महीने की जमात में जाने का इरादा रखने वाले लोगों को भी जोड़ा गया है।

वलसाड-दानापुर के 8 फेरे बढ़े, जबलपुर समेत कई स्टेशनों पर समय बदला



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आगामी त्यौहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने वलसाड-दानापुर-वलसाड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की संचालन अवधि बढ़ा दी है। गाड़ी संख्या 09025/09026 वलसाड-दानापुर-वलसाड स्पेशल के दोनों दिशाओं में 8-8 फेरे बढ़ाए गए हैं। ट्रेन संशोधित समय-सारणी के अनुसार चलेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए चलथान और बारडोली स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव भी दिया गया है।

गाड़ी संख्या 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल 5 अक्टूबर से 23 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार वलसाड से सुबह 8:40 बजे रवाना होगी। ट्रेन इटारसी रात 8 बजे, जबलपुर रात 11:40 बजे, कटनी अगले दिन रात 1:05 बजे और सतना रात 2:20 बजे पहुंचेगी। इसके बाद निर्धारित मार्ग से होते हुए दोपहर 12 बजे दानापुर पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 09026 दानापुर-वलसाड स्पेशल 6 अक्टूबर से 24 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार दानापुर से दोपहर 1:30 बजे रवाना होगी।

20 कोच की होगी स्पेशल ट्रेन

ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे। इनमें 1 एसी सेकंड, 3 एसी थर्ड, 12 स्लीपर, 2 सामान्य श्रेणी और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं। दोनों दिशाओं में ट्रेन भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, धरनगांव, पालधी, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

खबर संक्षेप

मॉडल स्कूल के छात्रों ने जीते चार गोल्ड मेडल



भोपाल। मॉडल स्कूल के छात्रों ने संभाग स्तरीय गतका प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल्ड मेडल अपने नाम किए हैं। अब ये चारों छात्र 4 अक्टूबर से जबलपुर में आयोजित होने वाली 70वीं राज्य स्तरीय शालेय गतका खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। अंडर-19 बालिका वर्ग में रिया शर्मा, उजाला एवं निकिता तथा अंडर-19 बालक वर्ग में सुरजीत सिंह ने अपने-अपने इवेंट में स्वर्ण पदक जीता है।इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. ममता दीक्षित, खेल अधिकारी दीवान चंद्र मौली एवं समस्त स्टाफ ने छात्रों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

कृष्ण, पूर्वा का रग्बी प्रतियोगिता में चयन



औबेदुल्लागंज। मॉडर्न स्कूल के दो खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता पर चयन मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल के दो प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय - 14 बालक एवं अंडर-19 बालिका का रग्बी प्रतियोगिता के लिए हुआ। यह प्रतियोगिता इंदौर में 5 से 10 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। कक्षा 9 से कृष्ण यादव का चयन अंडर-14 बालक वर्ग में तथा कक्षा 12वीं से पूर्वा परमार का चयन अंडर-19 बालिका वर्ग में हुआ है। इस शानदार उपलब्धि पर मॉडर्न कारमेट स्कूल में हर्ष का माहौल है। खिलाड़ियों के चयन पर स्कूल के डायरेक्टर फूल सिंह राजपूत, प्रिंसिपल विशाखा शर्मा, उप प्राचार्य एम.के मिश्रा एडमिनिस्ट्रेटर पंकज दुबे. खेल प्रभारी(कोच) नरेंद्र सेन ने शुभकामनाएं दी है।

करोंद चौराहे पर शुक्रवार रात हुआ सड़क हादसा

देर रात मिक्सर ट्रक ने मजदूर को मारी टक्कर, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद चौराहा पर शुक्रवार रात मिक्सर ट्रक ने पैदल जा रहे मजदूर को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मजदूर सड़क पर गिर गया था। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आई है। उसे राहगीरों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। वहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मिक्सर ट्रक के चालक पर मामला दर्ज कर ट्रक जब्त कर लिया है।



सिर, दाहिने कान, दाहिने हाथ की कलाई में गंभीर चोट

पुलिस के अनुसार राम सिंह अहिरवार (35) करोंद में रहता है और मजदूरी करता है। शुक्रवार रात करीब सवा 8 बजे के आसपास वह करोंद चौराहा पर था। इसी दौरान तेज रफ्तार मिक्सर ने तेजी और लापरवाहीपूर्वक ट्रक चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक का चालक रुका नहीं, बल्कि ट्रक लेकर चला गया। इधर हादसे में राम सिंह अहिरवार को सिर, दाहिने कान, दाहिने हाथ की कलाई में गंभीर चोट आई है। खून काफी बह जाने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। राहगीर नीरज साहू ने पुलिस को बताया कि ट्रक भानपुर की तरफ से आ रहा था। नीरज ने ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर पुलिस को दिया था। पुलिस ने रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर ट्रक जब्त कर लिया है।



चाइनीज मांझे से पुलिस कांस्टेबल का गला कटा

श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी रोड पॉलिटेक्निक चौराहा के पास की घटना

चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध के बाद भी राजधानी में बिना रोक टोक चाइनीज मांझा बेचा रहा है। इसका खामियाजा तलैया थाने में पदस्थ एक कांस्टेबल को भुगतना पड़ा। कांस्टेबल शुक्रवार शाम तलैया थाने से नेहरू नगर बाइक से जा रहा था, तभी श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी रोड पर पॉलिटेक्निक चौराहा से कुछ दूरी पर चाइनीज मांझे गले में आकर फंस गया। इससे कांस्टेबल का गला बुरी तरह से कटा है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल रवि शिल्पी (40) फ्लैट नं. 401 चौथा फ्लोर बेंकटेश गोल्डन विंग विल्डिंग नियर अलंकार हाइट करोंद भोपाल में रहते हैं और मध्य प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल है। इन दिनों उनकी पोस्टिंग तलैया थाने में है। कांस्टेबल रवि शिल्पी ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब पौने पांच बजे वह तलैया थाने से नेहरु नगर की तरफ अपनी बाइक से जा रहे थे। वह स्मार्ट सिटी रोड पॉलिटेक्निक चौराहा से थोड़े आगे पहुंचे थे, तभी एक पतंग का चाइनीज मांझा उनके गले मे आकर अटक गया जिससे मेरा गला कट गया। उनके गले में चाइनीज मांझे से गंभीर चोट आई है। राहगीरों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, वहां उनका इलाज चल रहा है।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित चाय-नाश्ते की दुकान पर वारदात

कुर्सी पर बैठने को लेकर विवाद, रेपिडो चालक पर ऑटो चालक का हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में चाय-नाश्ते की दुकान पर कुर्सी पर बैठने को लेकर हुए विवाद में एक ऑटो चालक ने रेपिडो चालक के साथ मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। हमले में रेपिडो चालक के सिर और हाथ में चोट आई है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शाहपुरा सी सेक्टर निवासी रामराज सिंह (38) रैपिडो चलाता है। रामराज ने पुलिस को बताया कि एक अक्टूबर की रात करीब 10.45 बजे वह बंसल अस्पताल के सामने स्थित सावरिया चाय-नाश्ते की दुकान पर कुर्सी पर बैठा था। इसी दौरान ऑटो चालक नसीम खान वहां पहुंचा और उसे गालियां देने लगा। रामराज ने गाली देने से मना किया तो आरोपी ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद नसीम ने पास में रखी चाकू जैसी धारदार वस्तु उठाकर रामराज के सिर और दाहिने हाथ की हथेली पर वार कर दिया।

रेपिडो चालक के सिर और हाथ में आई चोट केस दर्ज

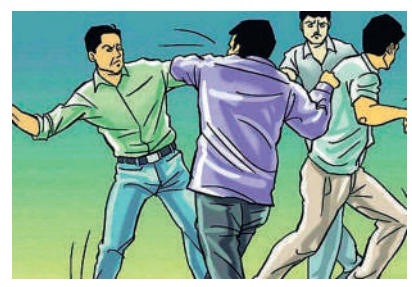

फुटेज खंगाल रही पुलिस

इससे दोनों जगह चोट लगने के साथ खून निकलने लगा। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। फरियादी का आरोप है कि जाते समय आरोपी ने उसे दोबारा विवाद करने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर घटना के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के संबंध में जानकारी जुटाना शुरू कर दी है।

मिसरोद : बदमाश ने साथियों संग युवक पर तलवार से किया हमला

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित जाटखेड़ी में शुक्रवार शाम निगरानी बदमाश ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर युवक से मारपीट कर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। घायल का आरोप है कि आरोपी ने फायरिंग भी की थी। हालांकि युवक को केवल पेट के पास दांई तरफ तलवार की गंभीर चोट हैं। हमले की वजह मुखबिरी के संदेह की बात सामने आई है। दरअसल, आरोपी अवैध शराब बेचता है। पुलिस की टीम ने उसके ठिकाने पर दबिश दी थी। आरोपियों को संदेह था कि युवक ने उसकी मुखबिरी की है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अनिकेत दांडे (26) जाटखेड़ी में रहता है और प्राइवेट काम करता है। शुक्रवार शाम वह मोहल्ले में था। इसी दौरान शेखर राव, राज कुशवाहा, डुग्गा, सोनू और नीलेश दो अलग-अलग दो पहिया वाहनों से पहुंचे। पहुंचते ही आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मारपीट का विरोध करने पर आरोपी शेखर ने तलवार से अनिकेत पर हमला किया था। हमला कमर से थोड़ी ऊपर पेट पर लगा, जिससे उसे गंभीर चोट आई है। अनिकेत का कहना है कि शेखर ने उस पर फायर भी किया था। मारपीट और जानलेवा हमला करने के बाद आरोपी अनिकेत को धमकाते हुए फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल अनिकेत को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

- युवक ने लगाए फायरिंग करने के आरोप

पुलिस ने दी थी दबिश

पुलिस ने बताया कि शेखर राव अवैध शराब बेचता है। शुक्रवार 2 अक्टूबर को ड्राई डे था। शराब की दुकानें बंद होने के कारण पुलिस को अनुमान था कि शेखर जाटखेड़ी में अवैध शराब बेच रहा होगा। लिहाजा पुलिस की टीम चेकिंग करने गई थी। शेखर राव के पास कुछ नहीं मिला। शेखर को संदेह था कि उसकी मुखबिरी अनिकेत ने की है। पुलिस ने बताया कि अनिकेत और शेखर दोनों ही गुंडा लिस्ट में शामिल है।

फर्जी फेसबुक आईडी बनाने के दोषी को एक वर्ष की सजा

भोपाल। युवती की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उस पर उसके फोटो अपलोड करने वाले अभियुक्त हर्ष कुमार तिवारी पुत्र उमाशंकर तिवारी आयु 25 वर्ष निवासी कम्पनी सराय सासाराम रोहतास (बिहार) को अपर सत्र न्यायाधीश विजय कुमार शर्मा ने आईटी एक्ट की धारा-66 ग एवं धारा-66 डी के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास और 1000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक मंजू जैन सिंह द्वारा प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी की गई। अभियोजन के अनुसार पीड़ित युवती ने राज्य साइबर क्राइम सेल में 21 अगस्त 2017 को शिकायत की थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके फोटो का दुरुपयोग करते हुए एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसके फोटो अपलोड कर अश्लील शब्द लिखकर उसे बदनाम किया जा रहा है। पीड़ित युवती ने राज्य साइबर क्राइम सेल से अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। राज्य साइबर क्राइम सेल ने पीड़ित युवती की शिकायत पर अभियुक्त हर्ष कुमार तिवारी पुत्र उमाशंकर तिवारी के विरूद्ध आईटी एक्ट की धारा-66 ग एवं धारा-66 डी के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना अधिकारी ने संपूर्ण विवेचना के पश्चात न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

मंडीदीप सिविल अस्पताल में सेवा सेतु अभियान

स्वास्थ्य शिविर में 942 मरीजों की निःशुल्क जांच और उपचार



हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

सिविल अस्पताल मंडीदीप में शनिवार को 'सेवा सेतु अभियान : सरकार आपके द्वार' के तहत लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में 942 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया गया। शिविर में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, विभिन्न जांच और आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। वहीं 255 लोगों की विशेष नेत्र जांच की गई।

शिविर के दौरान विधायक सुरेंद्र पटवा और एसडीएम ने अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पंजीयन एवं दवा वितरण व्यवस्था के साथ एएनसी कक्ष व वार्ड, एचडीयू-आईसीयू, पीडियाट्रिक वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र, दंत चिकित्सा, नेत्र परीक्षण, मेडिसिन ओपीडी और फिजियोथेरेपी यूनिट का जायजा लिया।

डायबिटीज के मरीजों को दवा वितरित की

एएनसी वार्ड में भर्ती गर्भवती महिलाओं से बातचीत कर उन्हें मिल रहे उपचार और पोषण आहार की जानकारी ली गई। वहीं एचडीयू और आईसीयू में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य, चिकित्सा देखभाल और दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली गई। पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण आहार और वजन बढ़ने की प्रगति भी जानी गई। शिविर में बीपी और डायबिटीज की जांच के साथ मरीजों को नियमित दवा वितरण किया गया। नेत्र जांच के दौरान जरूरत के अनुसार चश्मा और दवा संबंधी परामर्श भी दिया गया। फिजियोथेरेपी यूनिट में मरीजों को उपलब्ध पुनर्वास सुविधाओं और उपकरणों की जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान विधायक पटवा ने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। उन्होंने आयोजन के लिए बीएमओ डॉ. धर्मेंद्र कुमार गौर, सिविल अस्पताल प्रभारी डॉ. शलभ तिवारी को बधाई दी।

सरकारी जमीन की फर्जी रजिस्ट्री पर कलेक्टर सख्त व एफआईआर के निर्देश, अतिक्रमण भी हटेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

वार्ड 4 में शासकीय जमीन पर कथित फर्जी दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री कराने के मामले में अब प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। कलेक्टर रायसेन अरुण विश्वकर्मा ने नगर परिषद सीएमओ किरण राहंगडाले को मामले में थाने में एफआईआर दर्ज कराने और पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, लिस अधीक्षक रायसेन आशुतोष गुप्ता ने भी औबेदुल्लागंज थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार नीलेश सरवटे ने बताया कि कन्या शाला विद्यालय के पीछे तथा वार्ड क्रमांक-4 में हुए अतिक्रमण को शीघ्र हटाया जाएगा।

मंगलवार को प्रशासनिक कार्रवाई के तहत शासकीय जमीन से कब्जा हटाने जेसीबी भी पहुंची। नगर परिषद उपाध्यक्ष सहित भाजपा पार्षदों द्वारा कलेक्टर और सीएमओ को की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वार्ड-4 में वर्षों से खाली पड़ी शासकीय जमीन पर फर्जी कब्जा दर्शाकर पहले नगर परिषद की टैक्स रसीदें बनवाई गईं और बाद में इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री कराई। शिकायतकर्ताओं ने करीब एक दर्जन रजिस्ट्रियों की आशंका जताई है, जिनमें से तीन रजिस्ट्रियां सीएमओ के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की बात कही है।



प्लॉट लेने के आरोप

ज्ञात हो कि जनवरी-फरवरी में हरिभूमि ने औबेदुल्लागंज में शासकीय जमीन पर प्लॉट काटकर बेचने की शिकायतों और आरोपों को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। उस समय यदि प्रशासन ने मामले की गंभीरता से जांच की होती तो स्थिति यहां तक पहुंचने से रोकी जा सकती थी। अब एफआईआर के निर्देश के बाद पूरे मामले की जांच और दस्तावेजों की भूमिका पर नजर रहेगी। शिकायतकर्ताओं ने पूरे प्रकरण में करीब पांच करोड़ रुपए के संभावित लेन-देन की आशंका जताई है। साथ ही एक कॉलोनी में शासकीय जमीन दिए जाने के बदले प्लॉट लेने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच होना बाकी है। अब कलेक्टर के एफआईआर के निर्देश के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि शासकीय जमीन के रिकॉर्ड में कथित हेरफेर कैसे हुआ, टैक्स रसीदें किसके स्तर से जारी हुईं और रजिस्ट्री के लिए दस्तावेजों का इस्तेमाल किसने किया? जांच के बाद ही स्पष्ट जवाब सामने आएगा।

रिकॉर्ड गायब होने से बढ़ा मामला

मामले में सबसे गंभीर सवाल नगर परिषद के रिकॉर्ड को लेकर उठ रहे हैं। शिकायत के बाद जांच में नामांतरण से संबंधित दस्तावेज कार्यालय में नहीं मिलने की बात सामने आई है। आरोप है कि सरकारी जमीन की रजिस्ट्री में जिस टैक्स रसीद और नामांतरण का उल्लेख किया गया, उससे संबंधित मूल रिकॉर्ड नगर परिषद में उपलब्ध नहीं है। नगर परिषद से नामांतरण, बाजार बैठकी, मकान टैक्स और अन्य महत्वपूर्ण फाइलों के गायब होने के आरोप भी सामने आए हैं। शासकीय जमीन से संबंधित रसीदों के रिकॉर्ड को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं, जिनका जांच से जवाब मिलेगा।

श्रीजी की विमान यात्रा एवं क्षमावाणी पर्व का आयोजन

भक्तांबर स्तोत्र के रचयिता महामुनि मांगतुंगाचार्यजी की तपोभूमि भोजपुर में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज भोजपुर भक्तांबर स्तोत्र के रचयिता परम पूज्य महामुनि मांगतुंगाचार्यजी की तपोभूमि एवं समाधि स्थल अतिशय क्षेत्र भोजपुर में पर्युषण पर्व के समापन के पश्चात श्रीजी की विमान यात्रा एवं क्षमावाणी पर्व का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, शांति नगर भोजपुर के अध्यक्ष विमल जैन एवं वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन ने बताया कि प्रातःकाल धार्मिक विधि-विधान के साथ नित्य पूजन, अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात भगवान श्रीजी की भव्य विमान यात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार, आत्मशुद्धि, परस्पर क्षमा, प्रेम और सद्भाव की भावना को और मजबूत करना है। समस्त धार्मिक कार्यक्रम विधानाचार्य पंडित प्रकाश जैन (छोटू भैया), भोपाल एवं मौसम शास्त्री के सान्निध्य में संपन्न हुआ। संगीतकार धर्मवीर ने प्रस्तुतियां दी।





क्षमावाणी पर दिया मैत्री और सद्भाव का संदेश

पर्युषण पर्व के समापन पर आयोजित क्षमावाणी पर्व में श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे से क्षमा याचना करते हुए मिच्छामि दुक्कड़म की पवित्र भावना व्यक्त की। इस अवसर पर परस्पर प्रेम, मैत्री, सद्भाव और आत्मशुद्धि का संदेश दिया गया। श्री शांतिनाथ सकल दिगम्बर जैन समाज भोजपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मनोहर लाल टोंग्या, विमल कुमार जैन (राजदीप), कैलाश जैन, अमिताभ मनियां, महंत पवन गिरी, अशोक जैन, विनोद जैन (आरएनजी), अतुल जैन, आकाश जैन, प्रमोद जैन, सुरेंद्र जैन, विकास जैन, राकेश जैन, मनीष जैन सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हनुमान चालीसा का पाठ करने से मृत्यु भी टल सकती है: बसंत

जांबाज कैप्टन स्मित के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से की कामना, सुनाई शौर्य गाथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

संस्कार विद्यालय में विमान हाईजेक होने से एवं 9/11 जैसे हमले को दोहराने से बचाने वाले जांबाज कैप्टन स्मित के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करने एवं बच्चों को उनकी वीरगाथा सुनाने के लिए एक संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रोजेक्टर के माध्यम से उनकी वीरगाथा को दिखाया गया एवं उनकी मां गीता बहन को भी याद किया, जिसने संस्कारित एवं साहसी बालक को जन्म दिया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कर्नल नारायण पारवानी उपस्थित थे। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि कैप्टन स्मित की वीरगाथा से हम हनुमान चालीसा के महत्व को समझ सकते हैं। इससे यह सिद्ध होता है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से मनुष्य की मृत्यु भी टल सकती है।

स्मित जब दो वर्ष के थे तब से वह मां गीता बहन के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते थे। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी बच्चों को बताया कि ये जो कल विमान हाईजेक करने की जो कोशिश हुई है, उसमें एक को-पायलट ओमान का था जो एक आंतकवादी था, जिसने हमारे भारत के कैप्टन पर कई वार किए और विमान को हाईजेक करने की कोशिश की, लेकिन कैप्टन स्मित ने उसी समय हनुमान चालीसा का पाठ चालू कर दिया और उसी समय भगवान हनुमान उनकी मदद के लिए आ गए और बड़ी ही वीरता से उसने सब सहते हुए विमान को सुरक्षित अपनी जगह पहुंचा दिया।

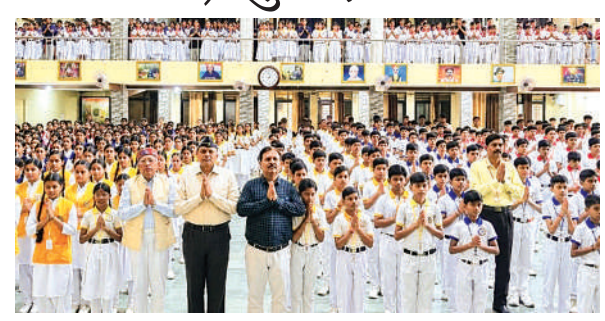

नवरात्रि से पहले काम पूरा होने की उम्मीद

दो बार भूमिपूजन, साढ़े चार महीने इंतजार अब जाकर शुरू हुआ पीएनबी रोड का काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

वार्ड क्रमांक 4 में करीब 50 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित पंजाब नेशनल बैंक रोड का निर्माण कार्य आखिरकार साढ़े चार महीने के लंबे इंतजार के बाद 1 अक्टूबर से शुरू हो गया।

लंबे समय से सड़क निर्माण का इंतजार कर रहे क्षेत्रवासियों और व्यापारियों ने काम शुरू होने पर राहत की सांस ली है। अब लोगों को उम्मीद है कि नवरात्रि शुरू होने से पहले निर्माण कार्य पूरा कर सड़क आवागमन के लिए सुचारु कर दी जाएगी।



13 मई 2026 को भूमिपूजन किया था

पीएनबी रोड के निर्माण के लिए पहली बार 13 मई 2026 को भूमि पूजन किया गया था। इसके बावजूद काम शुरू नहीं हुआ। इसके बाद 25 जुलाई 2026 को दोबारा भूमि पूजन किया गया, लेकिन निर्माण कार्य फिर भी अटका रहा। आखिरकार करीब साढ़े चार महीने बाद 1 अक्टूबर से सड़क का निर्माण शुरू हो पाया है।

तेजी से पूरा किया

रहवासियों का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद शुरू हुए काम को अब तेजी से पूरा किया जाना चाहिए, ताकि त्योहारी सीजन में लोगों और व्यापारियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस संबंध में क्षेत्रीय पार्षद और एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी कहना है कि काम शुरू होने में देर जरूर हुई है, लेकिन सड़क निर्माण का काम पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा।

व्यापारियों के बीच अटकलें लगाई जा रही

विक्रम व नीरज के कम सक्रिय होने पर चर्चाओं ने पकड़ा जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज के व्यापारिक गलियारों में इन दिनों एक दिलचस्प चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। किराना व्यापार संघ के अध्यक्ष विक्रम धाड़ी और जिला मीडिया प्रभारी नीरज चावला के अचानक कम सक्रिय होने की बात बाजार में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके इस शांत और कम सक्रिय दिखाई देने वाले अंदाज को लेकर व्यापारियों के बीच अटकलें लगाई जा रही हैं।

व्यापारी नेता श्याम मालवीय, विवेक मित्तल, गिरीश चावला और बल्लू अरोड़ा का कहना है कि वर्तमान में व्यापार महासंघ की छवि अच्छी है और संगठन व्यापारियों के हित में कार्य कर रहा है। वहीं दूसरी ओर व्यापार संघ के कोषाध्यक्ष आशीष दीक्षित और उपाध्यक्ष कैलाश 'डब्बू' नागर के मन में यह जिज्ञासा बनी हुई है कि आखिर विक्रम धाड़ी और नीरज चावला की इस चुप्पी का कारण क्या है। बाजार में यह चर्चा भी चल रही है कि आने वाले दिनों में व्यापारिक गतिविधियों और संगठनात्मक समीकरणों में कोई नया मोड़ देखने को मिल सकता है। हालांकि यह पूरा घटनाक्रम व्यापारियों के बीच व्यंग्य और चर्चा का विषय बना हुआ है।





अलायन्स फ्रॉसेंज में कला प्रदर्शनी का आयोजन

विश्व शिक्षक दिवस पर 'बियोंड द आर्टरूम' प्रदर्शनी का शुभारंभ

कला शिक्षक भी हैं सक्रिय सर्जक, प्रदर्शनी ने दिया सशक्त संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विश्व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में अलायन्स फ्रॉसेंज द भोपाल एवं आर्टडिजाइन टीचर्स फोरम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कला शिक्षकों की प्रदर्शनी 'बियोंड द आर्टरूम' का शनिवार को अलायन्स फ्रॉसेज भोपाल में गरिमापूर्ण शुभारंभ हुआ। देश के विभिन्न शहरों से जुड़े 21 कलाकार-शिक्षकों की कलाकृतियों से सजी यह प्रदर्शनी कला शिक्षा और सृजनशीलता के अद्भुत संगम का परिचय देती है। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि, लेखक और कला समीक्षक प्रयाग शुक्ल ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि सृजन के लिए समय न मिलना कोई बहाना नहीं हो सकता। कला शिक्षक अपने जीवन का बड़ा हिस्सा विद्यालयों में बिताते हैं और वहीं से सृजन की अनेक संभावनाएं जन्म लेती हैं। उन्होंने प्रदर्शित चित्रों की सराहना करते हुए कहा कि कला शिक्षकों की यह पहल अत्यंत महत्त्वपूर्ण है और ऐसी प्रदर्शनी की निरंतरता बनी रहनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने अपनी चर्चित कविता 'व्यंजन' का पाठ भी किया।

वरिष्ठ कला समीक्षक प्रयाग शुक्ल बोले- सृजन के लिए समय न मिलना बहाना नहीं हो सकता, स्कूल से ही जन्म लेती है कला



आयोजन एक नई और प्रेरक शुरुआत है

अलायन्स फ्रॉसेंज द भोपाल के निदेशक विंसेंट रोबिन ने कहा कि विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन एक नई और प्रेरक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में अपेक्षा से कहीं अधिक स्तर की कलाकृतियां देखने को मिली हैं। उनका प्रयास रहेगा कि यह आयोजन नियमित रूप से जारी रहे और आने वाले वर्षों में भी कला शिक्षकों को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता रहे। उन्होंने बताया कि भोपाल के बाद यह प्रदर्शनी 9 और 10 अक्टूबर को इंदौर में भी आयोजित की जाएगी। एनसीईआरटी, नई दिल्ली की सेवानिवृत्त प्राध्यापक (कला एवं सौंदर्यशास्त्र) डॉ. ज्योत्स्ना तिवारी ने कहा कि आज के समय में शिक्षकों पर अनेक प्रकार के दायित्व और दबाव होते हैं, फिर भी कला शिक्षकों को स्वयं को निरंतर अद्यतन बनाए रखना पड़ता है। प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियां इस सतत सीखने और सृजनशील बने रहने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करती हैं।



शिविर और प्रदर्शनियां आयोजित करता रहा है फोरम

प्रदर्शनी के क्यूरेटर एवं आर्टडिजाइनअ टीचर्स फोरम के संस्थापक सुनील शुक्ल ने बताया कि फोरम कला एवं डिजाइन शिक्षकों के रचनात्मक और व्यावसायिक संवर्धन के लिए समय-समय पर कार्यशालाएं, संवाद, शिविर और प्रदर्शनियां आयोजित करता रहा है। 'बियोंड द आर्टरूम' उसी सतत प्रयास की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है, जिसका उद्देश्य कला शिक्षकों की सृजनात्मक पहचान को व्यापक मंच प्रदान करना है।

21 कलाकार-शिक्षकों की पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई



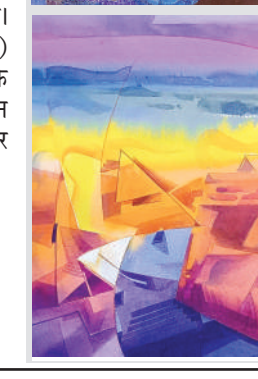

प्रदर्शनी में भोपाल, इंदौर, धार, दिल्ली, बेंगलुरु, सिक्किम और मिलाई सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 21 कलाकार-शिक्षकों की पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। उद्घाटन समारोह में कलाकारों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, कला प्रेमियों तथा सांस्कृतिक जगत से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। प्रदर्शनी 6 अक्टूबर तक अलायन्स फ्राँसेज द भोपाल में दर्शकों के लिए खुली रहेगी। इसके बाद इसका अगला प्रदर्शन 9-10 अक्टूबर को इंदौर में आयोजित किया जाएगा।

भारत भवन में हुआ चतुर्थ अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का शुभारंभ

हास्य, रहस्य और रंगमंचीय कौशल से सजी सिंधी नाट्य प्रस्तुतियां



नाटक की प्रस्तुति देते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बहुकला केंद्र भारत भवन में शनिवार को चतुर्थ अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का शुभारंभ हुआ। भारत भवन और सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय समारोह सुंदर अगनानी की स्मृति को समर्पित है। सिंधी रंग समूह, भोपाल के संयोजन में आयोजित इस समारोह के पहले दिन हास्य, रहस्य और पारिवारिक संबंधों की उलझनों को अभिव्यक्त करती दो नाट्य प्रस्तुतियों 'मिस्टर एंड मिसेस बोलना...नी' और 'ही छा थी व्यो' का मंचन किया गया। इसके साथ ही 'सुंदर अगनानी : फन-ए-शख्सियत' शीर्षक वृत्तचित्र के प्रदर्शन ने दिवंगत रंगकर्मी की स्मृतियों को पुनः जीवंत किया। समापन अवसर पर दिल्ली के वरिष्ठ रंगकर्मी शंकर मूलवानी को 'सुंदर अगनानी सम्मान-2026' से सम्मानित किया जाएगा।

चार उधार की पत्नियों में उलझा पति

दूसरी प्रस्तुति 'ही छा थी व्यो' ने हास्य की परिस्थितियों और मानवीय व्यवहार की विसंगतियों के सहारे दर्शकों का मनोरंजन किया। कविता ईसराणी के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक ने गलतियों, बहानों और परिस्थितियों के जरिए दर्शकों को हंसाया। नाटक की शुरुआत पति-पत्नी की सामान्य नोक-झोंक से होती है। पत्नी अपने शौक पूरे करने के लिए पति से दो लाख रुपए हासिल करने का प्रयास करती है। असफल होने पर वह नाराज होकर मायके चली जाती है। इसी बीच पति के कार्यालय के सहकर्मी गोवा घूमने की योजना बनाते हैं, लेकिन बॉस छुट्टी देने से इनकार कर देता है। छुट्टी पाने के लिए पत्नी की बीमारी का बहाना बनाना पति के लिए मुसीबत बन जाता है। आशिकमिजाज बॉस बीमार पत्नी का हाल जानने शाम को घर आने की घोषणा कर देता है, जबकि पत्नी घर छोड़ चुकी है। स्थिति संभालने के प्रयास में पति एक के बाद एक चाल चलता है और अंततः चार उधार की पत्नियों के जाल में उलझ जाता है। इसी बीच असली पत्नी का अचानक घर लौट आना हास्य को चरम पर पहुंचा देता है।



हास्य, सस्पेंस का दिलचस्प संगम

समारोह की पहली प्रस्तुति 'मिस्टर एंड मिसेस बोलना...नी' ने मध्यमवर्गीय दांपत्य जीवन की सहज नोक-झोंक को हास्य और रोमांच के रंगों में प्रस्तुत किया। दीपक वाघमारे लिखित इस नाटक का निर्देशन जय पंजवानी ने किया है। पति-पत्नी के बीच होने वाली रोजमर्रा की तकरार से शुरू होने वाली कहानी उस समय नया मोड़ लेती है, जब घटनाक्रम में एक चोर की एंट्री होती है। इसके बाद रिश्तों में विश्वास, धैर्य और परिस्थितियों से उपजने वाला तनाव कहानी को रहस्य और रोमांच से जोड़ता है। नाटक की विशेषता हास्य और थ्रिल का संतुलित मेल रहा। अप्रत्याशित घटनाओं और बदलती परिस्थितियों ने कथा को रोचक बनाए रखा। मध्यमवर्गीय जीवन से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से प्रस्तुति ने दर्शकों को परिचित सामाजिक परिवेश से जोड़ा। नाटक में मिस्टर बोलना...नी की भूमिका जय पंजवानी, छाया की भूमिका ईशा वीरवानी और चोर की भूमिका यशिका ने निभाई।

समारोह में आज

समारोह के अंतिम दिन रविवार को तीन नाट्य प्रस्तुतियां होंगी। शंकर मूलवानी के निर्देशन में 'शादी शर्त सां' का मंचन किया जाएगा। इसके बाद शाम 7.40 बजे अशोक बुलानी के निर्देशन में 'जिंदगी जा रंग' और रात 8.20 बजे जूली तेजवानी के निर्देशन में 'आई लव यू' प्रस्तुत किया जाएगा। समारोह के

'पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है' में 150 से ज्यादा साहित्यकारों व चिंतकों ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इकतारा ट्रस्ट द्वारा रचनात्मक एवं बौद्धिक हस्तक्षेप के सहकारी उपक्रम की श्रृंखला संगमन-27 के तीन दिवसीय आयोजन में दूसरे दिन जुटे कवि, कहानीकार और उपन्यासकार

देशकाल, राजनीति और लेखन से जुड़े पहलुओं के चिंतन पर जारी इकतारा ट्रस्ट के संगमन-27 में देश भर से आए लेखक एवं चिंतकों ने विचार साझा किए। मालवीय नगर स्थित ट्रस्ट के सभागार में आयोजित तीन दिवसीय आयोजन में शनिवार को दूसरे दिन साहित्यकारों एवं चिंतकों ने शिरकत कर की। कथाकार शिवमूर्ति ने कहा कि गैलिलियो से लेकर आज तक समझदारों को कठघरे में खड़ा किया जाता रहा है। लेखक की पॉलिटिक्स अन्याय और शोषण के खिलाफ होना चाहिए। लेखक को चाहिए कि वह भय और अन्याय के खिलाफ खड़ा हो।

पुरातत्ववेत्ता सीमाद्री ओता ने कहा कि साइंटिफिक तरीके से काम करते हुए भी कई बार जन भावनाओं का ध्यान रखना पड़ता है। पुरातत्व विज्ञान एक मटीरियल साइंस है। एविडेंस के आधार पर ही काम करता है। यदि कोई अधिकारी सरकार में भ्रष्ट नहीं है तो कोई उसका कुछ नहीं कर सकता है। ज्यादा से ज्यादा से उसका ट्रांसफर किया जा सकता है। हर तरह की संस्थाओं की प्रकृति एक जैसी ही होती है। कहानीकार एवं उपन्यासकार वंदना राग ने कहा कि मुक्तिबोध की कविता की यह पंक्ति 'पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है' आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। इन पंक्तियों को देश विदेश के कवियों ने अपने अपने देशकाल में अलग अलग से तरह कहा भी है और जवाब भी दिया है।



अपने विचार रखते अतिथि।

विचारधारा को समझना बेहद जरूरी

कवि महेश वर्मा ने हरिशंकर परसाई और विनोद कुमार शुक्ल से जुड़े प्रसंग को उल्लेखित करते हुए बताया कि लेखन से पूर्व विचारधारा को समझना बेहद जरूरी बताया। वर्मा ने कहा कि वक्त के साथ कई परिभाषाएं बदलती गईं और उनके हिसाब से नियमों में भी बदलाव लाकर नियंत्रण किया जाने लगा। डिजिटल दौर में यह डिवाइसेज के जरिए भी हो रहा है। आज व्यक्ति अपने सर्विलांस की स्वयं की अनुमति दे चुका है। साहित्य की मांग पर बोलते हुए कहा कि राजनीतिक और सामाजिक वातावरण से एक दबाव बनता महसूस होता है, जो लगभग एक जैसे साहित्य लेखन की मांग करता है। उर्दू के लेखक एवं कवि खुर्शीद अकरम ने उर्दू में ऐसा ठोस लेखन नहीं हो रहा है, जिसमें हमारे समय की राजनीति, बाजारवाद और विचार झलकते हों। साहित्य का संबंध जीवन के लगभग सभी हिस्सों से है। साहित्य की राजनीतिक के दो मूल नजर आते हैं पहली करुणा है और दूसरी क्रोध। इन दोनों के सफर के बीच लेखक की पॉलिटिक्स उत्पन्न होती हैं।

दो सत्रों में आज शामिल होंगे ये चिंतक और लेखक

तीन दिवसीय आयोजन ' संगमन- 27' के तीसरे दिन आयोजन दो सत्रों में किया जाएगा। सत्रों में लाल्टू, लोक बाबू, प्रत्यक्षा, मनोज कुमार पाण्डेय, वैभव सिंह, मिथलेश प्रियदर्शी, विजयश्री तनवीर, पराग मांदले, पराग त्रिपाठी, शंपा शाह, मनीषा पांडेय, चंदन पांडेय, प्रियंवद एवं यशंवत पाराशर आदि कवि एवं लेखक अपने विचार साझा करेंगे।

विद्यार्थियों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

आर्टलिंक बैज समारोह 2026 में कला प्रतिभा एवं सृजनात्मकता का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई), भोपाल के आर्टलिंक क्लब द्वारा शनिवार को 'आर्टलिंक बैज समारोह 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल, क्लब की संयोजक अंकिता पटेल, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसके बाद क्लब की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आधारित लघु वीडियो प्रदर्शित की गई। संयोजक अंकिता पटेल ने स्वागत उद्बोधन मे विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं योगदान की सराहना करते हुए नए सदस्यों का स्वागत किया। संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को समसामयिक विषयों के प्रति जागरूक एवं सामाजिक रूप से संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात संचालक एवं समिति सदस्यों द्वारा आर्टलिंक क्लब के कार्यकारिणी दल एवं अन्य सदस्यों को बैज प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। नाट्य प्रस्तुति 'राई का पहाड़, बात का बतंगड़' के माध्यम से सोशल मीडिया पर अफवाहों एवं अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करने का संदेश दिया गया। खुशी गुप्ता ने वीणा वादन एवं भजन, जुनून क्रू ने देशभक्ति नृत्य तथा सुरभि अयंगर ने गीत पर एकल प्रस्तुति दी।

बुंदेली समागम 2026

बुंदेली गीत, संगीत, कविता और सिनेमा के संगम का आज से होगा आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बुंदेली भाषा, संस्कृति, लोककला और बुंदेलखंड की समृद्ध परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से 'बुंदेली समागम 2026 अपनी माटी, अपनी बोली, अपनों उत्सव' का आयोजन 4 से 6 अक्टूबर तक अंजनी सभागार, रवींद्र भवन, भोपाल में किया जाएगा। तीन दिवसीय आयोजन में सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक बुंदेली गीत-संगीत, गायन, कविता, लोकनृत्य, फिल्म, साहित्य और संवादों के विभिन्न कार्यक्रम होंगे। समागम का शुभारंभ 4 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

तीन दिन होंगे संवाद

पहले दिन दोपहर 3 बजे से उच्च शिक्षा संवाद आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न विवि के कुलगुरु शामिल होंगे। शाम 4 बजे से राजनीतिक संवाद और 'बुंदेली बौछार आइडल' सेमीफाइनल होगा। शाम 6 बजे टीवी अभिनेत्री चाहत पांडे और शाम 7 बजे फिल्म अभिनेता मुकेश तिवारी युवाओं से संवाद करेंगे। रात 8 बजे से जितू खरे बादल एवं टीम की राई नृत्य-गायन प्रस्तुति होगी। 5 अक्टूबर को भी राजनीतिक संवाद और बुंदेली बौछार आइडल सेमीफाइनल के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। दोपहर में छतरपुर की अंशिका रजोतिया गजल गायन प्रस्तुत करेंगी।

प्रोत्साहन, प्रेरणा का भाव जगाते हैं पुरस्कार

सप्रे संग्रहालय में अलंकरण समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में शनिवार को अलंकरण तथा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओमप्रकाश रावत थे। अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव एवं बरकतउल्ला विवि के कुलगुरु अनुपम राजन ने की। पूर्व सांसद तथा मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में पत्रकारिता एवं लेखन क्षेत्रों में सक्रिय विभूतियों को सम्मानित किया गया। साथ ही तपोनिष्ठ पं. सुंदरलाल श्रीधर स्मृति राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सप्रे संग्रहालय द्वारा स्थापित हरिकृष्ण दत्त शिक्षा सम्मान प्रोफेसर प्रमोद कुमार (नई दिल्ली) को, अशोक मानोरिया आंचलिक पत्रकारिता पुरस्कार गोविंद सक्सेना (विदिशा) को तथा लक्ष्मीनारायण गुप्त पुरस्कार परितोष वर्मा (जबलपुर) को प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओमप्रकाश रावत ने कहा कि आज सप्रे संग्रहालय ने विश्व में अपनी एक पहचान बनाई है। विदेशों में कहीं जाओ तो संग्रहालय के बारे में पूछा जाता है। उन्होंने बताया कि एआई इस तरह के संग्रहालयों को संजाने-संवारने में के लिए तकनीक लेकर आया है। उन्होंने इसका का लाभ उठाने का सुझाव सप्रे संग्रहालय को दिया।

भोजन के अधिकार अधिवेशन के दूसरे दिन खाद्य सुरक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा

वर्तमान में पोषण और भोजन के मुद्दे मुख्यधारा के विमर्श से गायब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



चर्चा करते अतिथि।

पोषण और भोजन के मुद्दे मुख्यधारा के विमर्श से गायब हैं। दूसरे विषयों पर लगातार चर्चा हो रही है। वहीं, लोगों की जिंदगी से जुड़े बुनियादी सवाल पीछे छूट रहे हैं। इसका असर अब बच्चों की मौतों के रूप में सामने आ रहा है। यह बात भोजन और पोषण के अधिकार पर तीसरे राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन हुई चर्चा में सामने आई। आइकफ आश्रम में चल रहे अधिवेशन में 17 राज्यों के 400 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

बालाघाट में हाल की बच्चों की मौतों की रिपोर्टिंग करने वाली पत्रकार बिंदु ने कहा कि यह केवल एक दिन की घटना नहीं है। यह लंबे समय से चले आ रहे पोषण संकट की ओर इशारा करती है। आदिवासी समुदायों का जंगल से रिश्ता कमजोर हुआ है। जंगल अब उनके जीवन का नियमित हिस्सा नहीं रह गया है। जंगल पर निर्भर समुदाय सरकारी योजनाओं पर अधिक निर्भर हो गए हैं। इसका असर उनके पोषण पर भी दिखाई दे रहा है। पत्रकार रोईन ने कहा कि भोजन, पोषण और वंचित समुदायों के मुद्दों पर संवेदनशील रिपोर्टिंग जरूरी है। ऐसी रिपोर्टिंग लोगों में समझ और संवेदना पैदा करती है, लेकिन इस तरह की रिपोर्टिंग चुनौतीपूर्ण है। इसलिए इन मुद्दों पर पर्याप्त खबरें सामने नहीं आ पातीं।

जनप्रतिनिधियों के सत्र में राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि बुनियादी मुद्दे मुख्यधारा के विमर्श से गायब हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 14–15 वर्षों में टेलीविजन बहसों में भी इन विषयों पर चर्चा कम हुई है। खेड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है, लेकिन पोषण की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने एसआईआर में नाम हटाए जाने और उससे अधिकारों पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई। अधिवेशन को विधायक ओंकार मरकाम ने भी संबोधित किया।

'जमीन की आवाजें' सत्र में विभिन्न राज्यों के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अनुभव साझा किए। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के मलकपुरा गांव के सरपंच ने कहा कि पंचायतों के पास पर्याप्त अधिकार नहीं हैं। इससे शिक्षकों की जवाबदेही तय करना मुश्किल होता है। उन्होंने क्राउड फंडिंग के जरिए स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास भी किया। इसके बावजूद सरकारी स्कूलों में बच्चों का पंजीयन पहले से कम हो गया, पालकों ने कहा कि हमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहिए।

गुजरात से आईं सायरा बानो ने बताया कि उनके क्षेत्र में तीन आंगनवाड़ी केंद्र हैं। इनमें से दो किराए के भवनों में संचालित होते हैं। ये केंद्र नियमित रूप से नहीं लगते। इसका सीधा असर बच्चों के पोषण पर पड़ रहा है। समानांतर सत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आंगनवाड़ी, मध्यान्ह भोजन, मातृ एवं बाल पोषण, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने अपने राज्यों के अनुभव साझा किए। चर्चा में सामने आया कि खाद्य और पोषण योजनाओं का असर केवल बजट और प्रावधानों पर निर्भर नहीं है। प्रभावी क्रियान्वयन, जवाबदेही और समुदाय की भागीदारी भी जरूरी है।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की कार्यशाला

दूसरे दिन राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर हुआ गहन चिंतनः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल



अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की राष्ट्रीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस गंभीर राष्ट्रीय विषयों पर चिंतन-मंथन हुआ। प्रांत अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि जनसांख्यिकी, वैकल्पिक राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय आयाम और महिला अधिवक्ताओं की भूमिका एवं सहभागिता जैसे विषयों पर विमर्श हुआ। इसमें देश की जनसंख्या संरचना में हो रहे असंतुलन, अवैध घुसपैठ और संसाधनों पर बढ़ते दबाव पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि संतुलित जनसंख्या ही विकसित भारत और सामाजिक समरसता का आधार है। 23 सितंबर की बैठक के संदर्भ में चर्चा करते हुए बताया गया कि वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र प्रथम की वैकल्पिक राजनीति ही लोकतंत्र को सशक्त कर सकती है, जिसमें अधिवक्ता समाज पथ-प्रदर्शक बने। वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती न्यायिक और कूटनीतिक भूमिका पर मंथन हुआ।



कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

स्पेशलः मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

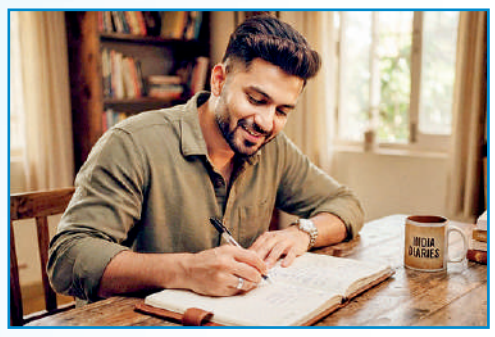



कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।





क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।

वॉर्म्थ थेरेपीः गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। *

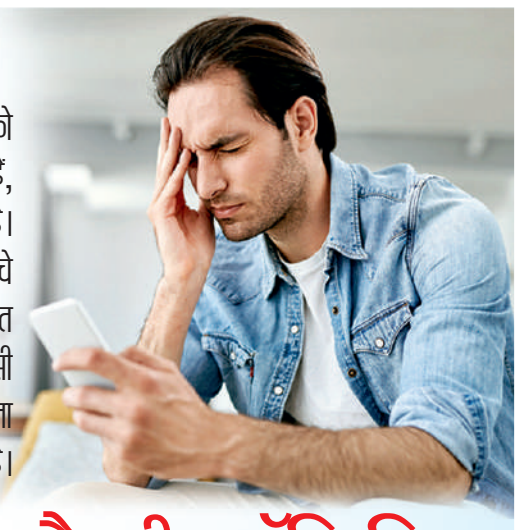

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।



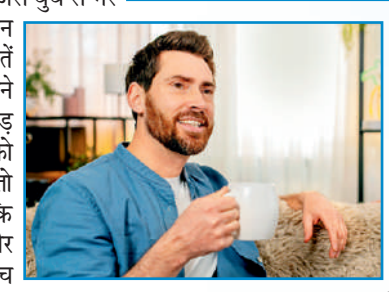

अच्छे खाने से मिले खुशीः भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉगः जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशनः आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्सः हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। *



गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्गम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। *

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' *

पत्रिकाः बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकारः विद्यासागर नौटियाल), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए, प्रकाशन स्थलः शालीमार बाग, नई दिल्ली

एशियाई खेल : फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| निशिन

अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतकों की मदद से भारत ने हसन नवाज की आक्रामक पारी के बावजूद रोमांचक फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर शनिवार को एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट में अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अभिषेक ने 28 गेंद पर 61 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल हैं। तिलक वर्मा ने आखिरी ओवरों में 22 गेंद पर नाबाद 51 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्हें शिवम दुबे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 15 गेंद पर 27 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी भारतीय टीम ने छह विकेट पर 211 रन का बड़ा स्कोर बनाया। पाकिस्तान की तरफ से अहमद दानियाल और अराफात मिन्हास ने दो-दो विकेट लिए।

हसन नवाज ने खेली 51 गेंदों पर 96 रन की पारी

पाकिस्तान खराब शुरुआत के बावजूद हसन नवाज की 51 गेंदों पर 96 रन की पारी से मुकाबले में बना रहा लेकिन आखिर में वह 6 विकेट पर 192 रन तक ही पहुंच पाया। नवाज जब चार रन पर थे तब वैभव सूर्यवंशी ने उनका कैच छोड़ दिया था। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और सात छक्के लगाए। भारत की तरफ से अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए।



अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं : अय्यर

पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार कप्तान कर रहे श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में अपने साथियों से सिर्फ इतना कहा था कि मुकाबले को लेकर बने माहौल और दबाव को खुद पर हावी नहीं होने दें और बड़े मंच पर अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कप्तान की बात पर अमल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद अय्यर ने कहा कि टीम ने पाकिस्तान या श्रीलंका के बजाय सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने वाली टीम को देखा और अपना पूरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रखा। उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी था, पाकिस्तान या श्रीलंका नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर हम अपनी क्षमता के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो बाकी चीजें अपने आप सही हो जाती हैं। आज इसका सही उदाहरण देखने को मिला और हम उस पर खरे उतरे।'



नहीं किया हैंडशेक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल को लेकर काफी उत्सुकता थी लेकिन शनिवार को मुकाबला बिना किसी विवाद के संपन्न हुआ। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक बार फिर हाथ नहीं मिलाए। फाइनल देखने के लिए तोक्यो, नागोया और जापान के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में पहुंचे भारतीय समुदाय के लोगों के लिए यह दिन क्रिकेट के नाम रहा। मैच के बाद का घटनाक्रम भी कुछ ऐसा ही रहा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी जब अपने ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के पास जाने की कोशिश नहीं की। पाकिस्तान की टीम अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर आई, अंपायरों से हाथ मिलाया और भारतीय खिलाड़ियों से बिना किसी बातचीत के वापस लौट गई। हाथ मिलाने को छोड़ दे तो मैच खेल भावना के साथ खेला गया। खिलाड़ियों के बीच कोई तीखी बहस या बड़ा विवाद नहीं हुआ और उन्होंने अपना ध्यान मुकाबले पर बनाए रखा तथा क्रिकेट को केंद्र में रहने दिया। पदक समारोह भी बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ और आयोजकों ने पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखा।

केएल राहुल ने लगाया तूफानी शतक

इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 10 हजार रन

एजेंसी ▶▶| न्यू चंडीगढ़

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। उन्होंने इस मैच में 80 गेंदों में शतक लगाया। यह वनडे क्रिकेट में केएल राहुल का 9वां शतक है। इस मुकाबले में राहुल बहुत मुश्किल समय में बल्लेबाजी करने आए थे, लेकिन उन्होंने शानदार शतक बनाकर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा दिया। शतक बनाने के बाद उन्होंने और तेजी से रन बनाना शुरू किया और टीम इंडिया के स्कोर को 351 रन तक ले गए। यह राहुल का वनडे क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है और उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10हजार रन भी पूरे कर लिए। टीम इंडिया शुरुआती 2 मुकाबले जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे है। मेजबान टीम की निगाहें 'क्लीन स्वीप' पर टिकी हैं।



अब तक चार ही ओपनर बना पाए हैं वनडे में दस हजार से अधिक रन

वैसे तो रोहित शर्मा अब तक अपने वनडे करियर में 12 हजार से भी अधिक रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 35 शतक और 35 अर्धशतक आए हैं। पिछले ही मैच में रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अपना 35वीं सेंचुरी पूरी की थी। उन्होंने 75 बॉल पर 101 रन बनाए थे। उन्होंने 10 चौके और छह छक्के लगाए थे। जल्दी ही न्यूजलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जाएगा, उम्मीद की जा रही है कि उसमें भी रोहित शर्मा का नाम होगा और वे खेलते हुए भी दिखाई देंगे।

रोहित ने किया तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त

रोहित शर्मा ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन ने ऑस्ट्रेलिया दस हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12 पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।



एशियन गेम्स

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं प्रणवी उर्स



एजेंसी ▶▶| नागोया

प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई, जिन्होंने आखिरी दौर में थकान से उबरते हुए एक स्ट्रोक की बढत बरकरार रखकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की और टीम को भी रजत दिलाया। मैसूर की 23 वर्ष की प्रणवी ने तीसरे होल में ट्रिपल बोगी करने के बाद तीन बर्डी लगाए। आखिरी दौर में उन्होंने इवन पार 70 स्कोर किया और चार दिन में कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। चीन की यिन रूओनिंग ने रजत पदक जीता जबकि सिंगापुर की शैनोन टैन को कांस्य पदक मिला।

शुरुआत में काफी नर्वस थी : प्रणवी

प्रणवी ने जीत के बाद कहा,' मुझे कुछ उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनना पसंद है। लोग आगे भी जीतेंगे लेकिन पहली बार जीतने वाला पहला ही होता है।' प्रणवी ने कहा कि वह पूरी रात सो नहीं सकी थी और आखिरी दिन शुरुआत में काफी नर्वस थी ।

गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह 1982 दिल्ली एशियाई खेलों के बाद गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उस समय गोल्फ में लक्ष्मण सिंह ने व्यक्तिगत पुरुष स्वर्ण जीता था जबकि अमित लूथरा और राजीव मोहता के साथ टीम वर्ग में भी पीला तमगा हासिल किया था।

टीम ने जीता रजत

प्रणवी, ओलंपियन अदिति अशोक (आखिरी दौर में 67) और दीक्षा डागर (आखिरी दौर में 77) की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 14 अंडर 546 स्कोर किया। चीन ने 22 अंडर 538 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अदिति एक डबल बोगी और एक बोगी के बाद लगातार पांच बर्डी लगाकर संयुक्त 14वें स्थान पर रही जबकि दीक्षा संयुक्त 23वें स्थान पर रही।

कुश्ती में भारत की झोली में 6 पदक



अमन को स्वर्ण, अंतिम की चांदी

एजेंसी ▶▶| नागोया

अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में अपने कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल दिया जबकि महाद्वीपीय खिताब जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनने की अंतिम पंघाल की कोशिश को जापान की मेई मियोका के हाथों हार के साथ निराशा का सामना करना पड़ा।

मियोका ने शनिवार को यहां अंतिम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे भारतीय पहलवान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने कुश्ती प्रतियोगिता में छह पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य) के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यह 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान से चूकने के बाद भारत के इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा।

अमन ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में उत्तर कोरिया के चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक था।

तीरदांजी : नीरज ने रिकर्व स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

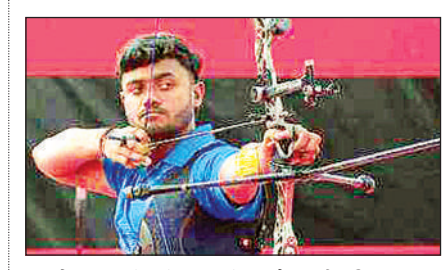

नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपने हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। नीरज ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मैच में धीरज को 29-26, 27-28, 28-29, 30-28, 29-28 से हराया। इस तरह से वह तरुणदीप राय के बाद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए।

ओसीए एथलीट समिति में राजेश्वरी शामिल



एजेंसी ▶▶| नागोया

पूर्व भारतीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी को दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि के रूप में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति में शामिल किया गया। ओसीए एथलीट समिति में अन्य तीन क्षेत्रीय पदों के लिए एशियाई खेलों के दौरान चुनाव कराए गए। राजेश्वरी के नामांकन को पहले ही ओसीए के कार्यकारी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी। पश्चिम एशिया (एक महिला खिलाड़ी), मध्य एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी), पूर्वी एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी) और दक्षिण पूर्व एशिया (एक महिला खिलाड़ी) से एक-एक प्रतिनिधि का चयन करने के लिए चुनाव कराए गए। पिछले एशियाई खेलों में 34 वर्षीय राजेश्वरी ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2024 में ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया था। राजेश्वरी ओसीए के पूर्व प्रमुख रणधीर सिंह की बेटी हैं। वह निशानेबाजी में सफल करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य भी बने थे।

शेष भारत ने बनाई 265 रन की बढ़त, स्मरण ने ठोका शतक

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

शेष भारत ने रविचंद्रन स्मरण की सयंम से खेली गई 126 रन की नाबाद पारी की बदौलत शनिवार को ईरानी कप मैच के तीसरे दिन स्टंप तक 8 विकेट पर 306 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 265 रन की बढ़त हासिल कर ली। स्मरण ने 131 गेंद की पारी में 15 चौके और पांच छक्के लगाए जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 55 रन बनाए। इससे शेष भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया। मेजबान टीम की ओर से साहिल लोटरा (71 रन देकर 3 विकेट) और उमर नजीर मीर (87 रन देकर 3 विकेट) गेंदबाजों में सबसे प्रभावी रहे, लेकिन भारत के बल्लेबाज ऋषभ पंत (08) और सरफराज खान (शून्य) की नाकामी के बावजूद शेष भारत के बल्लेबाजों ने अपनी टीम को बढ़त दिला दी।



कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जबलपुर मण्डल जबलपुर

कार्यालय पता- तहसीली चौक अम्बेडकर भवन के सामने, जबलपुर

दूरभाष 0761(2625425) ई-मेल seresjabalpur@mp.gov.in

क्रमांक / 1323/ निविदा/ग्रायांसेवा/2026 — **संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 12/2026-27** — जबलपुर, दिनांक 25/9/2026

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा मण्डल जबलपुर के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभागों के निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रतिशत दर पर तालिका के कॉलम क्रमांक 6 में अंकित पी.ए.सी. की राशि रुपये 1.00 करोड से अधिक होने पर तीन लिफाफा पद्धति एवं पी.ए.सी. की राशि रुपये 1.00 करोड़ से कम होने पर दो लिफाफा पद्धति में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा लागू निविदा प्रपत्र एपेडिक्स 2.10 में निर्धारित तिथि (Key Date) अनुसार, ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

(निविदा संशोधन से संबंधित जानकारियों ऑनलाईन देखी जा सकती है, पृथक से प्रकाशित नही की जायेगी।) विवरण निम्नानुसार है:-

स.क्र.	ग्रायांसेवा संभाग	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	जनपद पंचायत	निविदा लागत (PAC) (राशि रुपए में)	अमानत राशि (राशि रुपए में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (राशि रुपये में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण का क्रम	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में लागू दर अनुसूची का दिनांक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	बालाघाट-2	2026_RES_538773_1	बी.टी. रोड निर्माण कार्य जमुनिया से पवारीटोला लम्बाई 2.3 कि.मी. एवं चीचटोला में कॉलेजटोला हनुमान मंदिर से उजाड़बोपली चनई नदी पर स्लेब कल्वर्ट निर्माण कार्य तथा अम्बेझरी बीटी रोड से खैरलॉजी पहुंचमार्ग तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	कटंगी	32323786.00	324000.00	15000.00	365 दिवस	प्रथम	11.04.2022
2	बालाघाट-2	2026_RES_538774_1	समग्र शिक्षा अभियंता अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन निर्माण कार्य कुंडा मोहगांव	किरनापुर	3911713.00	50000.00	5000.00	270 दिवस	प्रथम	11.04.2022
3	बालाघाट-2	2026_RES_538775_1	समग्र शिक्षा अभियंता अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला भवन निर्माण कार्य बगडमारा	किरनापुर	3911713.00	50000.00	5000.00	270 दिवस	प्रथम	11.04.2022
4	नरसिंहपुर	2026_RES_538776_1	घाट निर्माण कार्य राजा हिरदेशाह किले से नर्मदा तट तक केरपानी	करेली	10657458.00	106600.00	12500.00	270 दिवस	तृतीय	11.04.2022
5	नरसिंहपुर	2026_RES_538777_1	सी.सी. रोड निर्माण कार्य, शनि मंदिर से बरी केन्द्र तक ग्राम पंचायत उमरिया	करेली	2335818.00	50000.00	5000.00	180 दिवस	द्वितीय	11.04.2022

नोट - 1. ऑनलाईन निविदा में प्रतिस्पर्धियों द्वारा सुवाच्य एवं स्वच्छप्रति अपलोड होने की स्थिति में ही दस्तावेज मान्य होगें।
2. निविदा संशोधन से संबंधित जानकारियों ऑनलाईन देखी जा सकती है, पृथक से प्रकाशित नही की जायेगी।

निविदा संबंधी तिथियों (Key Dates) :-
1 Date of Publishing of Tender/ Document Download/Sale Start Date 03.10.2026 (10:00AM)
2 Technical Bid Submision End Date 10.10.2026 (06:00PM)
3 Bid Opening Date 12.10.2026 (10:00AM)

जी - 19425/26 — स्वच्छता ही सेवा

अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा

आइसक्रीम और गणित से किनारा किया था कुमकुम ने

'अजेय तीरंदाज', बाहर 'चंचल बच्ची', गोल्ड पर निशाना

एजेंसी ▶▶| नागोया

निशाना साधते समय शांत रहने वाली युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोद जब अपना धनुष नीचे रखकर आइसक्रीम या गणित को लेकर अपने प्यार के बारे में बात करती है तो उनके भीतर का बच्चा हावी हो जाता है। महाराष्ट्र की 17 वर्ष की कुमकुम ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व और टीम वर्ग का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा है। उन्होंने फाइनल में पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अपनी आदर्श कोरिया की कांग चाएयंग को हराया।



मोबाइल से बनाई दूरी पढाई भी रह गई पीछे

कुमकुम ने जीत के बाद कहा ," मुझे आइसक्रीम खाना पसंद है। बटरस्कॉच मेरा पसंदीदा फ्लेवर है। लेकिन 11 सितंबर को यहां आने के बाद से मैंने आइसक्रीम नहीं खाई है क्योंकि लक्ष्य पर निशाना था।' उन्होंने कहा, 'मेरी मां ने तीरंदाजी से मेरा परिचय कराया। मैं पढाई में बहुत अच्छी थी और हमेशा 90 प्रतिशत अंक लाती थी। मेरा पसंदीदा विषय गणित था लेकिन अब पढाई पीछे रह गई है।' उन्होंने कहा,' मैं अपना फोन भी इस्तेमाल नहीं कर रही। सिर्फ परिवार, कोचों और टीम से बात करती हूं।'

रिकर्व तीरंदाजी : कुमकुम ने जीता स्वर्ण

नागोया। सत्रह वर्ष की कुमकुम मोहाद ने दबाव में संयम के साथ खेलते हुए एशियाई खेलों की महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में कोरिया की ओ येजिन को शूटआउट में हराकर स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम एशियाई खेलों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गई। स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद कुमकुम ने शूटआउट में 10 स्कोर किया जबकि येजिन आठ ही स्कोर कर सकी। इससे पहले चीन की जिंगयी झू को हराकर फाइनल में पहुंचने के साथ कुमकुम ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के दो कोटा स्थानों में से एक हासिल कर लिया। यह कोटा देश को मिलता है। कुमकुम ने झू को 28-27, 30-30, 29-29, 29-28 से हराया और महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय रिकर्व तीरंदाज बन गई।





दृश्यम 3: बॉक्स ऑफिस पर मचाया तहलका...

मुंबई। अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' ने सिनेमाघरों में आते ही बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान मचाया है कि बड़े-बड़े रिकॉर्ड पीछे छूट गए। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी 'दृश्यम 3' 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन भारत में 66.75 करोड़ रुपए नेट कलेक्शन किया है। वहीं इसका इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 80.10 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। विदेशों में फिल्म ने करीब 15 करोड़ रुपए कमाए हैं। इस तरह फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन पहले दिन ही 95.10 करोड़ रुपए हो गया।

लाइफ Style

यामी

पॉजिटिव रिस्पॉन्स से खुश

एजेंसी ⏭ मुंबई

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म 'नई नवेली' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ती जा रही है। दशहरा के मौके पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली इस फैंटेसी फैमिली एंटरटेनर के ट्रेलर को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पॉन्स से एक्ट्रेस भी काफी खुश हैं।

इसी बीच यामी अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचीं, जहां फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। फिल्म में फैंटेसी, ह्यूमर और एक्शन के साथ भारतीय परिवारों से जुड़े कई ऐसे पहलुओं को दिखाया गया है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकेंगे। पटना पहुंचने पर यामी गौतम धर का फैंस ने ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों से मिले प्यार को देखकर काफी खुश नजर आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस के साथ फिल्म के ट्रेलर को मिल रहे रिस्पॉन्स का जश्न मनाया और उनका आभार जताया। 'नई नवेली' के ट्रेलर में यामी एक अलग और पहले से हटकर अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसे लेकर दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म प्रमोशन के बीच यामी गौतम धर ने पटना साहिब गुरुद्वारे में भी मत्था टेका। यहां उन्होंने कुछ वक्त शांति के साथ बिताया और फिल्म की रिलीज से पहले आशीर्वाद लिया। पवित्र स्थल पर पहुंचकर यामी ने आभार व्यक्त किया। पटना दौरे के दौरान एक्ट्रेस का फैंस के साथ जुड़ना और गुरुद्वारे में दर्शन करना उनके प्रमोशनल सफर का खास हिस्सा रहा।



हॉलीवुड मसाला



कानूनी पचड़े में फंसी सिंगर...

लॉस एंजेलिस। मशहूर ब्रिटिश सिंगर ओलिविया डीन पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगा है। यह आरोप उनके गाने 'आई हैव सीन इट' को लेकर लगाया गया है। इसे लेकर वे कानूनी मुसीबत में घिर गई हैं। ओलाविया पर आरोप है कि उन्होंने बिल विथर्स के गाने 'जस्ट द टू ऑफ अस' की नकल की है। सिंगर ओलिविया डीन पर एक म्यूजिक पब्लिशर ने आरोप लगाया है कि 'आई हैव सीन इट' गाने में बिल विथर्स के 1981 के मशहूर गाने 'जस्ट द टू ऑफ अस' के कुछ हिस्सों की नकल की गई है।

वर्ल्ड वॉर जेड के सीक्वल की तैयारी



लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर ब्रैड पिट के फैंस के लिए खुशखबरी है। उनकी 2013 की सुपरहिट हॉरर-एक्शन फिल्म 'वर्ल्ड वॉर जेट' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। ब्रैड पिट एक बार फिर जॉम्बीज से जंग लड़ते नजर आने वाले हैं। 62 साल के एक्टर इस फिल्म में एक बार फिर गेरी लेन के किरदार में वापसी करेंगे। जबकि 'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' और 'कॉनस्लेव' जैसी फिल्मों के डायरेक्टर एडवर्ड बर्गर इसकी कमान संभालेंगे। पैरामाउंट पिक्चर्स इस लंबे समय से अटके प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रही है। 'वर्ल्ड वॉर जेड' के सीक्वल का सफर काफी लंबा रहा है। इससे पहले डेविड फिंचर के साथ फिल्म का एक वर्जन तैयार किया जा रहा था, लेकिन 2019 में वह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका। अब नए डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर के साथ फिल्म को दोबारा डवलप किया जा रहा है। सीक्वल की कहानी को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है, लेकिन ब्रैड पिट की वापसी ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट जरूर बढ़ा दी है।



कोमल रानी ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई। एक्टर गोविंदा और एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार इन दिनों अपने कथित अफेयर को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है, जिसके बाद उनके अफेयर की चर्चाएं तेज हो गईं। इस मामले में दिव्या खोसला और कश्मीरा शाह समेत कुछ सेलेब्स ने भी सुनीता आहूजा का सपोर्ट करते हुए कोमल रानी पर सवाल उठाए थे। अब एक्ट्रेस ने पहली बार इन तमाम बातों पर खुलकर जवाब दिया है। कोमल रानी ने गोविंदा के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'रूपा' का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों का साथ नजर आना काम का हिस्सा है। कोमल रानी ने अपने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि वह और गोविंदा साथ काम कर रहे हैं और आगे भी साथ नजर आएंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर किसी को इससे परेशानी है तो वह जल सकता है।

अर्जुन की थ्रिलर फिल्म का हुआ ऐलान

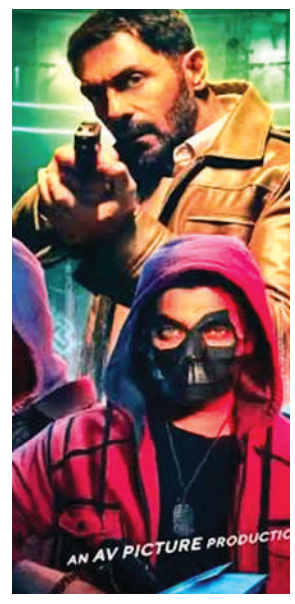

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर' में मेजर इकबाल का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब उनके चाहने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल, एक्टर की नई थ्रिलर फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम '3 मंकीज' है। फिल्म में अर्जुन रामपाल के साथ विशाल जेठवा, मुस्तफा बर्मावाला और तेनजिन दल्हा भी नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन अब्बास-मस्तान ने किया है। '3 मंकीज' का कैंपेन 'थ्री वाइज मंकीज' की मशहूर सोच को आज के समय के हिसाब से नए अंदाज में पेश करता है। मोशन पोस्टर में फिल्म के मुख्य किरदारों की झलक दिखाई गई है, लेकिन कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। '3 मंकीज' को अल्लारखा वोहरा, फारूक वोहरा और सईद वोहरा ने प्रोड्यूस किया है। एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 4 दिसंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी।

5 साल बाद पर्दे पर की वापसी

मुंबई। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी।



फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं, जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी, जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे। 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है।

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद
च्यवन-फिट शुगरफ्री*
नो रिफाइन्ड शुगर, नो हनी
डायबिटीक्स व लो-कैलरी सजग लोगो के लिए पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक
च्यवनप्राश



श्री सुनिल वर्मा, भोपाल
प्र. सर्दी के दिनों में मेरे जोड़ों से सम्बंधित तकलीफें बढ़ी है। चलने फिरने में कठिनाई होती है।
उ. बैद्यनाथ वातचिंतामणी रस (बृहत) 1–1 टॅबलेट सुबह–सायं. जल के साथ लेवें। **बैद्यनाथ महारास्नादि काढ़ा (गुग्गुलु युक्त)** 2–2 चम्मच समभाग जल के साथ सुबह–साय. भोजन बाद लेवें। **बैद्यनाथ रूमा ऑईल** से हल्की मालिश करें।

श्री राजेन्द्र राजपूत, रिवा
प्र. मेरी बेटी की उम्र 20 वर्ष है, उसकी एक सप्ताह से शारीरिक उष्णता बढ़ी हुई है। गले में खराश भी है। कृपया उपचार बतायें।
उ. बैद्यनाथ महासुदर्शन घन बटी 1–1 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ भोजन के बाद दे, साथ में **बैद्यनाथ सितोपलादि चूर्ण** एक चम्मच सुबह–शाम शहद के साथ दे।

श्री सचिन शाहू, रायपूर
प्र. मेरी उम्र 43 वर्ष है। शारीरिक कमजोरी आयी है। इस कारण शारीरिक कमजोरी लगातार बनी रहती है। इस कारण बहुत परेशान हूँ।
उ. बैद्यनाथ वीटा एक्स गोल्ड प्लस कॅप्सूल 1–1 कॅप्सूल सुबह – शाम भोजन के बाद दूध के साथ लें। साथ में **बैद्यनाथ धातुपौष्टिक चूर्ण** 1 से 2 चम्मच समान भाग मिश्री और दुध के साथ लें।

श्री किशोर दूबे, धमतरी
प्र. मेरा नॉर्मल ब्लड शुगर लेवल मेन्टेन नही रहता है। कमजोरी से आँखों के आगे अंधेरा छा जाता है। प्यास ज्यादा लगती है। दिनभर के बाद काम से रात में थकान महसूस करता हूँ।
उ. बैद्यनाथ बसन्त कुसुमाकर रस रात 1–1 टेबलेट सुबह–सायं. जल या दूध के साथ सेवन करें। साथ ही **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्य** 1–1 चम्मच दिन में 2 बार भोजन के बाद लें। टहलने का अभ्यास करें। चिकने व भारी पदार्थो का सेवन न करें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 844 844 4935 I www.baidyanath.co



हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930